संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक-335 रविवार,08 अक्टूबर 2023, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

मोदी को मिली जान से मारने की धमकी

» यूरोप से एनआईए को मेल

» 500 करोड़ रुपए की मांगी फिरौती

नई दिल्ली,07 अक्टूबर 2023(ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जान से मारने की धमकी मिली है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी को इस बारे में धमकी भरा ईमेल मिला है। ईमेल में पीएम मोदी के अलावा अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम को भी बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। मेल भेजने वाले ने 500 करोड़ रुपए और जेल में बंद लॉरेंस बिश्नोई की रिहाई की मांग भी की है। एनआईए ने मुंबई पुलिस और पीएम सिक्योरिटी को धमकी भरे ईमेल के बारे में अलर्ट कर दिया है।

विदेश में बैठे किसी व्यक्ति की शरारत

धमकी भरा मेल मिलने के बाद नरेंद्र मोदी स्टेडियम की सुरक्षा की समीक्षा की गई है। वहीं, मुंबई पुलिस ने भी सुरक्षा बढ़ा दी है। गुजरात पुलिस के अलावा पीएम मोदी की सुरक्षा से जुड़ी कई एजेंसियों को इस धमकी भरे ईमेल की जानकारी दी गई है। एनआईए को जिस ईमेल आईडी से मेल भेजा गया था, हमने उसके बारे में भी पता कर लिया है। मेल यूरोप से भेजा गया है।' उन्होंने बताया कि ऐसा लग रहा है जैसे यह विदेश में बैठे किसी व्यक्ति की शरारत है, उन्होंने उस व्यक्ति की तलाश शुरू कर दी है। साथ ही वर्ल्ड कप के सभी मैचों के लिए भी कड़ी सुरक्षा का इंतजाम करने का आश्वासन भी दिया है।

500 करोड़ रुपए और बिश्नोई की रिहाई की मांग

एनआईए को भेजे गए धमकी भरे मेल में कहा गया है कि, 'अगर सरकार हमें 500 करोड़ रुपए देने और लॉरेंस बिश्नोई को रिहा करने में असमर्थ रही तो हम नरेंद्र मोदी स्टेडियम और पीएम मोदी को बम से उड़ा देंगे। हिंदुस्तान में सब कुछ बिकता है तो हमने भी कुछ खरीदा है। कितना भी सुरक्षित कर लो हमसे नहीं बच पाओगे। अगर बात करनी है तो इस मेल पर ही बात करना।' बता दें कि इससे पहले खलिस्तान आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नूं ने वर्ल्ड कप मैचों के दौरान हमला करने की चेतावनी दी थी, जिसके बाद अहमदाबाद में उसके खिलाफ एफआईआर भी दर्ज की गई है।

वित्त मंत्री ने आम लोगों को दी राहत

अब मिलेट्स से बने आटे पर नहीं चुकाना होगा टैक्स!

नई दिल्ली,07 अक्टूबर 2023(ए)। केंद्र सरकार ने जीएसटी मीटिंग में आम लोगों को राहत देने वाला बड़ा फैसला लिया है।आज वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में जीएसटी कांउसिल की 52वीं बैठक हुई। गौरतलब है की मीटिंग में फैसला लिया गया है की मिलेट्स से बने आटे पर कोई जीएसटी नहीं लगेगी।

निर्मला सीतारमण ने फैसले की जानकारी देते हुए कहा कि आटे में अगर 70 प्रतिशत तक मिलेट्स होगा, तो उसकी खुली बिक्री होने पर जीएसटी नहीं लगेगा। मिलेट्स के आटे को पैकेट में बेचने पर 5 प्रतिशत तक जीएसटी लगाई जाएगी, जो पहले 18 प्रतिशत तक थी।

जी 20 प्रेसिडेंसी में किया था प्रचार

मिलेट्स को आम भाषा में मोटा अनाज कहा जाता है। मोटा अनाज ज्वार, बाजरा और रागि आदि होता है। मोटे अनाज से बने आटे पर सरकार ने छूट दी।

पीएम मोदी ने की इजरायल में हमास के हमले की निंदा

» बोले-भारत मजबूती से इजरायल का देगा साथ

नई दिल्ली,07 अक्टूबर 2023(ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इजरायल पर हमास के आतंकी हमले की निंदा की है। उन्होंने कहा है कि हमले की खबर आहत करने वाली है। पीएम ने कहा कि उनकी संवेदनाएं हमास हमले के पीड़ितों के साथ है। पीएम ने कहा है कि हमारी ईश्वर से प्रार्थना है कि हमले के घायलों को प्रभु शीघ्र स्वस्थ करें और जिनकी मौत हुई है उनके परिजनों को इस कठिन परिस्थिति को सहने करने की शक्ति दें।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इजरायल पर आतंकी संगठन हमास के हमले को लेकर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इजराइल में हुए आतंकवादी हमलों की खबर से गहरा सदमा लगा है। हम इस कठिन समय में इजराइल के साथ एकजुटता से खड़े हैं। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं निर्दोष पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ हैं।

इजरायल के खिलाफ हुए आतंकी संगठन हमास के हमले की ब्रिटिश पीएम सुनक ने भी निंदा की। उन्होंने कहा कि इजरायल को अपनी रक्षा का पूरा अधिकार है।

इसरो ने साझा की गगनयान अंतरिक्ष यान की पहली तस्वीर

जल्द शुरू होंगे टेस्ट

बेंगलुरु,07 अक्टूबर 2023(ए)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने बेंगलुरु में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर गगनयान अंतरिक्ष यान की तस्वीरें साझा की है, जो दिसंबर, 2024 में मनुष्यों को अंतरिक्ष में ले जाने के लिए तैयार है।इसरो ने अपने एक्स पोस्ट में कहा, इसरो गगनयान मिशन के लिए मानवरहित फ्लाइट टेस्ट शुरू करेगा। फ्लाइट टेस्ट व्हीकल एबॉर्ट मिशन-1 (टीवी-डी1) की तैयारी चल रही है, जो क्रू एस्केप सिस्टम के प्रदर्शन को प्रदर्शित करता है।

गगनयान मिशन के तहत इसरो करीब 3 दिनों के लिए 2 से 3 सदस्यों के एक दल को पृथ्वी के चारों ओर लगभग 400 किलोमीटर की गोलाकार कक्षा में ले जाएगा और भारतीय समुद्री जल में किसी चुने हुए स्थान पर उन्हें उतारकर पृथ्वी पर सुरक्षित वापस ले आएगा।इसरो ने कहा है कि आगामी फ्लाइट टेस्ट मानवरहित मिशनों के लिए मंच तैयार करेगी और इससे भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों के साथ पहला गगनयान मिशन शुरू होगा।

सिक्किम में बाढ़ से 56 लोगों की मौत

» 3 हजार पर्यटक फंसे; कुल 2413 लोगों को बचाया.

» खराब मौसम के कारण हवाई बचाव अभियान में आ रही है बाधा

नई दिल्ली,07 अक्टूबर 2023(ए)। सिक्किम में तीस्ता नदी में अचानक आई बाढ़ से जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। चार दिन बाद भी शव गंदगी और मलबे में मिल रहे हैं। सिक्किम में बाढ़ से अब तक 56 शव बरामद किये जा चुके हैं। इनमें से 30 से ज्यादा शव पश्चिम बंगाल की तीस्ता नदी से बरामद किए गए हैं।

सेना के 22 जवान लापता थे, जिनमें से 7 के शव मिल गए हैं। राज्य में चार दिनों से 3 हजार पर्यटक फंसे हुए हैं। खराब मौसम के कारण हवाई बचाव अभियान में बाधा आ रही है। शुक्रवार को वायुसेना ने एमआई-17 हेलिकॉप्टरों की मदद से ऑपरेशन चलाने की कई कोशिशें कीं।

पश्चिम बंगाल सरकार के अनुसार, तीन जिलों सिलीगुड़ी, जलपाईगुड़ी और कूच बिहार में तीस्ता नदी से शव बरामद किए गए। सिक्किम सरकार के मुताबिक, 16 शव बरामद किए गए हैं, जिनमें मंगन से चार, गंगटोक से छह और पाकयोंग जिले में भारतीय सेना के सात शव शामिल हैं। सिक्किम सरकार के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, 142 लोग अभी भी लापता हैं और 25,000 से अधिक लोग इस आपदा से प्रभावित हुए हैं।

कुल 2413 व्यक्तियों को बचाया गया

बाढ़ के कारण 1200 से ज्यादा घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। कुल 13 पुल बह गए हैं। अब तक विभिन्न इलाकों से 2413 लोगों को बचाया गया है। इसके अलावा राज्य भर में 22 राहत शिविरों में 6875 लोगों ने शरण ली है। इनमें से अधिकतर इलाके देश के बाकी हिस्सों से कटे हुए हैं।

चार दिन तक फंसे रहे तीन हजार पर्यटक

इस बीच, वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि उत्तरी सिक्किम में फंसे लगभग 3,000 पर्यटकों को अभी तक नहीं निकाला गया है। वायुसेना की ओर से कई बार एमआई-17 हेलीकॉप्टर भेजने की कोशिश की गई, लेकिन खराब मौसम के कारण सफलता नहीं मिल पाई। दरअसल, निचले इलाकों में बादल छाए रहने, लाचेन और लाचुंग घाटियों में कम दृश्यता के कारण इस समस्या का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए बागडोगरा और चाटेन से हेलीकॉप्टर उड़ान नहीं भर सकते।

विवाहित जोड़े को एक-दूसरे के साथ से वंचित करना 'अत्यधिक क्रूरता':हाईकोर्ट

नई दिल्ली,07 अक्टूबर 2023(ए)। अमन को तलाक देने के फैमिली कोर्ट के आदेश को बरकरार रखते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा है कि एक विवाहित जोड़े को एक-दूसरे के साथ एवं वैवाहिक रिश्ते से वंचित करना अत्यधिक क्रूरता का काम है।

फैमिली कोर्ट ने पत्नी द्वारा क्रूरता के आधार पर हिंदू विवाह अधिनियम, 1956 की धारा 13 (1) (आईए) के तहत एक पति को तलाक दे दिया था। अदालत ने कहा, किसी जोड़े को एक-दूसरे के साथ और वैवाहिक रिश्ते से वंचित किया जाना अत्यधिक क्रूरता का काम है।

दोनों पक्षों की शादी 2012 में हुई थी, लेकिन अलग होने से पहले वे केवल दस महीने तक साथ रहे। दोनों परिवारों द्वारा सुलह कराने के प्रयासों के बावजूद, जोड़े के बीच मतभेद बने रहे, जिससे विवाह में अविश्वास, नाखुशी और अनिश्चितता पैदा हुई। अदालत ने कहा कि भले ही ये मतभेद व्यक्तिगत रूप से सामान्य वैवाहिक मुद्दों की तरह लग सकते हैं, लेकिन महीनों तक इनका लगातार बने रहना, जिसका कोई समाधान नजर नहीं आता, मानसिक आघात का कारण बना। इसने घर की स्थिति के बारे में पति की निरंतर आशंका को भी उजागर किया, चाहे वह काम पर हो या घर पर। पत्नी के खुद को कमरे में बंद करने की हरकत से पति के मन में उसके खिलाफ झूठे मामले दर्ज होने का डर प्रबल हो गया।अंत में, अदालत ने पत्नी के कृत्य को क्रूरता माना और पारिवारिक अदालत द्वारा दिए गए तलाक को बरकरार रखा। इसने वैवाहिक रिश्ते में साहचर्य, आपसी विश्वास और एकजुटता के महत्व की ओर इशारा किया, जिसका इस मामले में झूठे निहितार्थों के व्यापक भय के कारण अभाव था।

महादेव बेटिंग ऐप मामला पर मचा बवाल

» मुंबई के चर्चित प्रोडक्शन हाउस पर श्रष्ठ की दबिश, बॉलीवुड सितारों में मचा हड़कंप

मुंबई ,07 अक्टूबर 2023(ए)। महादेव बेटिंग ऐप मामले में बॉलीवुड स्टार्स ईडी की रडार पर हैं। ईडी लगातार इस मामले में कार्रवाई कर रही है। जांच के दायरे में बीते दिन बॉलीवुड के चर्चित स्टार्स रणबीर कपूर, हुमा कुरैशी, श्रद्धा कपूर से लेकर कॉमेडियन कपिल शर्मा का नाम सामने आया है। इसके बाद अब जांच एजेंसी ने मुंबई के सबसे बड़े प्रोडक्शन हाउस में छापेमारी की है। प्रोडक्शन हाउस में रेड पड़ने के बाद से बॉलीवुड सितारों में हड़कंप सा मच गया है।

बॉलीवुड स्टार्स के बाद अब मुंबई के सबसे बड़े प्रोडक्शन हाउस में छापा पड़ा है। जानकारी के अनुसार मुंबई में 5 अलग-अलग जगहों पर जांच एजेंसी की रेड जारी है। मुंबई के सबसे बड़े प्रोडक्शन हाउस 'कुरैशी प्रोडक्शंस' भी इस मामले की चपेट में आ गया है। सूत्रों के अनुसार मुम्बई अंधेरी वेस्ट में स्थित दुर्गा इंटरप्राइजेज की बिल्डिंग के तीसरे फ्लोर पर कुरैशी प्रोडक्शन हाउस का ऑफिस है। कुरैशी प्रोडक्शंस वसीम और तबस्सुम कुरेशी का मुंबई के सबसे पॉपुलर प्रोडक्शंस हाउस में से एक है। जानकारी के मुताबिक शुक्रवार शाम को श्रष्ठ की टीम यहां पहुची थी और करीब 8 घंटे यहां छानबीन की गई थी। इसके बाद ईडी को कई सारे ऐसे लीक मिले जैसे ने उलझी हुई पहेली को सुलझा दिया।

जानकारी के अनुसार वसीम कुरेशी के प्रोडक्शन हाउस को दुबई से महादेव बेटिंग ऐप की तरफ से बड़ी रकम भेजी गई थी, जिसकी जांच करने श्रष्ठ की टीम पहुंची थी। यह रकम एक बड़े बजट की रिजनल भाषा में बनाई जाने वाली फिल्म के लिए वसीम कुरेशी को भेजी गई थी।

केरल हाईकोर्ट ने दोषी को एलएलबी में एडमिशन लेने की दी अनुमति

कोच्चि ,07 अक्टूबर 2023(ए)। केरल हाईकोर्ट ने हत्या के एक दोषी को बैचलर ऑफ लॉ (एलएलबी) कोर्स में एडमिशन लेने की अनुमति दे दी है। एके जयशंकरन नांबियार और कौसर एडप्पागथ की खंडपीठ ने गुरुवार को केएमसीटी लॉ कॉलेज, कुट्टीपुरम को दोषी पी. सुरेश बाबू के लिए एडमिशन फॉर्मेलिटी को ऑनलाइन पूरा करने के लिए सभी फैसिलिटी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

केएमसीटी लॉ कॉलेज, कुट्टीपुरम में 3 वर्षीय एलएलबी कोर्स में याचिकाकर्ता/अपीलकर्ता की प्रवेश औपचारिकताएं शनिवार को दोपहर 12.00 बजे ऑनलाइन मोड के माध्यम से की जाएंगी। जेल अधीक्षक वीडियो कॉन्फ्रेंस के लिए आवश्यक व्यवस्था करने के लिए केएमसीटी लॉ कॉलेज के प्रिंसिपल के साथ समन्वय करेंगे। बाबू को दोषी ठहराए जाने और आजीवन कारावास की सजा सुनाए जाने के बाद अब तक वह पांच साल की सजा काट चुका है। बीए इकोनॉमिक में ग्रेजुएशन होने के बाद, बाबू ने जेल में रहते हुए इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय से एमए (समाजशास्त्र) में मास्टर डिग्री हासिल की।

अर्श से फर्श पर पहुंचा टमाटर

सही दाम न मिलने पर मुफ्त बांटने लगे किसान

महाराष्ट्र ,07 अक्टूबर 2023(ए)। इस साल टमाटर किसी सेलिब्रिटी से कम नहीं है और आए दिन सुर्खियों में आ रहा है। कभी टमाटर के भाव 300 रुपये के पार पहुंच जाते हैं तो कभी मंडियों में 10 रुपये प्रति किलो से भी कम कीमतें हो जाती है। इसी कड़ी में टमाटर एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। दरअसल, महाराष्ट्र के लातूर जिले के मुरुड़ गांव में किसानों को टमाटर के उचित दाम नहीं मिल रहे हैं, जिसके चलते गुस्साए किसानों ने अपने टमाटर को मुफ्त में ही बांटना शुरू कर दिया। इसकी वीडियो भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है।दरअसल, दो महीने पहले टमाटर के बढ़ते रेट को देखकर किसानों ने मार्केट में अच्छा भाव मिलने की उम्मीद से टमाटर के उत्पादन पर जोर दिया, लेकिन अब टमाटर की मार्केट में आवक इतनी बढ़ गई है कि लातूर के मार्केट में हर दिन 5000 कैरेट टमाटर की आवक हो रही है।

बेंगलुरु में पटाखे की दुकान में लगी भीषण आग

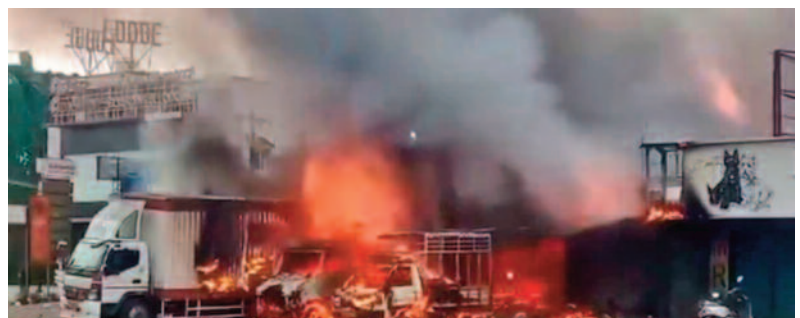

बेंगलुरु,07 अक्टूबर 2023(ए)। बेंगलुरु के अट्टीबेले में शनिवार को एक पटाखे की दुकान में आग लग गई। आग लगने की घटना में दुकान मालिक समेत चार लोगों को हल्की चोटें आई हैं।मौके पर दमकल की गाड़ियां मौजूद

समाचार एजेंसी पीटीआई ने पुलिस के हवाले से बताया कि आग लगने की सूचना मिलने के बाद दमकल की गाड़ियां भेजी गई। पुलिस ने बताया कि ये घटना शाम करीब साढ़े चार बजे की है।आग लगने की घटना में चार घायल

बेंगलुरु ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक मल्लिकार्जुन बालादंडी ने कहा कि शनिवार शाम को एक पटाखे की दुकान में आग लग गई, जिसमें मामूली रूप से चार लोग घायल हो गए।

पुलिस अधिकारी ने कहा कि मौके पर दमकल की पांच गाड़ियां भेजी गई हैं। साथ ही आग पर नियंत्रण पा लिया गया है। उन्होंने कहा कि आग लगने का कारण अभी सामने नहीं आया है।

चिराग पासवान ने जाति आधारित गणना पर उठाए सवाल

» बोले- इसमें हेराफेरी है; तटस्थ एजेंसी से दोबारा करवाई जाए

» चिराग पासवान ने प्रदेश सरकार, चाचा पशुपति पारस और लालू यादव को लेकर खुलकर की बात

» चिराग ने बिहार से जुड़े मुद्दों के साथ अपनी राजनीति और रणनीति पर भी रखे विचार

पटना,07 अक्टूबर 2023(ए)। मंडल और मंदिर के बीच बंटती जा रही बिहार की राजनीति में इन दिनों दो युवाओं की खूब चर्चा होती है- तेजस्वी यादव और चिराग पासवान लालू प्रसाद अगर इस राजनीति के अतीत हैं तो नीतीश कुमार वर्तमान माने जा सकते हैं।

इस कड़ी में अगर मंडल राजनीति की भविष्य को देखें तो इस समय यही दोनों चेहरे नजर आएंगे। संयोग यह कि निश्चित समर्थक वर्ग के साथ इन दोनों के वोट बैंक में अच्छी खासी पूंजी विरासत के रूप में जमा है।

ये कहीं भी रहें, मोटे तौर पर इनका वोट बैंक साथ चलता रहता है। समय-समय पर तेजस्वी और चिराग-दोनों ने इसे साबित भी किया है। चिराग लगातार इस प्रयास में हैं कि पिता रामविलास पासवान की विरासत को न सिर्फ संभाले, बल्कि उसे बहुत दूर तक ले जाएं।राजनीतिक निर्णयों में लचीलापन के मोर्चे पर वह बहुत हद तक पिता के करीब और कुछ मामलों में उनसे कुछ दूर भी चले जाते हैं। उनके शब्दकोष में सभी दलों के लिए समझौते की गुंजाइश तो है, लेकिन बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लिए कोई नरमी नहीं है।

C M Y K

संपादकीय

आप में आगे किसकी बारी ?

मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन और अब संजय सिंह की गिरफ्तारी के बाद आम आदमी पार्टी के नेता डरे हुए हैं। सबको गिरफ्तारी की चिंता सता रही है। तभी दिल्ली के राजनीतिक सर्किल में यह बात पूछा जा रहा है कि अब किसकी बारी है? क्या केंद्र सरकार की एजेंसियां मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ कार्रवाई करेंगी? संजय सिंह की गिरफ्तारी के बाद भाजपा ने आप कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया और नारा लगाया कि केजरीवाल के लिए भी हथकड़ी पहुंचने वाली है। असल में शराब घोटाले में पार्टी के कई नेताओं के नाम आ रहे हैं या लाए जा रहे हैं। वाईएसआर कांग्रेस के एक सांसद के रिश्तेदार के साथ साथ एक कारोबारी दिनेश अरोड़ा सरकारी गवाह बन गए हैं। उसके बाद ही आप के नेताओं की चिंता बढ़ी है।

संजय सिंह की गिरफ्तारी का एक कारण यह बताया जा रहा है कि उन्होंने दिनेश अरोड़ा को अरविंद केजरीवाल से मिलवाया था और पार्टी के लिए 82 लाख रुपए का चंदा वसूला था। जब मिलवाने वाले व्यक्ति को ईडी ने गिरफ्तार कर लिया तो सोचा जा सकता है कि मिलने वाली यानी केजरीवाल के लिए कितनी मुश्किल हो सकती है। हालांकि यह सबको पता है कि उन्होंने किसी फाइल पर दस्तखत नहीं किया होगा। लेकिन अगर शराब नीति में बदलाव करने के बदले पार्टी को पैसे मिलने का कोई सबूत मिलता है तो निश्चित रूप से पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक के नाते केजरीवाल मुश्किल में आएंगे। ईडी के एक आरोपपत्र में आप के सांसद राघव चड्ढा का भी नाम है। हालांकि वे आरोपी नहीं बनाए गए हैं लेकिन एजेंसियों को किसी को आरोपी बनाने में कितना समय लगता है! तभी आम आदमी पार्टी में चिंता बढ़ी है और पार्टी के नेता इस मुश्किल को मौके में बदलने के प्रयास में लगे हैं।

केजरीवाल के लिए गंभीर समस्या

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल हर मुश्किल को मौका बनाने में माहिर नेता हैं। लेकिन शराब नीति का घोटाला उनके गले की हड्डी बन रहा है। इस मामले में उनके नेता एक एक करके जेल जा रहे हैं और पूरी पार्टी के ऊपर खतरा मंडरा रहा है। इस खतरे का दायरा इसलिए भी बड़ा हो गया है क्योंकि केजरीवाल के पास जनाधार वाले या राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले नेता नहीं बचे हैं। उन्होंने एक डिजाइन के तहत पार्टी के तमाम संस्थापक नेताओं को या ऐसे नेताओं को, जिनका कोई स्वतंत्र वजूद था उनको बाहर कर दिया। प्रशांत भूषण से लेकर योगेंद्र यादव, कुमार विश्वास, आनंद कुमार आदि की मिसाल दी जा सकती है। उसके बाद उनके पास एमएलए तो बहुत हो गए और राज्यसभा के सांसद भी 10 हो गए लेकिन नेता गिनती के बचे। मनीष सिसोदिया और संजय सिंह के अलावा ले-देकर गोपाल राय और अब राज्यसभा में जाने के बाद राघव चड्ढा ही ऐसे नेता हैं, जो राजनीति के मैदान में दिखाई देते हैं।

केंद्रीय जांच एजेंसियों ने मनीष सिसोदिया और संजय सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। ये दोनों आम आदमी पार्टी का सबसे मुखर और लोकप्रिय चेहरा थे। सिसोदिया को जेल में आठ-नौ महीने हो गए। निचली अदालत और हाई कोर्ट ने उनकी जमानत नामंजूर कर दी है। लंबा समय बीत जाने और पत्नी की गंभीर बीमारी की दलीलों के बावजूद उनको जमानत नहीं मिली है। अब उनकी जमानत पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हो रही लेकिन वहां दूसरी मुश्किल खड़ी होती दिख रही है। सर्वोच्च अदालत ने उलटे एजेंसियों से यह पूछा है कि जब घोटाले का पैसा पार्टी के खाते में गया है तो पार्टी को आरोपी क्यों नहीं बनाया गया? ध्यान रहे एजेंसियों ने कहा है कि शराब घोटाले का पैसा गोवा के विधानसभा चुनाव में खर्च किया गया। सोचें, अगर इस वजह से पूरी आम आदमी पार्टी ही आरोपी हो जाए तो पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल कितने समय तक बच पाएंगे?

बहरहाल, आम आदमी पार्टी के संस्थापक नेताओं को निकालने के बाद भी केजरीवाल के पास मौका था कि वे मजबूत जनाधार वाले और राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले लोगों को राजनीति में आगे करते। पार्टी में पद देते, सांसद या विधायक बनाते लेकिन उन्होंने अपनी असुरक्षा में यह काम नहीं किया। उन्होंने बिना आधार वाले निराकार चेहरों को आगे किया। मिसाल के तौर पर दिल्ली से तीन राज्यसभा सदस्य बनाने का उनको मौका मिला तो उन्होंने एक सीट संजय सिंह को दी लेकिन दो सीटों पर सुशील गुप्ता और एनडी गुप्ता को उच्च सदन में भेजा, जिनका कोई राजनीतिक वजूद नहीं है। इसी तरह पंजाब में सात राज्यसभा सांसद बनाने का मौका मिला तो उन्होंने वहां भी क्रिकेटर हरभजन सिंह के अलावा तीन कारोबारियों- अशोक

मित्तल, संजीव अरोड़ा और विक्रमजीत सिंह साहनी, एक चुनाव प्रबंधक संदीप पाठक और एक धार्मिक गुरू संत बलबीर सिंह को उच्च सदन में भेजा। वहां से ले-देकर एक राघव चड्ढा हैं, जो राजनीति करते दिखते हैं।

सो, अपने असुरक्षा भाव में केजरीवाल ने जनाधार वाले और राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले नेताओं को या तो किनारे कर दिया या पार्टी से निकाल दिया। उन्होंने पिछले कुछ दिनों से अपनी महत्वाकांक्षाओं को ताले में बंद करके विपक्षी पार्टियों के साथ संबंध सुधारे हैं। वे विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की तीनों बैठकों में बड़े लाव-लश्कर के साथ शामिल हुए। लेकिन मुश्किल यह है कि विपक्षी पार्टियां खुद ही केंद्रीय एजेंसियों की जांच में फंसी हैं। ज्यादातर पार्टियों के खिलाफ वैसे ही कार्रवाई चल रही है, जैसे आम आदमी पार्टी के खिलाफ चल रही है। तृणमूल कांग्रेस से लेकर, झारखंड मुक्ति मोर्चा और राष्ट्रीय जनता दल से लेकर जनता दल यू तक तमाम क्षेत्रीय पार्टियां मुश्किल में हैं। कांग्रेस के भी कई नेताओं पर तलवार लटक रही है। इस मामले में एक मुश्किल यह भी है कि विपक्ष का शायद ही कोई नेता होगा, जिसको केजरीवाल ने अपनी शुरुआती राजनीति के दिनों में भ्रष्ट नहीं ठहराया था। सो, सबके मन में उसकी भी एक गांठ निश्चित रूप से होगी।

अब मुश्किल यह है कि अपनी पार्टी में केजरीवाल इकलौते नेता हैं और उन पर भी शिकंजा कस रहा है। अगर शराब नीति में हुए कथित घोटाले का पैसा पार्टी ने चुनाव में खर्च किया है और अदालत की टिप्पणी के बाद एजेंसियां पार्टी को भी आरोपी बनाती हैं तो सीधे केजरीवाल पर गाज गिरेगी। भारतीय जनता पार्टी ने कहना शुरू कर दिया है कि केजरीवाल के लिए भी हथकड़ी आने वाली है। ध्यान रहे केजरीवाल भाजपा के लिए बाकी किसी भी प्रादेशिक क्षत्रप से ज्यादा बड़ा खतरा हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को पता है कि केजरीवाल इकलौते नेता हैं, जो किसी भी मामले में भाजपा से बड़ा इवेंट और नैरेटिव क्रिएट कर सकते हैं। वे कितना भी बड़ा झूठ बोल सकते हैं और कोई भी वादा कर सकते हैं। उनके ड्रामे बाकी पार्टियों से अलग होते हैं और जनता में उनकी अपील होती है। ऊपर से अब वे विपक्षी गठबंधन में शामिल हो गए हैं और कम से कम दो राज्यों पंजाब और दिल्ली में कांग्रेस के साथ गठबंधन की बात कर रहे हैं। तभी उनके खिलाफ कार्रवाई की संभावना दिख रही है। तभी सवाल है कि क्या अपनी जान बचाने के लिए वे भाजपा और केंद्र सरकार के साथ कोई डील कर सकते हैं? इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। बसपा, बीआरएस सहित कई पार्टियों के लिए ऐसा कहा जा रहा है कि केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई से बचने के लिए उन्होंने अंदरखाने कोई समझौता कर लिया है। केजरीवाल के सामने भी दो रास्ते दिख रहे हैं। पहला रास्ता तो सीधे भिड़ने का है। वे आम आदमी पार्टी के कट्टर ईमानदार और कट्टर देशभक्त पार्टी होने का एजेंडा लेकर सड़क पर उतर सकते हैं। उन्होंने प्रेस कांफ्रेंस करके कहा है कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार अब तक की सबसे भ्रष्ट सरकार है। यह टकराव का रास्ता है, जिसमें जोखिम बहुत है। सो, देखना होगा कि केजरीवाल इस पर कितनी देर और कितनी दूर तक टिके रहते हैं। यहां यह ध्यान रखना होगा कि उनके पीछे कोई बड़ी ताकत नहीं है। दूसरी पार्टियां उनकी लड़ाई लड़ेंगी इसमें संदेह है। उनके सामने दूसरा रास्ता चुपचाप समझौता कर लेने का है। अगर वे टकराव बढ़ा कर विपक्षी गठबंधन से बाहर हो जाते हैं और अकेले लोकसभा चुनाव लड़ने का ऐलान कर देते हैं तो हो सकता है कि अगले साल के लोकसभा चुनाव तक कुछ राहत मिले।

-अजीत द्विवेदी-

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

गम के साये में

हमने कभी गम के साये में
जिंदगी गुजारी है
कभी बेबसी और जिल्लत भी
पड़ी भारी है।
कोई हाले दिल पूछना
मुनासिब नही समझा
पर !वक्त ने सिखाया,
क्या होती दुनियादारी है।
यह जिंदगी आसान नही
काँटों भरी सफर है
मुझको मालूम है
यहाँ कौन कितना बेहतर है।
सभी के दिलों में
कुछ न कुछ दर्द तो दफन है
पर ! दिखाना गवाँरा नही है
बताते कमतर हैं।
चेहरे में खुशी
और होठ में मुस्कान दिखती है
इसी नजारों में सारी
दुनिया मरती- फिरती है।
उस चेहरे में न जाने
कितने-कैसे राज छिपे हैं
पर !कभी-कभी
राज की पीड़ा चीख पड़ती है।

अशोक पटेल आशु
शिवरीनारायण
छत्तीसगढ़

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

एक कोना मेरे दिल में मेरा है...

आज भी एक कोना
मेरे दिल में मेरा है।
जिसमें अब तलक
बचपन का सवेरा है।।
वहीं सहेज कर रखे हैं
मैंने खूबसूरत लम्हे,
उन लम्हों में
खूबसूरती का ही डेरा है।
कोई तकलीफ नहीं
मन के उस कोने में,
वहाँ बस उम्मीदों के
जुगनुओं का बसेरा है।
जब चाँद आकर
बैठ जाता है सिरहाने,
बस वही एक पल तो होता मेरा है।
होती है गुफ़्तगू यूँ प्यार की प्यार से,
प्यार का यह बादल बड़ा घनेरा है।
उस कोने में हैं कुछ भीगे से जज्बात,
जिनकी रोशनाई ने नूर सा बिखेरा है।
जब-जब सुकून की
तलाश हुई है मुझे,
उस मन की संवेदनाओं ने
मुझे घेरा है।
वो कोना अक्सर कहता है
मुझसे प्रीति।
ए ज़िन्दगी क्या पता
आख़िर तेरा है।

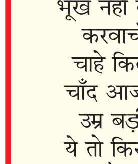

प्रीति चौधरी मनोरमा
बुलंदशहर
उत्तरप्रदेश

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

करवा चौथ

भूख नहीं लगती है स्त्री को,
करवाचौथ निभाने में,
चाहे कितनी देर लगा ले
चाँद आज नज़र आने में,
उम्र बड़ी होगी या नही
ये तो किसी को पता नहीं,
आशा है प्यार बढ़ ही जायेगा
यूँ त्याग दिखाने में।।
आज जी भर संवरती,
सोलह श्रृंगार करती है,
सज के सुर्ख जोड़े में
चाँद का दीदार करती है,
उपहार मिले या ना मिले
उसे कोई परवाह नहीं,
पति की चाहत मिले,
इसी का इंतजार करती है।
तुम्हारा नाम अपनाती है
उसका मान बन जाना तुम,
जहाँ पर पा सके
सुकूं ऐसा विश्राम बन जाना तुम,
परीक्षा प्रेम की दे देगी
चुनेगी जंगलों के काँटे भी,
पत्नी गर सीता बन जाती है
तो राम बन जाना तुम।।

सोनल मंजू श्री ओमर
राजकोट,
गुजरात

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

एम एस केशरी पब्लिकेशन द्वारा आयोजित दो दिवसीय काव्यगोष्ठी का आयोजन सम्पन्न

मुजफ्फरनगर,07 अक्टूबर 2023। एम एस केशरी पब्लिकेशन द्वारा हर माह 5 और 6 तिथि को दो दिवसीय काव्यगोष्ठी का आयोजन किया जाता है। एम एस केशरी पब्लिकेशन मुजफ्फरपुर बिहार की साहित्यिक संस्था हैं, जिसके तहत एकल पुस्तक और साझा संकलन पुस्तके प्रकाशित की जाती हैं और साथ ही साथ जुगलबंदी, काव्यगोष्ठी और कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। 5 अक्टूबर 2023 शाम 8 बजे भव्य काव्यगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ से अशोक कुमार यादव जी और मुजफ्फरपुर से मुस्कान केशरी जी थी, सरस्वती वंदना के लिए छत्तीसगढ़ से अनिल जायसवाल और मंच संचालन उत्तराखंड की रश्मि जी नें किया। काव्यपाठ के लिए आमंत्रित लेखक एंव लेखिका उत्तरा शर्मा, आरजू श्रीवास्तव, रमेश चन्द्रा, डाँ हंसा सिद्धपुरा, सुनीता श्रीवास्तव, आनन्द कुमार मित्तल, प्रो.डॉ. मनु सुनंदा गांवडे, श्रीमती आशा चंद्राकर, अंजलि डुडेजा, सावित्री गौतम सत्या, सीमा साह, हंसराज तंवर, श्रीमती सरोज साव, निखिल श्रीवास्तव, आशा सुमन, संदीप कुमार जैन ÷नवोदित ÷, अर्चना सिंह, भारत भूषण वर्मा असंध, विधा बाहेती जी थी। 6 अक्टूबर 2023 शाम 8 बजे की भव्य काव्यगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान के औक्टोंपाईडर सर्विस प्राईमेट लिमिटेड कंपनी के मालिक हिमांशु हर्ष जी और एम एस केशरी पब्लिकेशन की संस्थापिका मुस्कान केशरी जी, विशिष्ट अतिथि उत्तरप्रदेश से श्रीमती कविता, छत्तीसगढ़ से अनिल कुमार जायसवाल और अशोक कुमार यादव, मुजफ्फरपुर सें मोहिनी केशरी , सरस्वती वंदना उत्तराखंड की रश्मि जी और मंच संचालन मुस्कान केशरी जी द्वारा की गई। काव्यपाठ करनें हेतु आमंत्रित लेखक एंव लेखिका - रश्मि, सुदेश कुमारी, रितेश मिश्रा ऋतु, प्रो विमल गौतम, कुमारी हनिका राठी, डाँ भागीरथ मेघवाल, मुकेश कुमार सोनकर , अर्चना आनंद, डाँ कमलिनी पशीने, अरूण कुमार शुक्ल, आदित्य श्रीवास्तव डाँ योगिता हंस, डाँ शारदा प्रसाद दुबे , संजय कुमार, सरोज लता सोनी, डाँ राजेश कुमार, अंजू चौधरी, राजेश कुमार शर्मा, प्रवल प्रताप सिंह राणा, डाँ सत्यबीर निराला जी थे। देश के अलग अलग कोनें सें आए समस्त लेखक एंव लेखिका कों एम एस केशरी पब्लिकेशन द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। सभी नें एक से बढ़कर एक रचनाएँ सुनाई। सभी कों हार्दिक शुभकामनाएँ ।

शरीर से ज्यादा मन को स्वस्थ बनाना जरूरी

प्रतिवर्ष पूरी दुनिया में 10 अक्टूबर को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य के प्रति लोगों में जागरूकता लाना है और समर्थन जुटाना है। मानव समुदाय को तनावरहित जीवन देकर अच्छा स्वास्थ्य और लंबी आयु प्राप्त करने में मदद करना भी इस दिन का ध्येय है। वैज्ञानिक प्रगति, औद्योगिक क्रांति, बढ़ती हुई आबादी, शहरीकरण, महंगाई, बेरोजगारी एवं आधुनिक जीवन के तनावपूर्ण वातावरण के कारण मानसिक रोगों में भारी वृद्धि हुई है। यह किसी एक राष्ट्र के लिये नहीं, समूचे विश्व के लिये चिन्ता का विषय हैं। आज जीवन का हर क्षेत्र समस्याओं से घिरा है, आपाधापी एवं घटनाबहुल जीवन के कारण तनाव एवं दबाव महसूस किया जा रहा है, चाहे वह काम हो, रिश्ते हों, जीवन से उम्मीदें हों। हर आदमी संदेह, अंतर्द्वन्द्व और मानसिक उथल-पुथल की जिन्दगी जीने को विवश है। इन जटिल से जटिलतर होते हालातों में अच्छे मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखना महत्वपूर्ण हो गया है। इस वर्ष की थीम है 'मानसिक स्वास्थ्य एक सार्वभौमिक मानव अधिकार है।' मनोविकार जब किसी शारीरिक व्याधि के रूप में प्रकट होते हैं, तब वे मनोकायिक रोग या 'सायकोसोमेटिक डिज़ीज' के रूप में पहचाने जाते हैं। आज सर्वत्र अपेक्षा की जा रही है कि स्वस्थ मानसिकता का निर्माण हो। मनुष्य के विचारों और व्यवहारों को बदला जाए।

हर व्यक्ति जितना शारीरिक बीमारियों से पीड़ित है, उससे ज्यादा वह मानसिक बीमारियों एवं विकारों से ग्रस्त है। शास्त्रों में कहा गया है - चिंता, चिता के समान है। प्रतिदिन के तनाव से उपजती और मौत के मुंह में ले जाती गंभीर बीमारियों को देखते हुए यह बात बिल्कुल सही साबित होती है। हर एक मिनट का हिसाब रखती, भागदौड़ भरी वर्तमान जीवनशैली में सबसे बड़ी और लगातार उभरती हुई समस्या है मानसिक तनाव। हर किसी के जीवन में स्थाई रूप से अपने पांव पसार चुका तनाव, व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य को बुरी तरह से प्रभावित कर रहा है। निजी जिंदगी से शुरू होने वाला मानसिक तनाव पूरी दुनिया के लिए एक गंभीर समस्या बना है, जो अपने साथ कई तरह की अन्य समस्याओं को जन्म देने में सक्षम है। यही कारण है, कि इसे बचने के लिए और मानसिक शांति प्राप्त करने के लिए योग, ध्यान, अध्यात्म और कई तरह के अलग-अलग तरीकों को लोग अपने जीवन में उतार रहे हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन का एक नया विश्लेषण दर्शाता है कि दुनिया भर में क़रीब एक अरब लोग मानसिक विकार के किसी ना किसी रूप से पीड़ित हैं। एक अध्ययन के अनुसार अकेले भारतवर्ष में ही लगभग पांच करोड़ से अधिक लोग मनोरोगी हैं। एक मानसशास्त्रीय रिपोर्ट का निष्कर्ष है-किसी भी जनसंख्या का डेढ़ प्रतिशत जीवन भर मानसिक बीमारी से ग्रस्त रहता है। दस प्रतिशत व्यक्ति अपने जीवन में कभी न कभी इस रोग से प्रभावित होते हैं। मानसविदों की नवीनतम खोजों का सार है, संपूर्ण विश्व में हर दूसरा आदमी मानसिक दृष्टि से बीमार है। कुछ मनोवैज्ञानिकों का मानना है, जाने-अनजाने प्रत्येक व्यक्ति किसी न किसी मनोरोग से सदा पीड़ित रहता है। चिंता, घबराहट, नींद की कमी, निराशा, चिड़चिड़ापन, नकारात्मक सोच-ये सब मनोरोग के स्थूल लक्षण हैं। यह मानसिक पंगुता की शुरुआत है। इससे मस्तिष्क कुंठित हो जाता है। बौद्धिक स्फुरणा अवरुद्ध हो जाती है। दिमागी मशीनरी के जाम होते ही शरीर-तंत्र भी अस्त-व्यस्त और निष्क्रिय हो जाता है। असंतुलित मन स्वयं रोगी होता है और तन को भी रोगी बना देता है।

सर्वविदित है कि तनाव किसी भी समस्या का हल नहीं होता बल्कि कई अन्य समस्याओं का जन्मदाता होता है। उदाहरण के लिए तनाव इंसान को अत्यधिक सिरदर्द, माइग्रेन, उच्च या निम्न रक्तचाप, हृदय से जुड़ी समस्याओं से ग्रस्त करता है। दुनिया में सबसे अधिक हार्ट अटैक का प्रमुख कारण मानसिक तनाव होता है। यह आपका स्वभाव चिड़चिड़ा कर आपकी खुशी और मुस्कान को भी चुरा लेता है। इससे बचने के लिए तनाव पैदा करने वाले अनावश्यक कारणों को जीवन से दूर करना जरूरी ही नहीं, अनिवार्य हो गया है। जीवन में सुख, शांति और संतुष्टि के लिए मन की स्वस्थता भी उतनी ही जरूरी है, जितनी तन की स्वस्थता। वर्तमान में चिकित्सा विज्ञान की अनेक शाखाएं विकसित हुई हैं, उनमें एक है मानसिक स्वास्थ्य विज्ञान। इसके द्वारा व्यक्ति को मनोरोगों से बचाने का तथा स्वस्थ मानसिकता के निर्माण का प्रयास किया जाता है। स्वस्थ मन वाला व्यक्ति सदा आत्मतोष, पूर्णता एवं आनंद का अनुभव करता है। इससे व्यक्तित्व का संतुलित विकास होता है। संतुलित व्यक्ति जीवन में आनेवाली बाधाओं/कठिनाइयों में भी समायोजन स्थापित कर सकता है। मानसिक स्वास्थ्य से हमारा तात्पर्य है मन की शांति, चित्त की प्रसन्नता। परिस्थितियों के साथ समायोजन कर चलने वाला व्यक्ति लक्ष्य तक पहुंच जाता है। असमायोजित व्यक्ति पग-पग पर असफल होता है। फिर निराशा, हताशा से आक्रान्त होकर कई प्रकार के मनोरोगों का शिकार हो जाता है।

भारत तीस प्रतिशत युवा जनसंख्या के साथ युवाओं का देश है। किशोरों और वयस्कों के बीच मानसिक परेशानी की रोकथाम और प्रबंधन की शुरूआत जागरूकता बढ़ाकर और मानसिक रोग के प्रारंभिक चेतावनी संकेतों और लक्षणों को समझकर कम उम्र से की जानी चाहिए। इसीलिये 10 अक्टूबर वर्ष 2014 को राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य नीति की घोषणा की गयी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मानसिक बीमारियों की गंभीरता को देखते हुए अनेक बहुआयामी कार्यक्रमों की शुरुआत करने की पहल की हैं। किशोरावस्था और वयस्कता के शुरुआती वर्ष जीवन का वह समय होता है, जब कई बदलाव होते हैं, उदाहरण के लिए स्कूल बदलना, घर छोड़ना तथा कॉलेज, विश्वविद्यालय या नई नौकरी शुरू करना। कई लोगों के लिए ये रोमांचक समय होता हैं तथा कुछ मामलों में यह तनाव, अवसाद, कुंठा और शंका का समय हो सकता है। कई लाभों के साथ ऑनलाइन प्रौद्योगिकियों का बढ़ता उपयोग इस आयु वर्ग के लोगों के लिए अतिरिक्त दबाव भी लाया है, सभी मानसिक रोगों में से आधे चौदह वर्ष की उम्र तक शुरू होते हैं, आत्महत्या पंद्रह से उनतीस वर्षीय लोगों के बीच मृत्यु का दूसरा प्रमुख कारण है। किशोरों में अल्कोहल और मादक पदार्थों का हानिकारक उपयोग एक प्रमुख समस्या है तथा यह असुरक्षित यौन संबंध या खतरनाक ड्राइविंग जैसा जोखिमपूर्ण व्यवहार उत्पन्न करता है। शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति सामान्यतः सभी लोग चिंतित रहते हैं पर मन की स्वस्थता की ओर बहुत कम ध्यान दिया जाता है। स्वास्थ्य दवाओं पर नहीं, विचारों पर निर्भर करता है। मस्तिष्क और शरीर का गहरा संबंध है। मस्तिष्क की संरचना बहुत जटिल है, रहस्यमय है। शरीर का संचालन मस्तिष्क द्वारा होता है। विचार शरीर तंत्र को प्रभावित करता है। प्रो. गेट्स लिखते हैं- दूषित भावनाएं रक्त को दूषित करती है। कुविचार मन में आते ही ग्रंथियों के स्राव बदल जाते हैं। उनका निर्माण रूक भी जाता है। कुविचारों का जहरीला प्रभाव रक्त को विषाक्त कर देता है। इससे शरीर रूग्ण होता है। मस्तिष्क की क्षमताएं घटने लगती हैं वह कमजोर हो जाता है। हमेशा गंदे वातावरण में रहने वाला और कुविचारों से घिरा रहने वाला व्यक्ति शारीरिक स्वास्थ्य और व्यक्तित्व के प्रभाव को खो देता है। सद्विचारों से मानसिक प्रसन्नता का विकास होता है। उत्साह बढ़ता है। इससे न केवल व्यक्ति की चाल-ढाल में अंतर आता है, अपितु उसका व्यवहार भी गरिमामय बनता है। अतः व्यक्तित्व विकास के लिए अपेक्षा है, मानसिक संतुलन और सकारात्मक सोच को निरंतर विकसित किया जाए। सलक्ष्य अभ्यास और प्रयोग के द्वारा इस दिशा में सफलता उपलब्ध हो सकती है। चूंकि पूरा विश्व मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूक हो रहा है, और तनाव से दूर रहने के लिए प्रयास कर रहा है, तो आप भी यह संकल्प लें, कि किसी भी समस्या में अत्यधिक तनाव नहीं लेंगे। क्योंकि यह कई तरह की शारीरिक समस्याओं को भी जन्म दे सकता है। तनाव समस्याओं को सुलझाने के बजाए और अधिक जटिल बनाता है, इसलिये बेहतर यही है कि उन्हें शांति से समझते हुए हल किया जाए। समस्या में मुस्कुराना क्यों भूला जाए? हंसते रहिए, मुस्कुराते रहिए और चिंता को दूर भगाते रहिए।

- ललित गर्ग-

सभी राजनीतिक दल जुमलेबाजी में लगे

हमारे पास पौराणिक कथाओं से कई उदाहरण हैं कि कैसे अहंकार और घमंड महानतम और दिव्य विभूतियों को भी नष्ट कर देता है। सिर्फ भारतीय पौराणिक कथाएं ही नहीं, सभी धर्मों के धर्मग्रंथ एक ही बात कहते हैं। हम सभी इन धर्मग्रंथों को पढ़ते हैं, उन पर आधारित फिल्में देखते हैं और व्याख्यानों के दौरान उन्हें उद्धृत करते रहते हैं। लेकिन, जब कार्यान्वयन की बात आती है, तो कई लोग रावण और दुर्योधन के हो जाते हैं और अपना अहंकार छोड़ने से इनकार कर देते हैं। दरअसल, वे अहंकार को फूलने देते हैं और महसूस करने लगते हैं कि वे स्थायी हैं।

अपने घमंड और अहं के बावजूद रावण के पास ज्ञान और विवेक था जो अंततः उसे हिंदू पौराणिक कथाओं के सबसे सम्मानित नामों में से एक के रूप में स्थापित कर सकता था। लेकिन वह कभी भी उस पद और कद तक नहीं पहुंच पाए जिसके वे हकदार थे। रावण जैसे बुद्धिमान व्यक्ति की राम के हाथों ऐसी दुर्गति क्यों हुई? क्या खामी थी? उन्होंने सैकड़ों वर्षों तक एक पैर पर खड़े होकर ब्रह्मा की अब तक की सबसे कठिन तपस्याओं में से एक की थी, और अंततः ब्रह्मा ने उन्हें अमृत दिया जिसे उन्होंने अपनी नाभि में रख लिया। उन्होंने ब्रह्मा से देवताओं, राक्षसों, नागों, जानवरों, दिव्य प्राणियों आदि के हाथों मृत्यु न होने का वरदान मांगा, लेकिन उन्होंने नश्वर प्राणियों को तुच्छ समझकर छोड़ दिया। इच्छा पूरी हुई. अमरता के भ्रम ने रावण में अहंकार का पहला बीज बोया।

रावण को आयुर्वेद का विशेषज्ञ भी कहा जाता था। वह एक महान संगीतकार थे. किंवदंतियों के अनुसार, जब उन्होंने अपनी वीणा बजाना शुरू किया, तो देवता भी उनका संगीत सुनने के लिए प्रकट हो जाते थे। वह उतना ही भयंकर योद्धा और महान प्रशासक था। जब वह अपनी अपरिहार्य मृत्यु से कुछ ही क्षण दूर थे, राम ने लक्ष्मण से रावण को सम्मान देने और उचित शासन और प्रशासन के तरीके सीखने के लिए कहा - रावण ने अपना ज्ञान लक्ष्मण को दिया।

इसी तरह, महाभारत के अनुसार, दुर्योधन एक ऐसा व्यक्ति था जिसकी महत्वाकांक्षा और अहंकार ने उसके दुखद पतन के लिए मंच तैयार किया। यह कथा मानव स्वभाव के द्वंद्वों, अनियंत्रित महत्वाकांक्षा के परिणामों और नैतिक आचरण के महत्व पर कालातीत ज्ञान प्रदान करती है। जैसे-जैसे हम दुर्योधन के जीवन और विकल्पों में गहराई से उतरते हैं, हम महाभारत की नैतिक शिक्षाओं के सार और आज हमारे लिए उनके महत्व को उजागर करते हैं। हालाँकि महाभारत स्पष्ट रूप से महत्वाकांक्षा की निंदा नहीं करता है, लेकिन यह अनियंत्रित महत्वाकांक्षा की विनाशकारी क्षमता पर सूक्ष्मता से संकेत देता है, खासकर जब यह एक जुनून बन जाता है। दुर्योधन के चरित्र

के माध्यम से, महाकाव्य हमें सिखाता है कि महत्वाकांक्षा, जब अहंकार और अभिमान से निर्देशित होती है, तो हमें भटका सकती है, हमें आत्म-विनाश के मार्ग पर ले जा सकती है। यह उस कहावत की मार्मिक याद दिलाता है कि अनियंत्रित महत्वाकांक्षा अक्सर बर्बादी का मार्ग प्रशस्त करती है।

अगर हम देशभर की मौजूदा राजनीति पर नजर डालें तो पाते हैं कि चीजें ज्यादा नहीं बदली हैं। दरअसल, देश में राजनीतिक हालात ऐसे हैं कि अंदाजा लगाना मुश्किल हो रहा है कि राजनीतिक परिदृश्य क्या होगा. समीकरण बदल रहे हैं और गणनाएँ बहुत तेजी से बदल रही हैं। विकास की बात तो सभी करते हैं, लेकिन निम्नलिखित मुद्दों पर कोई विचार नहीं करता÷ क्या ये प्रस्ताव वास्तव में व्यावहारिक हैं; क्या कोई सरकार करदाता पर अतिरिक्त बोझ डाले बिना इन्हें लागू कर सकती है? राज्य या केंद्र की वित्तीय स्थिति क्या होगी? जो स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है वह सत्ता में बैठे दलों की ड्राइवर की सीट पर वापस आने की अनियंत्रित महत्वाकांक्षा है और विपक्षी दल किसी भी कीमत पर सत्तारूढ़ दलों की जगह लेना चाहते हैं। भाजपा जैसी कुछ पार्टियाँ विपक्षी दलों जैसे कांग्रेस और क्षेत्रीय दलों पर परिवारवादी पार्टियाँ होने का आरोप लगाती हैं, और क्षेत्रीय दल और कांग्रेस भाजपा को जुमला पार्टी कहते हैं। तथ्य यह है कि सभी जुमला में अधिक लिप्त हैं। इन दलों की अनियंत्रित महत्वाकांक्षा दुर्योधन और रावण की उस महत्वाकांक्षा से भिन्न नहीं है जिसने विनाश का मार्ग प्रशस्त किया। उदाहरण के लिए, तेलंगाना में कांग्रेस ने पांच गारंटी दी है जैसा कि उसने कर्नाटक चुनाव के दौरान किया था। उसे यहां दोबारा प्रदर्शन की उम्मीद है और कहा जा रहा है कि कई लोग नतीजे आने के बाद मुख्यमंत्री की सीट पर अपना दावा करने के लिए तैयार हो रहे हैं। सोनिया गांधी ने तेलंगाना के लोगों के लिए छह गारंटियों की घोषणा की, कहा कि महालक्ष्मी के तहत छह गारंटियों में से पहली तेलंगाना में महिलाओं को 2,500 रुपये प्रति माह वित्तीय सहायता, 500 रुपये में गैस सिलेंडर और महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा दी जाएगी। दक्षिणी राज्य में राज्य परिवहन की बसें। कांग्रेस द्वारा घोषित अन्य पांच गारंटियों में राज्य के किसानों, गरीब परिवारों और छात्रों के लिए गारंटी शामिल हैं। रायथु भरोसा योजना के तहत, कांग्रेस ने किसानों को 15,000 रुपये की वार्षिक वित्तीय सहायता, कृषि मजदूरों को 12,000 रुपये प्रति वर्ष और न्यूनतम समर्थन मूल्य से ऊपर धान के लिए 500 रुपये प्रति क्विंटल का बोनस देने का वादा किया। इंदिरम्मा आवास योजना में बेघर गरीबों को घर बनाने के लिए जमीन का एक टुकड़ा और 5 लाख रुपये देने का वादा किया गया है, इसके अलावा राज्य में शहीदों के परिवारों के लिए 250 वर्ग गज का प्लॉट भी दिया जाएगा।

-त्रिवेणी-

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

बड़े कारोबारी के ठिकानों पर सेंट्रल जीएसटी का छापा

तीन गाड़ियों में रायपुर से पहुंचे अधिकारी, मुकेश प्लास्टिक और पटाखा फर्मों की जांच

– संवाददाता –
अंबिकापुर,07 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर के बड़े कारोबारी मुकेश अग्रवाल के ठिकानों पर शनिवार को सेंट्रल जीएसटी की टीम ने दबिश दी। सेंट्रल जीएसटी की टीम फर्मों में लेन-देन और जीएसटी के दस्तावेजों की जांच कर रही है। जांच दो से तीन दिनों तक चल सकती है।

मिली जानकारी के मुताबिक शनिवार सुबह रायपुर से सेंट्रल जीएसटी की टीम अंबिकापुर पहुंची। अधिकारियों की टीम कारोबारी की दो फर्मों मुकेश पटाखा और मुकेश प्लास्टिक के लेनदेन और बिलों की जांच कर रही है। तीन गाड़ियों में अधिकारियों की टीम यहां पहुंची है, जिसमें 8-10 लोगों की टीम है। पटाखा, प्लास्टिक और होटल का कारोबार

कारोबारी मुकेश अग्रवाल सरगुजा संभाग में पटाखा के सबसे बड़े होल सेल डीलर हैं। इसके अलावा प्लास्टिक का थोक और फुटकर कारोबार है। शहर के सबसे लग्जरी होटलों में से एक पर्पल आर्किड के वे मालिक हैं।

पटाखा और प्लास्टिक कारोबार की जांच

बताया जा रहा है कि यह जांच उनके प्लास्टिक और पटाखा कारोबार के जीएसटी भुगतान में गड़बड़ी की आशंका पर की जा रही है। जहां टीम की जांच चल रही है, वहां दोनों फर्मों के कारोबार के दस्तावेज रहते हैं।

कुछ भी बोलने को तैयार नहीं अधिकारी

जांच में पहुंचे सेंट्रल जीएसटी टीम के अधिकारी मामले में कुछ भी बोलने को तैयार नहीं हुए। उन्होंने सिर्फ इतना बताया कि रायपुर से ये टीमें आई हैं। लेन-देन के दस्तावेज और बिलों की जांच की जा रही है। इसमें समय लगेगा। जीएसटी बिलों एवं पेमेंट की जांच प्रक्रिया लंबी होती है।

करप्शन...मांगों पर कार्रवाई नहीं...इसलिए राजेश सिंह सिसोदिया फिर हुए नंगे पांव

– संवाददाता –
अंबिकापुर, 07 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

नंगे पांव रहकर सत्याग्रह करने का संकल्प राजेश सिंह सिसोदिया ने लिया है। वे इसके पहले 17 वर्ष पूरी तरह नंगे पांव रहे। पादुकावरण के सात साल बाद पुन~ सुबह टहलने, दौड़ने के समय को छोड़कर पूरा समय नंगे पांव बिताने का निर्णय उन्होंने लिया है। उन्होंने प्रेस क्लब भवन में पत्रकारों से चर्चा करते हुए बताया सबको एक समान शिक्षा सहित अन्य अधिकार मिले, इसके लिए वे संघर्षरत रहे हैं। गरीबों के लिए शान-शौकत से परिपूर्ण स्कूल और गरीबों को शिक्षक विहीन स्कूल न मिले यह उनकी मांग रही है। इसके बाद भी हालात में बदलाव नहीं आया, चाहे वह हमर हसदेव में पढ़ाई, कमाई और दवाई का मामल ही क्यों ना हो। इस संबंध में अंतिम पत्र उन्होंने 18 अगस्त 2023 को जिम्मेदारों को पत्र लिखा। कार्रवाई नहीं होने पर पुन~ नंगे पांव रहने का संकल्प लिया है।

नंगे पांव सत्याग्रह के राजेश सिंह ने आगे कहा कि सरगुजा में भू-राजस्व संहिता के प्रावधानों के अनुरूप प्रत्येक 30 वर्ष में भूमि का पुनर्व्यवस्थापन होना चाहिए। सरगुजा में पहला भू व्यवस्थापन 1943 में हुआ था। इसके बाद 1973 व 2013 में नहीं हुआ। राजस्व विभाग को गैर जवाबदेह विभाग की संज्ञा देते हुए उन्होंने कहा कि इस विभाग की स्थिति में आजादी के बाद से अभी तक बदलाव नहीं आया है। पटवारी के खिलाफ शिकायत हो तो कलेक्टर, एसडीएम, तहसीलदार पीड़ित को डांटकर भगा देते हैं। यही कारण है विभाग के पटवारियों, राजस्व निरीक्षकों के चल-अचल संपत्ति में काफी वृद्धि हुई है। इनकी जवाबदेही तय होनी चाहिए। आजादी के बाद भी जिले के कलेक्टर अंग्रेज जमाने के बंगले में रह रहे हैं, इसमें बदलाव होना चाहिए। उन्होंने की व्यवस्था अडानी प्रबंधन और जिला प्रशासन द्वारा सुनिश्चित करने की ओर भी ध्यान दिलाया है। राजनैतिक दलों को गरीबों को नेतृत्व देने की मांग की है। राजेश सिंह सिसोदिया ने कहा जनता का जनादेश मंत्रियों को मिलता है, उनके निजी स्टाफ को नहीं। मंत्रियों के साथ रहकर वे अनुपातहीन संपत्ति अर्जित करने में लगे रहते हैं।

जिवीतिया पूजा के लिए डंगाल लेने जंगल गए वृद्ध पर मधुमक्खियों ने किया हमला,मौत

– संवाददाता –
अम्बिकापुर, 07 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

धौरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पड़ोली में शुक्रवार को जीवितीय पूजा के लिए डंगाल लेने जंगल गए वृद्ध पर मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। इससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया और बेहोश हो गया। गांव के दो व्यक्ति ने देखा तो उसे टांग कर घर पहुंचाया। परिजन उसे इलाज के लिए धौरपुर अस्पताल ले गए। यहां चिकित्सकों ने उसे बेहतर इलाज के लिए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

रजिंदर बरगाह उम्र 65 वर्ष धौरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पड़ोली का रहने वाला था। शुक्रवार को इसके घर की महिलाएं जीवितीया व्रत की हुई थीं। सुबह पूजा के लिए वह डंगाल लेने जंगल गया था। डंगाल तोड़ने के दौरान उसपर मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। इससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया और बेहोश हो गया। इस दौरान गांव के दो व्यक्ति गुजर रहे थे। दोनों ने उसे टांग कर घर पहुंचाया और घटना की जानकारी परिजन को दी। परिजन उसे इलाज के लिए धौरपुर अस्पताल ले गए। यहां चिकित्सकों ने उसे बेहतर इलाज के लिए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

ट्रैक फंसने से एनएच पर 5 घंटे तक लगी रही जाम

– संवाददाता –
अम्बिकापुर, 07 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

शनिवार तड़के 5 बजे अंबिकापुर रायगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग में डी हिलाक्स स्कूल के समीप खराब सड़क के कारण एक ट्रक के फंस जाने से पूरा मार्ग जाम हो गया। मार्ग बाधित होने से लगभग 10 किलोमीटर तक वाहनों के चक्के थमें रहे। अंबिकापुर खरसिया चौक से लेकर लालमाटी तक वाहनों की लंबी कतार लग गई। 5 घंटे तक जाम की स्थिति निर्मित रही। उक्त मार्ग पर आवागमन करने वालों को इस जाम के कारण काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। सुबह 10~00 बजे के बाद मौके पर पुलिस टीम के द्वारा काफी मशक्कत कर जाम हटवाया गया। पुलिस ने जेसीबी बुलवाकर खराब सड़क में फंसी ट्रक को किनारे करवाया। ट्रक के किनारे होने के बाद उक्त मार्ग पर आवागमन सुचारू हो सका।

जानकारी के अनुसार अंबिकापुर रायगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग में लुचकी घाट डी- हिलाक्स स्कूल के समीप काफी दिनों से सड़क का निर्माण कार्य आधा अधूरा रहने के कारण लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा।

लुचकी घाट में फ्लाई ओवर का काम भी जारी है। काफी दिनों से चल रहे इस काम के कारण फ्लाई ओवर के पास की सड़क पूरी तरह से बन नहीं पाई है। निर्माण कार्य में लेट लतीफी के कारण वहां अक्सर भारी वाहन फंस जाती है। कुछ ऐसा ही शनिवार को तड़के देखा गया।डी हिलाक्स स्कूल के समीप रायगढ़ की ओर से अंबिकापुर आ रही एक ट्रक खराब सड़क होने के कारण बीच रास्ते में ही फंस गई। आवागमन अवरुद्ध होने से सड़क दोनों ओर वाहनों की लंबे लाइन लगनी शुरू हो गई। एक तरफ अंबिकापुर खरसिया चौक से लेकर लुचकी घाट तक व दूसरी ओर लालमाटी तक वाहनों के चक्के थमें रहे। लगभग 10 किलोमीटर तक वाहनों की लंबी लाइन लगी रही। उक्त मार्ग में बड़े वाहन सहित यात्री बसें भी घंटे तक फंसी रही। यात्रियों को भी काफी असुविधा का सामना करना पड़ा।

अज्ञात कारण से युवक ने फांसी लगाकर दी जान

– संवाददाता –
अम्बिकापुर, 07 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

एक युवक अज्ञात कारण से घर में फांसी लगा लिया था। परिजन उसे फंदे से उतारकर इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती करवाया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

सुनील बैगा पिता शंकर राम उम्र 36 वर्ष जशपुर जिले के ग्राम रायडीह दुलदुला का रहने वाला था। 3 अक्टूबर को वह अज्ञात कारण से अपने घर में ही फांसी लगा लिया था। परिजन ने देखा तो उसे फंदे से उतार कर इलाज के लिए जशपुर अस्पताल ले गए। यहां चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

पत्रकारों की अवैधानिक गिरफ्तारी पर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन पत्रकारों ने कलेक्टर को सौपा...

– संवाददाता –
सुरजपुर,07 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

सरकार के संरक्षण और प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष आदेश पर राजधानी दिल्ली में बीते 3 अक्टूबर की सुबह दिल्ली पुलिस ने वरिष्ठ पत्रकारों को गिरफ्तार करने के मामले में अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति के जिलाध्यक्ष राजेश सोनी ने राष्ट्रपति के नाम का ज्ञापन कलेक्टर को सौप है. जिसमे बताया गया है कि यह लोकतंत्र के विरुद्ध आचरण के साथ लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर सीधा हमला है। दिल्ली पुलिस की इस एक पक्षीय कार्यवाही का विरोध करते हुए देश की लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की सुरक्षा की गुहार लगाई है जिससे देश भर में पत्रकारिता के लिए सुरक्षित माहौल बनाया जा सके। ज्ञापन में बताया गया है कि दिल्ली पुलिस के द्वारा न्यूज़क्लिक से जुड़े जिन वरिष्ठ पत्रकारों को गिरफ्तार किया गया है,उन पर UAPA की कई धाराएं लगाई गई हैं.उन्हे घंटो पूछताछ के नाम टार्चर किया गया। उनके मोबाइल और लैपटॉप की कथित तौर पर जप्ती की गई।उन पर गैरकानूनी गतिविधियों के लिए सेक्शन 13, आतंकी कृत्य के लिए सेक्शन 16, आतंकी कृत्यों के लिए पैसा जुटाने के लिए सेक्शन 17, साजिश के लिए सेक्शन 18, कंपनी या ट्रस्ट द्वारा अपराध किए जाने पर 22(C) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया. साथ ही IPC की धारा 153 (पहचान के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना) और 120B (आपराधिक साजिश)शामिल है। यह सब कुछ डराने वाला अनुभव है जिससे दिल्ली हो नही वरन पूरे देश के पत्रकार चिंतित है। गिरफ्तारी के बाद तक उन पर लगाई यह सभी धाराएं और आरोप पूरी तरह से निराधार तथा अप्रमाणित रहे हैं। यहां धाराएं पहले लगाई गई और अपराध की कथित खोजबीन(जांच)बाद में की जा रही है। दिए ज्ञापन में अवगत कराया कि बीते कुछ सालों से देश में निष्पक्ष पत्रकारिता पर जिस तरह से लगातार सरकारी हमले किए जा रहे है। देश की सर्वोच्च सत्ता में बैठी केंद्र सरकार जिसे आलोचना या निष्पक्षता पसंद नहीं है,वह लोकतांत्रिक परंपराओं को सुरक्षित रखने के बजाए निरंकुशता की पक्षधर हो गई है। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को दबाने ओर तोड़ने का षड्यंत्र कारी कृत्य किये जा रहे है जिसका प्रत्यक्ष प्रमाण दिल्ली के पत्रकार अभिसार शर्मा,भाषा सिंह,उर्मिलेश,प्रबीर पुरकायस्थ,पत्रकार परंजॉय गुहा ठाकुरता,पत्रकार औनिंद्यो चक्रवर्ती, लेखक और इतिहासकार सोहैल हाशमी, स्टैंड-अप कॉमेडियन संजय रजौड़ा है। पत्रकारो में दिल्ली पुलिस की उक्त एकपक्षिय कार्यवाही के प्रति गहरा असंतोष और असुरक्षा का भाव घर गया है। अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति छत्तीसगढ़ के जिला इकाई ने राष्ट्रपति महोदया से गुहार लगाकर देश भर में में निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता का माहौल बनाने की मांग की है। इस दौरान सूरजपुर जिलाध्यक्ष राजेश सोनी, रवि सिंह,आकाश कसेरा,आशीष साहू, हासिम खान सहित प्रदेश सचिव कौशलेंद्र यादव सहित पत्रकार उपस्थित रहे।

विधानसभा निर्वाचन 2023

जिला निर्वाचन अधिकारी कुन्दन कुमार ने निर्वाचन के कार्यों का समय सीमा में संपादन करने ली बैठक

» निर्वाचन की घोषणा होते ही लागू होगी आदर्श आचार संहिता

» स्वतंत्र,निष्पक्ष एवं शातिपूर्ण निर्वाचन कराने दिए आवश्यक निर्देश

– संवाददाता –
अम्बिकापुर, 07 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कुन्दन कुमार की अध्यक्षता में शनिवार को विधानसभा निर्वाचन की तैयारियों में संलग्न नोडल अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली गई। समीक्षा बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक कुमार, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सुनील नायक, सीईओ जिला पंचायत श्री नूतन कुमार कंवर, अपर कलेक्टर श्री टेकचंद अग्रवाल एवं एएल ध्रुव एवं समस्त नोडल अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में आदर्श आचार संहिता के संबंध में आवश्यक कार्यवाही हेतु बताया गया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचन की घोषणा होते ही आदर्श आचार संहिता लागू हो जायेगी। इस दौरान सबसे पहले संपत्ति विरूपण की कार्यवाही की जाती है। आदर्श आचार संहिता लागू होते ही केन्द्र अथवा राज्य के सरकारी उपक्रम, स्थानीय निकाय में राजनैतिक पदाधिकारियों को दी गयी शासकीय वाहन वापस लिये जायेंगे। शासकीय वाहन का दुरुपयोग नहीं होगा। जिला स्तर पर 24X7 नियंत्रण कक्ष तत्काल सक्रिय हो जाएगा। शिकायत प्रकोष्ठ तत्काल कार्य करना प्रारम्भ कर देंगी। आदर्श आचार संहिता लागू होते ही इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में कोई भी विज्ञापन बिना पूर्व प्रमाणन के प्रसारित नहीं होंगे। विभिन्न मीडिया में राजनीतिक विज्ञापन जारी कराने एमसीएमसी समिति से पूर्व अधिप्रमाण करना अनिवार्य होगा। मीडिया प्रमाणन एवं अनुवीक्षण समिति द्वारा पेड न्यूज की मॉनिटरिंग की जायेगी। आदर्श आचार संहिता लगते ही निर्वाचन व्यय की निगरानी करने वाली समितियां तत्काल सक्रिय हो जाएगी। इसके साथ ही समस्त नोडल अधिकारियों ने अपने दायित्वों और तैयारियों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन कुन्दन ने पूर्व तैयारियां सुनिश्चित करने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से निर्वाचन संपन्न कराया जाना है। सभी अधिकारी अपने सहायक नोडल एवं अधीनस्थ कर्मचारियों के साथ समन्वय बनाकर आवश्यक कार्यवाही करें और समय सीमा में दायित्वों को पूरा करें। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी नायक ने भी नोडल अधिकारियों का आवश्यक मार्गदर्शन किया। इसके साथ ही समस्त दलों का प्रशिक्षण भी जारी है। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा आगामी विधानसभा निर्वाचन 2023 के कार्यों का समय सीमा में संपादन करने के लिए अधिकारियों को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

व्यवसाई के आत्महत्या मामले में पुलिस ने 6 आरोपियों के खिलाफ दर्ज किया अपराध

– संवाददाता –
अम्बिकापुर, 07 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

21 सितंबर की सुबह शहर के एक होटल में एक व्यवसाई ने फांसी पर लटकी लाश मिली थी। सूचना पर पहुंची पुलिस को होटल के कमरे में सुसाइड नोट भी मिला था। इसमें कोलकाता की कंपनी द्वारा यूरेनियम बिजनेस के नाम पर करोड़ों रुपए लगाने का जिक्र था। इसके अलावा सुसाइड नोट में पारिवारिक और आर्थिक परेशानियों, कथित कंपनी में करोड़ों के निवेश करने के बाद धोखाधड़ी का शिकार होने तथा स्थानीय लोगों, कुछ परिचितों व रिश्तेदारों द्वारा रुपए वापस करने दबाव बनाने का भी उल्लेख था। इस मामले में जांच पश्चात पुलिस ने कोलकाता निवासी 6 लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज कर लिया है। वहीं स्थानीय लोगों के खिलाफ पुलिस जांच कर रही है।

शहर के बौरीपारा निवासी 60 वर्षीय गुरु प्रसाद जायसवाल पिता बरसाती जायसवाल का रिंग रोड नमनाकला में बीएल डीजल नाम से मोटर बाइंडिंग का कारोबार था। बौरीपारा में पुश्तैनी मकान होने के बावजूद वह आर्थिक तंगी व रुपयों के लेनदेन से परेशान होकर पत्नी के साथ नमनाकला स्थित किराए के मकान में रहता था।20 सितंबर की सुबह स्वास्थ्य जांच कराने जाने की बात पत्नी से कहकर घर से निकला था। शाम तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने खोजबीन शुरु की तो पता चला कि शहर के बाबूपारा स्थित एक होटल के सामने उनकी कार खड़ी है। परिजन पुलिस की मदद से वहां पहुंचे तो होटल के कमरा नंबर 206 में रुकने की जानकारी मिली।किसी अनहोनी की आशंका पर जब कमरे को दूसरी चाबी से खोला गया तो व्यवसायी की लाश पंखे में नायलोन की रस्सी के सहारे फांसी पर लटकी थी। कमरे में 2 पन्ने का सुसाइड नोट व कई पन्नों के दस्तावेज की एक फाइल भी रखी हुई थी। व्यवसायी की आत्महत्या मामले में पुलिस ने जांच पश्चात कोलकाता की कथित कंपनी के 6 लोगों के खिलाफ धारा 420 के तहत नामजद रिपोर्ट दर्ज कर लिया है। वहीं रुपए वापस करने का दबाव बनाने वाले लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई की तैयारी चल रही है।

पुलिस ने मृत व्यवसायी को परेशान करने वाले करीब 100 लोगों से पूछताछ भी की है। व्यवसायी के परिजनों के अनुसार आरोपियों द्वारा ठगी की रकम वापस करने के नाम पर व्यवसायी को 2000 करोड़ रुपए का चेक भी दिया गया था।

मुख्य शाखा भारतीय स्टेट बैंक अम्बिकापुर

नियम -8 कब्जा नोटिस (अचल सम्पति)

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम,2002 की धारा 13(2) के अंतर्गत

उपयुक्त उल्लेखित उधारकर्ता एवं जमानतदारों ने उपरोक्त वर्णित सम्पत्ति को बंधक रखकर मुख्य शाखा भारतीय स्टेट बैंक अम्बिकापुर,सरगुजा (छ0ग0) से ऊपर उल्लेखित अनुसार ऋण सुविधा प्राप्त की हैं तथा ऊपर उल्लेखित जमानदारों ने गारंटी उपलब्ध करवाई, उधारकर्ता ऋण स्वीकृति के नियम तथा शर्तो का पालन करने में असफल हो चुके हैं। रिजर्व बैंक के दिशा निर्देशों के अनुसार खाता अनियमित होने पर ऊपर उल्लेखित दिनांक को एनपीए के रूप में वर्गीकृत कर दिया गया है। बैंक द्वारा उपरोक्त वर्णित बकाया ऋण राशि की वसूली के लिए सरफेसी अधिनियम 2002 की धारा 13(2) नोटिस दिनांकित (ऊपर उल्लेखित अनुसार) ऋणी व जमानतदारों को एनपीए की तिथि (ऊपर उल्लेखित अनुसार) अंतिम ज्ञात पते पर भेजा गया था जो बिना सुपुर्दगी के वापस लौट गया है। जिसके पश्चात यह प्रकाशन जारी किया रहा है जिसके माध्यम से देनदारों व जमानतदारों को ऊपर उल्लेखित धनराशि ब्याज दर (संविदात्मक दर) लागत व्यय इत्यादि के साथ इस सूचना के प्रकाशन के 60 दिनों के भीतर भुगतान करने कहा गया हैं जिसमें चूक करने पर निम्नलिखित बंधक संपत्तियों पर उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के प्रवधानों के अंतर्गत बैंक की बकाया धनराशि की वसूली हेतु कार्यवाही की जाएगी। ऋणी एवं जमानदार संपत्ति स्वामी का ध्यान वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित परिवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13(8) के प्रावधानों के तहत उपलब्ध समय में प्रतिभूति आस्तियों को छुड़ाने की ओर आकर्षित किया जाता है।

ऋणी एवं जमानतदार का नाम एवं पता	अधिपत्य में ली गई संपत्ति का विवरण	मांग सूचना पत्र तिथि 01/07/2023
मे.शिवानी पोल्ट्रीफार्म श्रीमती नयन रानी राय,पति सुभाष राय बनारस रोड, सुभाषनगर,अम्बिकापुर सरगुजा,छ0ग0	खसरा संख्या-214/5,रकबा-0.56 हे0 बनारस रोड, सुभाषनगर,अम्बिकापुर, पी.एच. क्रमांक-06, आर.एन.एम. अम्बिकापुर-1 पों.-गांधीनगर,तह.-अम्बिकापुर जिला- सरगुजा,छत्तीसगढ़	Cash Credit/Term Loan Term Loan (GECL) रूपये 1164541.28 (+अन्य खर्चे) एनपी तिथि-31/03/2023 आधिपत्य दिनांक 04/10/2023

संवैधानिक चेतावनी : ऋणग्रहिता एवं ग्यारंटीदाता इसे 30 दिन का बिक्री पूर्व नोटिस समझें। यदि 30 दिन के अंदर खता बंद नहीं होता है तो संपत्ति की नीलामी कर दी जाएगी।

स्थान :- अम्बिकापुर
दिनांक:- 07/10/2023

प्राधिकृत अधिकारी
मुख्य शाखा भारतीय स्टेट बैंक अम्बिकापुर

भारत-कनाडा विवादः

'सभी देश कानूनों का करें सम्मान',ब्रिटेन के पीएम सुनक ने कनाडाई समकक्ष ट्रूडो से की बातचीत

लंदन , 07 अक्टूबर 2023 । ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने शुक्रवार को कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो से बातचीत की। साथ ही भारत-कनाडा विवाद को कम करने का आह्वान किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि बातचीत से कूटनीतिक विवाद में कमी आएगी।

ब्रिटिश भारतीय नेता ने ट्रूडो को भारत में कनाडा के राजनयिकों से संबंधित स्थिति से अवगत कराया। सुनक ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सभी देशों को संप्रभुता और कानून के शासन का सम्मान करना चाहिए, जिसमें राजनयिक संबंधों पर वियना कन्वेंशन के नियम भी शामिल हैं।

इसके साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि भारत-कनाडा विवाद में कमी आएगी।

सुनक ने इस पर भी सहमति जताई कि वह ट्रूडो के अगले कदम पर उनके साथ रहेंगे।

यह है मामला

गौरतलब है, हाल ही में कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो ने आरोप लगाया था कि ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में हुई खालिस्तानी आतंकी निज्जर की हत्या में भारत के सरकारी एजेंट शामिल हैं। ट्रूडो के इस बयान के बाद भारत और कनाडा के बीच तनाव बढ़ गया है। भारत ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए बेबुनियाद और राजनीति से प्रेरित करार दिया है।

भारतीय उच्चायुक्त को गुरुद्वारे जाने से रोका

दरअसल, ब्रिटेन में यह कूटनीतिक विवाद सामने आया, जब भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दुरईस्वामी को खालिस्तान समर्थक चरमपंथियों ने पिछले सप्ताह स्कॉटलैंड के ग्लासगो गुरुद्वारा जाने से रोक दिया गया था।उन्होंने कहा कि यह देखकर परेशान हूं कि दुरईस्वामी को गुरुद्वारा समिति के साथ बैठक करने से रोक दिया गया। वहीं, विदेश कार्यालय की मंत्री ऐनी मैरी ट्रेवेलियन ने कहा कि विदेशी राजनयिकों की सुरक्षा महत्वपूर्ण है।

नागरिकों पर खुलेआम गोलीबारी से लेकर जवानों के शवों को सड़क पर घसीटने तक,हमास का इस्राइल पर हमला

नई दिल्ली, 07 अक्टूबर 2023 । हमास द्वारा हजारो रॉकेट दागे जाने के बाद इस्राइल ने युद्ध की स्थिति की घोषणा कर दी। महीनों से चल रहे इस्राइल-फिलीस्तीन संघर्ष में बड़े पैमाने पर मौतें हुई है। आतंकी मोटरसाइकिल, एसयूवी, और पैराग्लाइडर पर दक्षिणी शहरों में पहुंचे। ये आतंकी सड़कों पर चल रहे नागरिकों पर गोलीबारी कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर इस घटना को लेकर कई वीडियो वायरल हो रहे हैं।

खुलेआम नागरिकों पर हो रही गोलीबारी

स्डेरॉट के निवासी ने हमले की एक वीडियो रिकॉर्ड की जिसमें आतंकवादी खुलेआम नागरिकों पर गोलियों चला रहे है। व्यक्ति ने यह वीडियो अपने घर के छत से रिकॉर्ड किया था, जिसे अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार वकील ने शेयर किया था।

सड़कों पर जवानों के शवों को घसीटा गया

कुछ ऐसी वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, जिसमें आतंकी को जश्न मनाते हुए इस्राइली सेना के जवानों के शवों को सड़क पर घसीटते हुए देखा गया। गाजा में रॉकेटों की बौछार के बाद जेरूशलम मे सायरन की लगातार आवाजें सुनी गई है।

मेक्सिको में बड़ा हादसा,प्रवासियों से भरी बस पलटने से 18 लोगों की मौत;25 घायल

मेक्सिको सिटी ,07 अक्टूबर 2023। दक्षिणी मेक्सिको में एक राजमार्ग पर प्रवासियों, जिनमें ज्यादातर वेनेजुएला के लोग थे, को ले जा रही एक बस के पलट जाने से 18 लोगों की मौत हो गई।

ओक्साका राज्य के नागरिक सुरक्षा समन्वय ने शुक्रवार को कहा कि दुर्घटना ओक्साका और पड़ोसी राज्य प्यूब्ला को जोडने वाले राजमार्ग पर हुई। प्रारंभिक रिपोर्टों में कहा गया है कि कम से कम 17 लोग मारे गए और लगभग 25 अन्य घायल हो गए, जिनका अस्पतालों में इलाज किया जा रहा है।

नागरिक सुरक्षा समन्वय ने कहा कि अधिकारियों ने दोनों दिशाओं में सड़क को आंशिक रूप से बंद कर दिया है। यात्री बस 55 प्रवासियों को ले जा रही थी। ओक्साका के गवर्नर सॉलोमन जारा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, हमें दुर्घटना पर गहरा अफसोस है। हमारे सरकारी कर्मी प्रभावित लोगों को सहायता प्रदान कर रहे हैं।

अप्रवासियों पर ब्रेवरमैन की भाषा से भारत में रहने वाले उनके चाचा नाराज,बोले-वह खुद भी प्रवासियों की बेटी

लंदन, 07 अक्टूबर 2023 । ब्रिटेन की गृह मंत्री सुएला ब्रेवरमैन अक्सर अवैध आप्रवासन पर टिप्पणी को लेकर चर्चाओं में रहती हैं। हाल ही में उन्होंने चेतावनी दी थी कि यहां आने वाले वर्षों में देश में अप्रवासियों का तूफान आएगा। अब उनके एक कैथोलिक पादरी चाचा ने इस मुद्दे पर उनकी भाषा को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि ब्रेवरमैन को प्रवासियों पर टिप्पणी करते वक्त सतर्क रहना चाहिए और यह नहीं भूलना चाहिए कि वह खुद भी प्रवासियों की बेटी हैं।

द टाइम्स की एक खबर के अनुसार, फादर आयर्स फर्नांडिस ने एक भारतीय अखबार से कहा कि वह अवैध आव्रजन पर शिकंजा कसने की जरूरत का मानते हैं। हालांकि, वह यह भी मानते हैं कि शरणार्थियों और शरण चाहने वालों के प्रति अधिक करुणा की आवश्यकता है। फर्नांडिस ने कहा, ÷मैं केवल आग्रह कर हूं कि वह याद रखें कि वह खुद प्रवासी माता-पिता के लिए पैदा हुई हैं और उन्हें इस तरह की टिप्पणी करते समय थोड़ा सतर्क रहने की जरूरत है।

केन्या में ब्रेवरमैन के पिता क्रिस्टी फर्नांडिस समेत अपने चार भाई-बहनों के साथ पले-बढ़े पादरी के बारे में माना जाता है कि वह अपने भाई से अलग हो गए थे। उन्होंने ब्रिटेन के एक अखबार को बताया कि उन्होंने और परिवार के एक अन्य सदस्य ने रिश्तेदारों के साथ ब्रेवरमैन के राजनीतिक तेवरों के बारे में चर्चा की थी और आशंका जताई थी उनका यह सख्त रुख कंजर्वेटिव पार्टी के दक्षिणपंथियों के समर्थन की वजह से हो सकता है।

ब्रेवरमैन के पादरी चाचा ने कहा, मैं जानता हूं कि वह अपने आप में काफी मजबूत हैं, उनकी अपनी सोच है। लेकिन मेरा मानना है कि इस तरह की टिप्पण करने के लिए कोई उनका समर्थन कर रहा है। लेकिन, एक मंत्री होने के नाते इस पद पर रहते हुए उन्हें थोड़ा सतर्क रहना चाहिए। इस सप्ताह की शुरुआत में मैनचेस्टर में ब्रेवरमैन ने अपने भाषण में प्रवासियों के तूफान को लेकर चेतावनी दी थी। हालांकि, प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने इस बयान का समर्थन करने से इनकार कर दिया था।

पाकिस्तान का दोगलापन,CAA पर भारत का विरोध करने वाला खुद दिखा रहा अवैध प्रवासियों को बाहर का रास्ता

इस्लामाबाद, 07 अक्टूबर 2023। पाकिस्तान सरकार ने करीब 17 लाख अफगान शरणार्थियों समेत सभी अवैध प्रवासियों को 31 अक्तूबर तक देश से बाहर निकालने की अपनी योजना पर आगे बढ़ने का फैसला किया है। पाकिस्तानी सरकार का कहना है कि यह फैसला अंतरराष्ट्रीय अभ्यासों को देखते हुए लिया गया है।

बता दें, यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब कानून प्रवर्तन एजेंसियां उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई कर रही हैं, जिन्हें वे अवैध एलियंस कहते हैं। गौरतलब हैं, पिछले एक हफ्ते में बड़ी संख्या में परिवार सीमा पार करके अफगानिस्तान में प्रवेश कर रहे हैं।

कोई भी देश नहीं रहने देता

कार्यवाहक विदेश मंत्री जलील अब्बास जिलानी ने कहा कि कोई भी देश अपने यहां अवैध रूप से आए लोगों को नहीं रहने देना चाहता है। चाहें वो यूरोप हो या दुनिया में कोई और देश। इसलिए अंतरराष्ट्रीय अभ्यास को देखते हुए यह फैसला लिया है।

इस महीने के अंत तक निकाला जाएगा बाहर

गौरतलब है, अवैध प्रवासियों को 31 अक्तूबर तक देश छोड़ने या एक नवंबर से जबरन निष्कासन का सामना करने के लिए कहने के पाकिस्तान के फैसले की आलोचना हो रही है। यूएनएचसीआर तथा एमनेस्टी इंटरनेशनल जैसे संगठनों ने सरकार से अपनी योजनाओं पर पुनर्विचार करने की मांग की है। काबुल में तालिबान सरकार ने भी इस कदम पर अपनी आपत्ति व्यक्त की है।

जब कोई समस्या होती है...

इस पर जिलानी ने कहा, %जब भी कोई समस्या होती थी, लोग पाकिस्तान चले आते थे। यहां शरण ले लेते थे। हालांकि, 40 साल से ज्यादा समय हो गया है इसलिए हमने यह फैसला लिया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान बहुत लंबे समय से प्रवासियों के मुद्दे को लेकर अफगानिस्तान से बात करने की कोशिश कर रहा है। इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय मानवधिकार एजेंसियों से भी मदद मांग रहा है।

अपनी मर्जी से पंजाब छोड़ें

पंजाब के कार्यवाहक मुख्यमंत्री मोहसिन नकवी ने शुक्रवार शाम को पंजाब में अवैध रूप से रह रहे सभी विदेशी नागरिकों से स्वेच्छा से देश छोड़ने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रांतीय अधिकारियों ने विदेशी निवासियों के बारे में शुरुआती आंकड़े एकत्र किए हैं।

उन्होंने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि प्रांत में अवैध रूप से रहने वाले किसी भी विदेशी को रहने की अनुमति नहीं दी जाएगी। साथ ही जोर देकर कहा कि अवैध प्रवासियों को अपनी मर्जी से पंजाब छोड़ना चाहिए। उन्होंने आगाह किया कि अगर वे ऐसा नहीं करते हैं तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

हालांकि, पंजाब के कार्यवाहक मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि इस प्रक्रिया में किसी के साथ दुर्व्यवहार नहीं किया जाएगा।

अफगानिस्तान में महसूस किए गए भूकंप के तेज झटके, दो बार कांपी धरती;15 की मौत,40 से ज्यादा घायल

काबुल, 07 अक्टूबर 2023। अफगानिस्तान में शनिवार सुबह भूकंप के भीषण झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर इस भूकंप की तीव्रता 6.3 दर्ज की गई। बताया गया है कि भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान के पश्चिमी क्षेत्र में स्थित था। अधिकारियों ने बताया कि पश्चिमी अफगानिस्तान में 6.3 तीव्रता के भूकंप के दो झटकों में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई है और लगभग 40 लोग घायल हुए हैं।

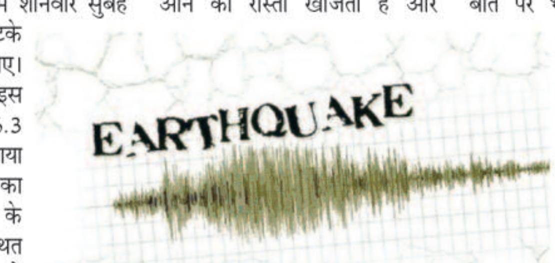

क्यों आता है भूकंप?

पृथ्वी के अंदर 7 प्लेट्स हैं, जो लगातार घूमती रहती हैं। जहां ये प्लेट्स ज्यादा टकराती हैं, वह जोन फॉल्ट लाइन कहलाता है। बार-बार टकराने से प्लेट्स के कोने मुड़ते हैं। जब ज्यादा दबाव बनता है तो प्लेट्स टूटने लगती हैं। नीचे की ऊर्जा बाहर आने का रास्ता खोजती हैं और डिस्टर्बेंस के बाद भूकंप आता है।

जानें क्या है भूंकप के केंद्र और तीव्रता का मतलब?

भूकंप का केंद्र उस स्थान को कहते हैं जिसके ठीक नीचे प्लेटों में हलचल से भूगर्भीय ऊर्जा निकलती है। इस स्थान पर भूकंप का कंपन ज्यादा होता है। कंपन की आवृत्ति ज्यों-ज्यों दूर होती जाती हैं, इसका प्रभाव कम होता जाता है। फिर भी यदि रिक्टर स्केल पर 7 या इससे अधिक की तीव्रता वाला भूकंप है तो आसपास के 40 किमी के दायरे में झटका तेज होता है। लेकिन यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि भूकंपीय आवृत्ति ऊपर की तरफ है या दायरे में। यदि कंपन की आवृत्ति ऊपर को है तो कम क्षेत्र प्रभावित होगा।

कैसे मापा जाता है भूकंप की तिव्रता और क्या है मापने का पैमाना?

भूंकप की जांच रिक्टर स्केल से होती है। इसे रिक्टर मैग्नीट्यूड टेस्ट स्केल कहा जाता है। रिक्टर स्केल पर भूकंप को 1 से 9 तक के आधार पर मापा जाता है। भूकंप को इसके केंद्र यानी एपीसेंटर से मापा जाता है। भूकंप के दौरान धरती के भीतर से जो ऊर्जा निकलती है, उसकी तीव्रता को इससे मापा जाता है। इसी तीव्रता से भूकंप के झटके की भयावहता का अंदाजा होता है।

15 से ज्यादा डीजे संचालकों तक पहुंची सरगुजा प्रशासनिक टीम

कोलाहल नियंत्रण अधिनियम सहित विभिन्न नियमों के तहत सरगुजा जिले में हुई सबसे बड़ी कार्रवाई

– संवाददाता –
अम्बिकापुर, 07 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

माननीय उच्च न्यायालय और मुख्य सचिव के दिशा-निर्देशों के पालन हेतु कलेक्टर द्वारा बैठक लेकर बनाई कार्ययोजना पर जिले में प्रशासनिक टीम एक्शन मोड में, संयुक्त टीम ने जब्त किए 05 डीजे, 12 संचालकों को समझाइश, दो वाहन स्वामियों पर 25 हजार तक का जुर्माना लगा ।नियमों के उल्लंघन पर इसी तरह जारी रहेगी कार्रवाई, जनहित के मद्देनजर कलेक्टर के सख्त निर्देश माननीय उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़ द्वारा जनहित में ध्वनि प्रदूषण की रोकथाम संबंध में पारित आदेश के पालन में मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन द्वारा बीते बुधवार को अधिकारियों की उच्च स्तरीय बैठक ली गई जहां मुख्य सचिव ने ध्वनि प्रदूषण अधिनियम का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्यवाही करने राज्य के सभी कमिश्नरों, आई.जी, कलेक्टर और पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिए।

इसी कड़ी में कलेक्टर कुन्दन कुमार के मार्गदर्शन में जिले में प्रशासनिक टीम एक्शन मोड में नजर आ रही है। त्योहारों, पर्वो और शादी व्याह के सीजन को देखते हुए ध्वनि विस्तारक यंत्रों जैसे डीजे, एम्प्लीफायर्स सहित मोटर व्हीकल अधिनियम का उल्लंघन करने वाले वाहनों पर जनहित को ध्यान में रखते हुए कड़ी कार्रवाई किए जाने के निर्देश कलेक्टर द्वारा दिए गए जिसके बाद त्वरित कार्यवाही करते हुए प्रशासनिक टीमों द्वारा डीजे दुकानों सहित विभिन्न स्थानों पर जाकर निर्धारित मानकों के आधार पर जांच की गई। संतोषजनक स्थिति नहीं पाए जाने पर अब तक 05 डीजे संचालकों से जप्ती और 02 वाहन चालकों पर मोटर व्हीकल अधिनियम के तहत जुर्माने की कार्रवाई भी की गई है। वहीं लगभग 12 संचालकों को समझाइश दी गई है कि ध्वनि प्रदूषण (विनिमय और नियंत्रण) नियम 2000, कोलाहल नियंत्रण अधिनियम 1985 एवं माननीय सुप्रीम कोर्ट एवं माननीय हाई कोर्ट के द्वारा समय-समय पर दिए गए निर्देशों, मापदण्डों एवं गाइडलाइनों का पालन अनिवार्य रूप से करना होगा।

अम्बिकापुर के केदारपुर में जांच के दौरान वाहन स्वामी राजेश गुप्ता द्वारा बिना सक्षम अधिकारी के अनुमति अनुज्ञा के सूरजपुर जिले से परिचालन कर अम्बिकापुर में प्रतिबंधित ध्वनि क्रियाकलापों में उपयोग के लिए परिवहन करते पाया गया जिसमें 15 नग चोंगा, 10 नग बॉक्स, 6 नग एम्प्लीफायर्स, 01 मिक्सर मशीन सहित अन्य सामग्रियों को जब्त कर लिया गया तथा 05 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया। वाहनों में अनियमितता पाए जाने पर डीजे वाहन स्वामी छत्रपाल सिंह पर मोटर व्हीकल अधिनियम की धारा 194(1)(ए) के तहत 20 हजार रुपए जुर्माना भी लगाया गया। इसी प्रकार निर्धारित मानकों के विरुद्ध पाए जाने पर अन्य डीजे संचालकों पर डीजे जब्ती की कार्रवाई की गई।

कलेक्टर कुन्दन ने समस्त अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं पुलिस, जिला परिवहन अधिकारी तथा क्षेत्रीय अधिकारी पर्यावरण संरक्षण मण्डल की बैठक लेकर छत्तीसगढ़ कोलाहल नियंत्रण अधिनियम 1985 की धारा 5 एवं ध्वनि प्रदूषण (नियंत्रण तथा नियमन) नियम 2000 के प्रावधानों व शर्तों के अधीन शहर में कानफोडू डी.जे. को लेकर नियमानुसार तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश दिये हैं। जिसके परिपालन में नियमों का उल्लंघन करने वाले डी.जे. संचालकों के विरूद्ध कोलाहल नियंत्रण अधिनियम तथा अन्य सुसंगत विधि अनुसार दण्डात्मक एवं जब्ती की कार्यवाही शुरू कर दी गई है। पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा ने भी अधिकारियों को इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही कहा कि आगामी दिवसों में चुनावी रैलियों, सभाओं में नियमों का उल्लंघन करने पर नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी। जिले में ध्वनि विस्तारक यंत्र के उपयोग पर सतत निगरानी रखी जाये और नियम उल्लंघन होने पर सख्त कार्यवाही भी सुनिश्चित की जाये। गौरतलब है कि कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री कुन्दन द्वारा आदेश जारी कर अम्बिकापुर शहरी क्षेत्र में होने वाले अत्यधिक कोलाहल को दृष्टिगत रखते हुए ध्वनि प्रदूषण विनियमन और नियंत्रण) नियम 2000 के तहत लाउडस्पीकर और लोक संबोधन प्रणाली (और ध्वनि उत्पन्न करने वाले उपकरण) का प्रयोग रात्रि 10 बजे से प्रातः 06 बजे तक प्रतिबंधित किया है। जारी आदेशानुसार उक्त अवधि को छोड़कर सार्वजनिक स्थान जहां लाउडस्पीकर यो लोक संबोधन प्रणाली या ध्वनि का कोई अन्य स्त्रोत उपयोग में लाया जाता है तो ध्वनी का स्तर 10 डीबी (ए) या 75 डीबी (ए) जो भी कम हो से अधिक नहीं होगी। इसी प्रकार भोपू (हॉर्न) के उपयोग, फटाखे फोड़ा जाना आवासीय क्षेत्र में रात्रि 10 बजे से प्रातः 06 बजे तक प्रतिबंधित रहेगा।

श्री अग्रसेन जयंती महोत्सव का भव्य शुभारंभ

– संवाददाता –
अम्बिकापुर, 07 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

अग्रवाल समाज अंबिकापुर द्वारा प्रतिवर्ष भगवान अग्रसेन की जयंती धूमधाम से मनाई जाती है। इसके तहत कई प्रतियोगिताएं एवं कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। शनिवार को अग्रसेन जयंती महोत्सव के 10 दिवसीय आयोजन का शुभारंभ स्थानीय अग्रसेन भवन में हुआ। अग्रवाल सभा के अध्यक्ष, पूर्व अध्यक्षों एवं समाज के लोगों की उपस्थिति में भगवान अग्रसेन का ध्वजारोहण किया गया। मंच पर उपस्थित अग्रवाल सभा के अध्यक्ष संजय मित्तल, पूर्व अध्यक्ष द्वारिका प्रसाद केडिया, प्रदीप अग्रवाल, मुरारी लाल बंसल, लक्खीराम अग्रवाल, रमेश बंसल, अजय अग्रवाल, कृष्ण कुमार अग्रवाल, सभा के उपाध्यक्ष शुभम अग्रवाल, महिला सभा की अध्यक्ष कविता तायल, सचिव उर्मिला अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष लक्ष्मी अग्रवाल, युवा मंच अध्यक्ष आयुष अग्रवाल, सचिव रोहन तायल का शाल-श्रीफल से सम्मान किया गया।स्वागत उद्बोधन में सभा के सचिव संजय अग्रवाल ने जयंती के संदर्भ में जानकारी दी और सभी का स्वागत किया। स्वागत उद्बोधन के बाद सभा के उपाध्यक्ष शुभम अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में बताया कि अग्रवाल समाज भगवान राम का वंशज है। भगवान अग्रसेन भगवान राम की 35 वीं पीढ़ी थे, ऐसे में अग्रवाल समाज का एक-एक सदस्य भगवान राम का वंशज है। भगवान अग्रसेन के आदर्श दान-पुण्य व सामाजित एकता के प्रति था। इसे समाज आज भी ग्रहण किया हुआ है। पूर्व अध्यक्ष अजय अग्रवाल ने सभी को जयंती महोत्सव के शुभारंभ की बधाई दी और कहा कि अग्रवाल समाज प्रारंभ से समाज सेवा के कार्यों में प्रथम रहा है। समाज का देश की आय में विशेष योगदान है।

CMYK

क्या बैकुण्ठपुर में सिर्फ साहू समाज को भाजपा से ही टिकट चाहिए या फिर कांग्रेस से भी टिकट की वह करेंगे मांग?

क्या कांग्रेस पार्टी में बैकुण्ठपुर विधानसभा से साहू समाज को नहीं मिल सकता प्रतिनिधित्व, यह बात स्वीकार कर चुका है साहू समाज?

यदि साहू समाज का जनसंख्या साहू समाज के लिए विधायक तय कर सकता है तो क्या साहू समाज अपना प्रत्याशी निर्दलीय उतारने होगा तैयार?

साहू समाज बैकुण्ठपुर विधानसभा में सत्ताधारी दल कांग्रेस पर क्यों नही डालता दबाव,समाज से ही किसी को मिले प्रतिनिधित्व का मौका?

क्या साहू समाज बैकुण्ठपुर विधानसभा में सत्ताधारी दल से हो चुका है नाउम्मीद,या भाजपा में साहू समाज की दावेदारी सत्ताधारी दल द्वारा प्रायोजित है?

साहू समाज के प्रवक्ताओं ने अपनी बातों से विरोधाभास का माहौल उत्पन्न किया दोनो प्रमुख राजनीतिक दलों के सामने

साहू समाज ने सरगुजा संभाग से समाज के लिए टिकट की मांग विधानसभा चुनाव के मद्देनजर करने के लिए बैठक आयोजित की, बैठक में समाज की आपसी रणनीति तय हुई जिसमे निर्दलीय भी चुनाव साहू समाज लड़ सकता है, समाज किसी समाज प्रत्याशी सहारे यह संभावना जाहिर की गई यदि टिकट दोनो राष्ट्रीय पार्टी संभाग में समाज से आने वाले किसी पार्टी सदस्य को नहीं देते हैं। समाज के एक प्रवक्ता ने यह कहा की साहू समाज बैकुंठपुर से भाजपा से टिकट की मांग करता है तो वही साहू समाज प्रत्याशी के लिए वहीं भटगांव सहित प्रेमनगर में से किसी एक सीट पर कांग्रेस से समाज अपेक्षा रखता है। वहीं ऐसा होने पर समाज दोनो दलों को लेकर सकारात्मक रुख अपनाएगा चुनाव में। साहू समाज प्रवक्ता की बात विरोधाभास जैसी समझ में आई। दोनो दल ही यदि उनकी बात मान लेते हैं और कांग्रेस भटगांव या प्रेमनगर से किसी साहू समाज प्रत्याशी को वहीं भाजपा बैकुंठपुर से किसी साहू समाज प्रत्याशी को मौका दे देती है, ऐसी स्थिति में साहू समाज किस तरफ ज्यादा मेहनत समर्थन देगा यह उन्होंने स्पष्ट नहीं किया जो राजनीतिक दलों के लिए चिंता का भी विषय हो सकता है, वहीं समाज को वह सौदे के हिसाब से भी आंककर किनारे कर सकते हैं, यह भी एक संभावना है। साहू समाज की बैठक में या एक दल विशेष से मांग की जानी थी टिकट की या फिर दोनो दलों से टिकट की मांग करते हुए उनकी मंशा स्पष्ट होनी थी, लेकिन जैसा देखा गया और जो प्रेस वार्ता हुई, उसके अनुसार यह साबित हुआ की समाज के कई दावेदार संभाग के कई विधानसभा से दावेदारी करना चाहते हैं और यदि एक दो विधानसभा से किसी दल ने किसी समाज सदस्य को मौका भी दिया तो अन्य सीटों पर साहू समाज का किसी दल विशेष के लिए समर्थन मिल पाएगा यह संभव नहीं लगता। साहू समाज अपनी एकता कुल मिलाकर अपनी बैठक के बाद साबित नहीं कर सका यह माना जा सकता है, क्योंकि उनकी मांग राजनीतिक दलों से कम थी राजनीतिक दलों के लिए संख्या आधारित चेतावनी ज्यादा थी।

साहू समाज ने बैठक कर संभाग में दोनो दलों से की समाज से ही किसी को टिकट देने की मांग,टिकट नहीं दिए जाने पर निर्दलीय चुनाव में उतरने की चेतावनी भी

सरगुजा संभाग में दोनो दलों से साहू समाज ने मांगे टिकट, नही देने पर दिया नारा नेतृत्व दीजिए नही नेतृत्व बदल देंगे, बैकुंठपुर विधानसभा के बैकुंठपुर स्थित साहू समाज के सामुदायिक भवन में साहू समाज ने प्रेस कॉन्फ्रेंस किया, कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस और भाजपा से संभाग में एक सीट पर टिकट की मांग की, समाज के प्रवक्ता देश के विख्यात पर्वतारोही राहुल गुप्ता ने बताया कि बीते 20 वर्षो से हम अपनी बारी का इंतजार कर रहे है, 8 माह से हम जब से चुनावी टिकट को लेकर प्रकिया शुरू हुई है, समाज ने राष्ट्रीय स्तर से लेकर भाजपा और कांग्रेस दोनो दलों से हम टिकट की मांग करते आये है, भाजपा ने संभाग की 5 सीटों में से 2 में अपने अधिकृत प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है जिसका हम स्वागत करते है, हम बैकुंठपुर विधानसभा में मजबूत है, यहां समाज के लगभग 26 हजार वोटर है, इसी तरह प्रेमनगर में 36 हजार, भटगॉव में 11 हजार, अम्बिकापुर में 14 हजार, मनेन्द्रगढ़ में 13 हजार, भरतपुर सोनहत में 12 हजार सामाजिक वोटर है। पूरे संभाग में 1 लाख 20 हजार से ज्यादा वोटर है और हम संभाग की हर सीट पर जीत हार तय करते है। उन्होंने कहा कि यदि हमको बैकुंठपुर विधानसभा से बीजेपी टिकट देती है तो हम सब समाज को लेकर इस सीट पर जीत दर्ज करवा कर दिखाएंगे, न सिर्फ बैकुंठपुर बल्कि पूरे संभाग में भाजपा को जीत दिलवाने का पूरा प्रयास करेंगे, पर यदि हमको टिकट नही देती है पार्टी का नुकसान होगा। हो सकता है साहू समाज अपना निर्दलीय प्रत्याशी भी उतार दे, उन्होंने कहा कि अभी समय है दोनो पार्टी हमारे प्रस्ताव पर विचार कर ले, कांग्रेस ने अभी टिकट की घोषणा नही की है यदि कांग्रेस सरगुजा संभाग से हमे एक सीट पर टिकट देती है तो पूरे संभाग की सीटों पर साहू समाज उनका समर्थन करेगा। दोनो राजनीतिक दल इस बात को जान ले। उन्होंने कहा कि ये पहली प्रेस वार्ता है इसका सिलसिला जारी रहेगा और हमारी रणनीति समाज समय समय पर अवगत कराते रहेंगे। उन्होंने कहा कि हमारा किसी से विरोध नही है। हमारी मांग को दोनो दल समझे और हमारे साथ हमारे समाज की शक्ति को देखते हुए टिकट दे।

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,07 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

चुनाव आते ही राजनीतिक पार्टियों को समाज के नेतृत्वकर्ताओं द्वारा ब्लैकमेल व सौदे बाजी करने का प्रयास शुरू हो चला है, इस समय सामाजिक नेतृत्व वाले लोग राजनीतिक पार्टियों से अपना जनसंख्या के आधार पर हक मांगने लगे हैं और वह हक विधायक प्रत्याशियों को लेकर मांगा जा रहा है, अब ऐसे में सवाल यह उठता है क्या विधायक किसी समाज का प्रतिनिधित्व करता है या फिर सभी लोगों के लिए चुन के आने वाला पद है? इस समय हम बात कर रहे हैं साहू समाज का जिसे हर बार राजनीतिक पार्टियों ने मौका दिया है पर इस बार सरगुजा संभाग से मौका मांगने की तैयारी है, सरगुजा संभाग स्तर पर साहू समाज राजनीतिक दलों से विधायक प्रत्याशी चाहता है, पर इस समय कोरिया जिले के बैकुंठपुर विधानसभा में साहू समाज भारतीय जनता पार्टी से टिकट मांग रहा है पर सवाल यह उठता है कि यदि साहू समाज को किसी भी पार्टी से टिकट चाहिए तो फिर दोनों पार्टियों

से क्यों नहीं मांग रही? सिर्फ भारतीय जनता पार्टी से ही टिकट की मांग क्यों कर रहा साहू समाज? क्या साहू समाज भईया लाल राजवाड़े को पसंद नहीं करता इस वजह से वह मांग कर रहा है या फिर सत्तापक्ष की विधायक का समर्थन कर रहा है इसलिए मांग कर रहा है? इसके पीछे भाजपा के ही कुछ नेताओं का दिमाग तेज गति से दौड़ रहा है, यह भी सूत्रों का कहना है। वैसे साहू समाज जिस तरह बैकुंठपुर से भाजपा पार्टी से समाज के किसी व्यक्ति को मौका देने की मांग कर रहा है, उसके बाद यह सवाल उठने लगा है की केवल भाजपा से ही क्यों साहू समाज टिकट मांग रहा है? जबकि पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 14 साहू समाज के प्रत्याशियों को मौका दिया था, पूरे प्रदेश में और उनमें से केवल एक ही प्रत्याशी जीत दर्ज कर पाया था, शेष को हार का सामना करना पड़ा था, वहीं इसके मुकाबले सत्ताधारी कांग्रेस पार्टी ने आधे प्रत्याशियों को मौका दिया था साहू समाज से जिसमे से दो को हार का सामना करना पड़ा था, वहीं अधिकांश सीटों पर जहां भाजपा से साहू समाज के प्रत्याशी चुनावी मैदान में थे उन्हे हार का मजा चखाने वाले गैर साहू समाज से प्रत्याशी थे। बैकुंठपुर विधानसभा में इस बार साहू समाज भाजपा पर दबाव बना रहा है और समाज से ही किसी को प्रत्याशी बनाए जाने की मांग कर रहा है, वैसे भाजपा में बैकुंठपुर विधानसभा से कुछ साहू समाज के नेता ऐसे हैं जो दावेदार हो सकते हैं, पार्टी के लिए फायदेमंद भी हो सकते हैं लेकिन वह टिकट की दौड़ में उतना आगे नहीं हैं जितना वह आगे मान रहे हैं जिनके जितने की संभावना नगण्य है। अनिल साहू, सहित सुभाष साहू यह नाम जहां टक्कर वाले माने जा सकते हैं तो वहीं जोर आजमाइश करने वाले अन्य कहीं दौड़ में भी नहीं हैं, यह देखा सुना जा रहा है। साहू समाज के जो दावेदार ज्यादा प्रयास कर रहे हैं वह विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी बनकर किसी पार्टी के लिए जीत सुनिश्चित कर सकते हैं, यह अधिकांश समाज के ही लोगों द्वारा स्वीकार नहीं किया जा रहा है। वैसे साहू समाज को लेकर भाजपा ने कभी अनदेखी जैसा व्यवहार नहीं किया, वहीं वर्तमान में प्रदेश अध्यक्ष भी समाज से ही आते हैं, वहीं भाजपा की जारी पहली सूची में ही 4 साहू समाज से आने वाले प्रत्याशियों को भाजपा ने मौका देकर बता दिया है की वह साहू समाज को लेकर कितना गंभीर है, आगे और भी टिकट भाजपा साहू समाज के लोगों को देगी यह भी तय है लेकिन सरगुजा संभाग में वह टिकट देगी या नहीं यह अभी तय नहीं है।

सामाजिक संख्या के आधार पर टिकट वितरण किया गया तो कई अन्य समाज जिनकी संख्या कम है उस समाज के दावेदार टिकट की दौड़ से हो जायेगें बाहर

राजनीतिक दल यदि यह देखकर और तो तय करके टिकट तय करेंगे की किस विधानसभा में किस जाति समुदाय की संख्या अधिक है और उसी समुदाय जाति के उम्मीदवार को यदि वह चुनाव में प्रत्याशी बनाएगी तो ऐसे में कई ऐसे दावेदार टिकट की दौड़ से बाहर हो जायेंगे जिनके समाज की जनसंख्या कम है किसी विधानसभा में और वह टिकट के प्रबल दावेदार भले चले आ रहे हों। वैसे बैकुंठपुर विधानसभा से कांग्रेस पार्टी के हिसाब से बात की जाए तो इस विधानसभा में पार्टी ने हमेशा ऐसे प्रत्याशी को मैदान में उतारा है जिसकी खुद की सामाजिक जनसंख्या बिल्कुल कम रही है जीत हार तय करने वाली नहीं रही है। वर्तमान विधायक के हिसाब से भी देखा जाए तो उनको लेकर जातीय समीकरण उनका बिल्कुल कमजोर है जाति समुदाय की संख्या नगण्य जैसी है।

संख्या के आधार पर टिकट की मांग राजनीति के लिए शुभ संकेत नहीं

यदि जातीय जनसंख्या के आधार पर किसी को पार्टियां उम्मीदवार बनाने लगें तो यह आने वाले समय में राजनीति के लिए शुभ संकेत नहीं है,यदि यह परंपरा जारी हो गई तो छोटी आबादी छोटे जनसंख्या समूह का भला कभी नहीं हो सकेगा वहीं यह भी तय हो जायेगा की ज्यादा संख्या वाली जातियां दबाव बनाकर कुछ भी हासिल करने का प्रयास करेंगे और यह अन्य जातियों के लिए घातक होगा क्योंकि जाति संख्या बल के आधार पर टिकट मांगने वाला यदि चुनाव जीत कर आएगा वह अन्य समाज को हाशिए पर रखेगा,उसका भला नहीं सोचेगा।

साहू समाज की बैठक और प्रेस वार्ता सौदेबाजी से कम नहीं नजर आई,जबकि इस बीच उनकी रणनीति स्पष्ट भी नहीं दिखी

साहू समाज ने जो बैठक टिकट के लिए दो राजनीतिक दलों पर दबाव बनाने के लिए की वह बेनतीजा उद्देश्य विहीन कही जा सकती है क्योंकि बैठक के बाद जो बातें समाज की तरफ से सामने आई उससे यह जाहिर होता है की यह एक तरह की सौदेबाजी करने की कोशिश थी जिसमे समाज सफल इसलिए नहीं हुआ क्योंकि समाज के प्रवक्ता जिन्हे भी बोलने की आजादी मिली उन्होंने किसी दल के प्रति आस्था स्पष्ट साबित नहीं की,कुल मिलाकर सौदेबाजी का प्रयास था और जिन्हे बात सामने रखने का अवसर मिला वह ठिक ढंग से बात रख नहीं सके पूरी बैठक बेनतीजा साबित हुई कहा जा सकता है।

साहू समाज में ही एक एक विधानसभा से कई दावेदार,समाज उन्हे कैसे करेगा एकजुट इसको लेकर नही आया समाज की तरफ से बयान

साहू समाज ने संख्या के आधार पर संभाग में टिकट की मांग के लिए अपनी बैठक रखी,बैठक के बाद साहू समाज ने अपनी रणनीति भी जाहिर की,वहीं बैकुंठपुर से समाज ने भाजपा से टिकट की मांग की,लेकिन समाज से कौन उम्मीदवार होगा यह समाज ने स्पष्ट नहीं किया,बैकुंठपुर में समाज से कई दावेदार हैं जो भाजपा से ही टिकट की उम्मीद रखते हैं,उनमें से एक दो को छोड़कर शेष समाज से भी समर्थन जुटा पाएंगे यह समाज के कुछ लोगों का कहना है की ऐसा शायद ही संभव हो पाए,ऐसी स्थिति में किसे भाजपा मौका दे कौन बैकुंठपुर से उम्मीदवार हो यह साहू समाज को बताना चाहिए था क्योंकि आपस में ही समाज में कई दावेदारों को लेकर आपसी सहमती नहीं है

साहू समाज का टिकट को लेकर ज्यादा दबाव भाजपा पर,क्या कांग्रेस से टिकट की उम्मीद बैकुंठपुर विधानसभा में नहीं रखता साहू समाज?

बैकुंठपुर विधानसभा में साहू समाज भाजपा से टिकट की मांग कर रहा है,साहू समाज कांग्रेस पार्टी से टिकट की मांग प्रमुखता से करता इस विधानसभा में नहीं आया है जबकि कांग्रेस से इस विधानसभा में जनपद उपाध्यक्ष ने अपनी दावेदारी टिकट के लिए की है जिसे समाज का समर्थन उस स्तर पर नहीं मिल पा रहा है जितनी की मांग साहू समाज भाजपा से टिकट के लिए कर रही है। यह देखकर लगता है की बैकुंठपुर विधानसभा में साहू समाज भाजपा से ही आशान्वित है कांग्रेस से उसकी उम्मीदें नगण्य हैं

साहू समाज को लेकर भाजपा का पिछला अनुभव अच्छा नही

भाजपा ने पिछले चुनाव में साहू समाज पर प्रदेश में सबसे ज्यादा विश्वास किया था,साहू समाज को भाजपा ने इसी तरह के दवाब के कारण 14 सीटों से उम्मीदवार बनाया था जिसमे से भाजपा एक ही सीट बचा पाई थी जबकि भाजपा ने साहू समाज के लोगों को ऐसे सीटो से मौका दिया था जहां सबसे ज्यादा समाज के ही मतदाता थे ।अब देखना यह भी है की क्या साहू समाज को लेकर भाजपा दोबारा दांव खेलती है जबकि पिछली बार भी समाज ने यह कहकर ही टिकट मांगा था की वह सभी सीटों पर जीतकर आएंगे।

बीते चुनाव में दो-दो मंत्रियों ने हमारी ताकत देख ली है

सुनील साहू जनपद सदस्य भैयाथान ने कहा की साहू समाज लगातार सरगुजा संभाग से टिकट की मांग दोनो प्रमुख राष्ट्रीय दल से करता आ रहा है, यदि मौका इस बार मिलता है तो समाज दल का साथ देगा जो दल मौका देगा वहीं यदि बात शक्ति प्रदर्शन और संख्या बल पर आधारित है और उसी आधार पर टिकट तय होगा तो हम उसके लिए भी तैयार हैं और हम आगे शक्तिप्रदर्शन के लिए तैयार हैं। बीते चुनाव में दो दो मंत्रियों ने हमारी ताकत देख ली है यदि फिर देखना चाहते है तो हम तैयार है।

योग्यता,काबिलियत के बाद यदि जातीय समीकरण के आधार पर संयुक्त रूप से आंकलन कर दिया जाए टिकट तभी बेहतर लोकतंत्र की स्थापना हो सकेगी

टिकट वितरण में जातीय समीकरण को आधार न बनाया जाए यह भी कहना गलत होगा और न्याय संगत नहीं होगा,यदि ऐसा आवश्यक है तो योग्यता काबिलियत के बाद जातीय समीकरण देखा जाए संयुक्त आंकलन किया जाए तब टिकट दिया जाए ऐसा करना ही लोकतंत्र के लिए लाभदायक होगा जनहितकारी निर्णय होगा।

क्या शर्मा अस्पताल पर कार्यवाही शुरु होते ही संजय जायसवाल को सताया संजय अग्रवाल का डर?

पार्षद संजय जायसवाल ने थाने में शिकायत कर संजय अग्रवाल से जान का खतरा बताते हुए पुलिस से मांगी सुरक्षा

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,07 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

शर्मा अस्पताल पर ताला जड़ने के बाद ऐसा क्या हुआ कि पार्षद संजय जायसवाल को संजय अग्रवाल से जान का खतरा लगने लगा और पुलिस से सुरक्षा की मांग करने लगे पार्षद? पार्षद संजय जयसवाल शर्मा अस्पताल के काफी करीबी माने जाते हैं और यदि शहर की मानी जाए तो वहां के एक कर्मचारी से कम भी नहीं हैं, पर क्या कार्यवाही शर्मा अस्पताल में होने के बाद संजय जायसवाल को डर सताने लगा या फिर अपने आका को यह बताना चाहते हैं कि मैं आपके लिए कुछ कर रहा हूं इस वजह से उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कर सुरक्षा की मांग की, तमाम तरह के सवाल हैं फिलहाल तो संजय जायसवाल का आरोप है की उन्हे संजय अग्रवाल से खतरा है इसलिए उन्हें सुरक्षा प्रदान की जाए और यदि उनके साथ ऐसी कोई घटना घटती है तो उसका जिम्मेदार संजय अग्रवाल को

माना जाए।

पार्षद संजय जायसवाल ने आरोप लगाते हुए शिकायत किया की मेरे द्वारा दिए गए आवेदन पर नगर पालिका परिषद बैकुंठपुर द्वारा वर्ष 2019 में मां वैष्णो एसोसिएट के समस्त कॉलोनी को अवैध घोषित करते हुए समस्त खरीदी एवं बिक्री पर क्रसंपूर्ण रूप लगा दिया गया था साथ ही मेरे कई आवेदन की शिकायत पर परिणाम स्वरूप बिल्डर संजय अग्रवाल 9 महीने जेल में रह चुके है, मार्च 2023 थाना भटगांव जिला सूरजपुर के मामले में यह बताया गया कि कोरिया तथा मनेंद्रगढ़ में डकैती अपहरण बलवा मारपीट धोखाधड़ी कूट रचना के कुल 19 प्रकरण एवं सूरजपुर जिले के थाना चन्दोरा मे मारपीट बलवा हत्या के प्रयास जैसे संगीन मामलों पर कार्यवाही करते हुए बिल्डर संजय अग्रवाल को जेल भेजा जा चुका है, जिसका वीडियो मेरे द्वारा सोशल मीडिया में वायरल किया गया था, मेरे द्वारा अगस्त 2023 में डॉक्टर प्रिंस जायसवाल जो जिला चिकित्सालय बैकुंठपुर में जिला सलाहकार के पद पर कार्यरत हैं इनके स्थानांतरण कर जांच करने की मांग मुख्य निर्वाचन आयुक्त अधिकारी मंत्रालय परिषद रायपुर छत्तीसगढ़ एवं श्रीमान पुलिस महानिरीक्षक रायपुर छत्तीसगढ़ शासन को की गई है, जिस वजह से पार्षद संजय जायसवाल ने पुलिस अधीक्षक से चर्चा की और कहां की मेरे प्रति ईर्ष्या की भावना रखते हुए मेरे खिलाफ षड्यंत्र रचने का कार्य यह व्यक्ति कर सकता हैं, साथी मुझ पर प्राण घातक हमला भी कर सकते हैं, पार्षद संजय जायसवाल ने कहा कि मेरे और मेरे परिवार पर किसी भी तरह की कोई भी घटना घटित होती है तो उसकी संपूर्ण जवाबदारी संजय अग्रवाल, सीमा अग्रवाल व डॉक्टर प्रिंस जायसवाल की होगी।

पार्षद संजय जायसवाल ने पुलिस अधीक्षक कोरिया से मुलाकात कर की अपनी सुरक्षा की मांग

जानकारों की मानें तो शर्मा अस्पताल संचालक के खास सिपहसालार पार्षद संजय जायसवाल ने पुलिस अधीक्षक से मिलकर अपनी सुरक्षा की मांग की है,उन्होंने संजय अग्रवाल से खुद के लिए खतरे की बात करते हुए यह सुरक्षा मांगी है। संजय अग्रवाल से उन्हे शर्मा हॉस्पिटल में ताला लगने से पहले जान का खतरा नहीं था ताला लगते ही उन्हे जान का डर सताने लगा यह भी अजीब माना जा रहा है।

आखिर क्यों पुलिस कप्तान से पार्षद ने मांगी सुरक्षा

संजय जायसवाल जो पार्षद हैं वह क्यों सुरक्षा की मांग कर रहे हैं यह भी बड़ा सवाल है। उन्हे किसी तरह की धमकी मिली है या उन्हे कोई चेतावनी मिली है यह अभी स्पष्ट नहीं है। पत्र के संबंध में वार्ड पार्षद संजय जायसवाल ने बताया कि कुछ लोगों द्वारा निरंतर उनके एवं उनके परिवार पर एवं उनके घर के आस-पास नजर रखी जा रही है साथ ही उन्हें उन पर और उनके परिवार पर प्राण घातक हमले की आशंका है इस संबंध में उन्होंने पुलिस अधीक्षक श्री त्रिलोक बंसल से मुलाकात कर अपनी समस्त बातों को विस्तार से बताया और अपनी सुरक्षा की मांग की।

फर्जी ट्रस्ट द्वारा कराये जा रहे निर्माण कार्य को एसडीएम ने रुकवाया

हिन्दू सभा ने की कार्यवाही की माँग

-संवाददाता-
मनेन्द्रगढ़,07 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

श्री राम मंदिर के बगल में बने मैदान में तथाकथित ट्रस्ट द्वारा एक बार पुनः अवैध रूप से निर्माण कार्य कराये जाने के विरोध में हिन्दू सभा ने एस डी एम (रा.)को एक लिखित आवेदन देते हुये उचित कार्यवाही का अनुरोध किया है, उल्लेखनीय है कि 8 अप्रैल 2023 को श्री राम मंदिर एवं पार्क के संचालक को लेकर हुए विवाद के बाद तत्कालीन एसडीएम व तत्कालीन तहसीलदार की मौजूदगी में मैदान में तालाबंदी कर चाबी अपने पास रख ली गई थी, उसे दौरान अधिकारियों ने मैदान में किसी तरह के निर्माण कार्य व तोडफ़ोड़ पर पूरी तरह से रोक लगा दी थी, लेकिन एक बार पुनः तथाकथित ट्रस्ट से जुड़े लोगों द्वारा राजस्व विभाग के अधिकारियों को गुमराह करते हुए मैदान की चाबी ले ली गई और वहां पर निर्माण कार्य शुरू करवा दिया गया. जब इस बात की जानकारी हिंदू सभा के लोगों को हुई तो तत्काल इस बात की जानकारी तहसीलदार व राजस्व अधिकारी एवं पुलिस के आला अधिकारियों को दी. मैदान में अवैध रूप से निर्माण कार्य शुरू किए जाने की खबर लगते ही एस डी एम मनेन्द्रगढ़ के निर्देश पर तहसीलदार तत्काल मौके पर पहुंचे और उन्होंने काम बंद करवाया. कुछ देर बाद पुलिस अधिकारी भी घटना स्थल

पर पहुंच गए और उन्होंने वहां पर किसी भी तरह से काम नहीं करने की बात कही. उल्लेखनीय की लंबे समय से श्री राम मंदिर के संचालक को लेकर विवाद की स्थिति बनी हुई है इस संबंध में लगभग तीन माह पूर्व कलेक्टर एमसीबी के सभा कक्षा में एक बैठक भी आयोजित की गई थी और 15 दिनों के अंदर त अपना पक्ष व ट्रस्ट से जुड़े कागजात प्रस्तुत करने को कहा गया था, लेकिन आज तक ट्रस्ट के लोगों ने कागजात प्रस्तुत किया अथवा नहीं किया इस बात की तो जानकारी नहीं है लेकिन उसके बावजूद भी राजस्व विभाग के अधिकारियों को गुमराह कर मैदान में निर्माण कार्य शुरू करवा दिया गया है. इसे लेकर हिंदू सभा ने गहरी आपत्ति दर्ज कराई है, हिंदू सभा के सदस्यों ने कहा है कि फर्जी स्टेट संचालन करने वाले लोगों के विरुद्ध उचित कार्रवाई करें जिससे इस धार्मिक स्थल और उसकी राशि का दुरुपयोग रोका जा सके।

क्या विकासखंड शिक्षा अधिकारी खड़गवां ने लगाई ऊंची छलांग

गृह जिले कोरिया के बने जिला शिक्षा अधिकारी ?

कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने पदभार ग्रहण करते ही अपने परिवार के सदस्य को बनवाया जिला शिक्षा अधिकारी:सूत्र

ऐन चुनाव पूर्व गृह जिले में कराई पोस्टिंग, पोस्टिंग के बाद उठ रहे सवाल,क्या चुनाव प्रभावित करने का यह कोई तरीका तो नहीं ?

शिक्षा विभाग में हैं हजारों की संख्या में कर्मचारी,क्या उन्हे प्रभावित करने गृह जिले में ही जिला शिक्षा अधिकारी बनाया गया ?

कोरिया जिला शिक्षा अधिकारी पद पर कोरिया निवासी अधिकारी की पोस्टिंग ऐन चुनाव से पूर्व...पोस्टिंग सवालों के घेरे में

इकलौते विकासखंड शिक्षा अधिकारी जिन्हें स्कूल शिक्षा विभाग ने जारी सूची में बनाया जिला शिक्षा अधिकारी

कई वरिष्ठ जिले में ही बैठे हैं कतार में...वरिष्ठ छोड़कर जूनियर को मिली जिम्मेदारी

शेष अगले अंक में क्रमशः प्रकाशित

विकासखंड शिक्षा अधिकारी बने अभी हुआ नहीं था लंबा समय,सीधे बने जिला शिक्षा अधिकारी

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,07 अक्टूबर 2023
(घटती-घटना)।

स्कूल शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ लगातार अपने आदेशों निर्देशों को लेकर सुर्खियों में बना चला आ रहा है और विभाग में नियम कायदे ताक पर रख दिए गए हैं यह लगातार देखा जा रहा है। शिक्षक पदोन्नति मामला हो,तबादला मामला हो या फिर सूरजपुर जिला शिक्षा अधिकारी का निलंबन मामला और फिर बहाली मामला हो ऐसे कई मामलों ने विभाग की छवि धूमिल कर दी है और अब एक नया मामला सामने आया जो एक नए आदेश के समाने आने के बाद नजर आ रहा है जिसके अनुसार कई जिलों के जिला शिक्षा अधिकारी विभाग ने बदल दिए हैं और अब उन जिलों में नए अधिकारी कार्य करते देखे जायेंगे इसी आदेश में एक नाम को लेकर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है जो कोरिया जिले के शिक्षा अधिकारी बनाए गए अधिकारी का नाम है जिसके बाद यह माना जा रहा है की शिक्षा विभाग में नियम कायदों को ताक पर रख दिया गया है और चुनाव पूर्व अब अपने अपने स्तर पर चुनाव प्रभावित कर सकने वालों को नया नया प्रभार दिया जा रहा है जो जारी आदेश से समझा जा सकता है। स्कूल शिक्षा विभाग में 6 अक्टूबर को एक आदेश जारी किया है जिसके अनुसार बैकुंठपुर कोरिया जिला निवासी विकासखंड शिक्षा अधिकारी खड़गवां को कोरिया जिले का जिला शिक्षा अधिकारी बनाया गया है।

जिन्हे यह जिम्मेदारी मिली है उनके बारे में बताया जा रहा है की वह वर्तमान जिलाध्यक्ष कोरिया कांग्रेस कमेटी के परिवार से आते हैं बताया जा रहा है की वह जिलाध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी कोरिया के भतीजे हैं। अब ऐसे में यह सवाल उठना लाजमी है की कहीं उन्हे जिला शिक्षा अधिकारी बनाने के पीछे चुनाव प्रभावित करना उद्देश्य तो नहीं। ऐन चुनाव के समय गृह जिले में विभाग का सबसे बड़ा पद उन्हे ऐसे ही मिल गया यह मानने कोई भी तैयार नहीं है। सभी का कहना है की गृह जिले में ऐन चुनाव के समय प्रभार दिया जाना वह भी विभाग प्रमुख का यह एक योजना के तहत माना जा सकता है। वैसे जानकारों का भी कहना है की जिन्हे जिला शिक्षा अधिकारी बनाया गया है कोरिया का उनका चूंकि गृह जिला है कोरिया और ऐसे में चुनाव के समय ऐसा प्रभार देना कहीं न कहीं योजना का ही हिस्सा है,जो चुनाव को प्रभावित करने से जोड़कर माना जा सकता है। वैसे जिन्हे कोरिया जिले का प्रभार शिक्षा विभाग का मिला है उनके परिवार के कई सदस्य शिक्षा विभाग में कार्यरत हैं वहीं कई सदस्य कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर रहे हैं जबकि उनकी पोस्टिंग स्कूलों में है और वह कभी स्कूल गए ही नहीं,नए जिला शिक्षा अधिकारी बने वह भी गृह जिले में प्रभार पाने वाले अधिकारी के कोरिया जिला प्रभारी बनने से उनके परिवार के ही विभाग में पदस्थ सदस्यों को सहूलियत होगी उनका स्कूलों को तरफ जाना और कम होगा जो पहले से ही नही के बराबर है ऐसा माना जा रहा है। जिला शिक्षा अधिकारी बनकर निष्पक्ष काम कर पाएंगे नए जिला शिक्षा अधिकारी यह भी संभव नही नजर आता क्योंकि उन्हे निष्पक्ष बनकर काम करने के लिए सबसे पहले उन्हे स्कूल भेजना होगा जो उनके परिवार के सदस्य हैं स्कूल की बजाए कहीं न कहीं संलग्न हैं। वैसे स्कूल शिक्षा विभाग का यह आदेश अपने आप में कोरिया जिला शिक्षा अधिकारी को लेकर अनोखा आदेश है जिसमे ऐन चुनाव के वक्त गृह जिले में एक अधिकारी को पोस्टिंग दी गई है और वह भी ऐसे अधिकारी को जिनके परिवार का राजनीतक दल से जुड़ाव है वह भी सत्ताधारी दल से,समाचार सूत्र जनित सूचनाओं के आधार पर है।

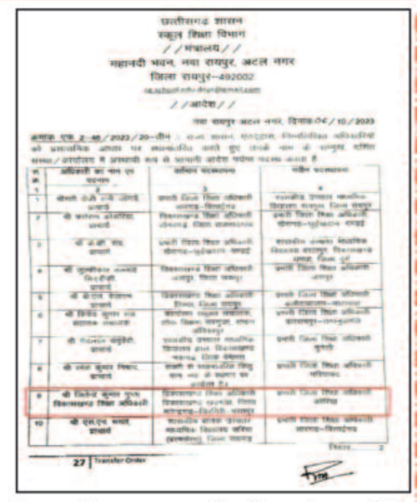
छत्तीसगढ़ शासन
स्कूल शिक्षा विभाग
//मंत्रालय//
महानदी भवन, नवा रायपुर, अटल नगर
जिला रायपुर-492002
//आदेश//

विकासखंड खड़गवां के हाल ही में बने थे विकास खंड शिक्षा अधिकारी,लंबी छलांग मार बने गृह जिले के जिला शिक्षा अधिकारी

कोरिया जिले में जिस विकास खंड शिक्षा अधिकारी को जिला शिक्षा अधिकारी बनाया गया है उन्हे हाल ही में कुछ समय पहले विकासखंड शिक्षा अधिकारी के पद पर पदोन्नति मिली थीअभी उन्हे विकासखंड शिक्षा अधिकारी का कार्य करते ज्यादा समय हुआ भी नहीं हुआ था की उन्हे जिला शिक्षा अधिकारी गृह जिले का बना दिया गया,उनकी यह लंबी छलांग अनुभव और उनके कार्यकुशलता की वजह से संभव हुई है ऐसा नहीं माना जा रहा है। वैसे जिला शिक्षा अधिकारी बनने के लिए अनुभव का आंकलन किया जाता है जो इस मामले में नहीं किया गया।

इकलौते विकासखंड शिक्षा अधिकारी जिन्हे मिला जिला शिक्षा अधिकारी का पद, वह भी अपने गृह जिले का जिला शिक्षा अधिकारी बनने का जारी सूची में मौका

स्कूल शिक्षा विभाग ने जो सूची जारी की है जिसके अनुसार कई जिलों के जिला शिक्षा अधिकारी बदले गए हैं उसमे कोरिया जिले का जिन्हे जिला शिक्षा अधिकारी बनाया गया है वह इकलौते ऐसे जिला शिक्षा अधिकारी होंगे जिन्हें विकासखंड शिक्षा अधिकारी से जिला शिक्षा अधिकारी बनाया गया है वह भी गृह जिले का। शेष अन्य नाम जो शामिल है उसमे कोई प्राचार्य है कोई संचालक कोई सहायक संचालक है,कोई अन्य सूची में विकासखंड शिक्षा अधिकारी नहीं है जो सूची अनुसार देखा जा सकता है और जिससे स्पष्ट होता है की कहीं न कहीं मामला जुगाड तंत्र का जरूर है।

गृह जिले में जिला प्रमुख विभाग बनना ऐन चुनावी साल में बड़ी बात

चुनाव के समय देखा जाता है की बड़े अधिकारियों सहित विभाग के जिला प्रमुखों को लेकर यह देखा जाता है की उनका कार्यस्थल उनका गृह जिला तो नहीं है,अधिकारियों के मामले में यह ज्यादा ध्यान देने वाला विषय होता है और यह माना जाता है की बड़े अधिकारी यदि चुनाव के वक्त अपने गृह जिले में रहते हैं तो वह चुनाव को प्रभावित कर पाते हैं,उसके बावजूद कोरिया जिले के जिला शिक्षा अधिकारी बनाए गए अधिकारी जिनका गृह जिला है कोरिया और उन्हे कोरिया का प्रभार मिलना बड़ी बात है। वह विभाग के जिला प्रमुख होंगे अब चुनाव तक और शायद आरोप भी उनपर लगेंगे ऐसी भी संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता क्योंकि उनका परिवारिक इतिहास राजनीति से जुड़ा हुआ है और जिस दल से उनके परिवार का जुड़ाव है वह दल सत्ता में है। माना जा रहा है की उनका राह आसान नहीं रहने वाला क्योंकि उन्हे चुनाव के समय डाक मत पत्रों की भी जिम्मेदारी मिलेगी और वह उसे प्रभावित कर पाने में सफल होंगे और इसी वजह से उनका विरोध होगा जो तय माना जा रहा है।

खड़गवां विकास खंड के स्कूल शिक्षकों के झगड़े का अखाड़ा बनता जा रहा है ?

-राजेन्द्र शर्मा-
खड़गवां,07 अक्टूबर 2023
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ के मुखिया की ड्रीम योजना आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल जो पूरे छत्तीसगढ़ में सुचारू रूप से संचालित हो रही है मगर खड़गवां मुख्यालय का आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल शिक्षकों के कुश्ती का अखाड़ा बन गया है इस संस्था में पदस्थ शिक्षकों के द्वारा गुरु की गरिमा और दर्जे को भी नहीं बक्शा जा रहा है। अभी कुछ दिनों पूर्व भी सरपतहिया स्कूल में भी दो शिक्षिका के द्वारा संस्था में ही वाद विवाद किया गया था जिस पर खड़गवां विकास खंड शिक्षा अधिकारी ने संज्ञान लेकर जांच किया और जिला शिक्षा अधिकारी को पत्र प्रस्तुत किया गया जिस पर जिला अधिकारी शिक्षा विभाग के द्वारा उन्हें निलंबित किया गया है वह मामला भी शांत ही नहीं हुआ और खड़गवां मुख्यालय का मामला सामने आ गया। प्राप्त हो जानकारी के अनुसार खड़गवां आत्मानंद इंग्लिश स्कूल मे दो शिक्षकों के बीच हुई हाथापाई और वाद विवाद को बाद में स्कूल प्रबंधन ने दोनों शिक्षकों का आपसी सुलाह भी करा दिया गया इस संस्था में पदस्थ ये शिक्षक संस्था में बच्चों को पढ़ाने के लिए पदस्थ किया गया है कि वाद विवाद एवं हाथापाई करने के लिए ये शिक्षक संस्था में आते हैं अब इस तरह के कृत करने वाले शिक्षकों पर संस्था की प्रबंधन आखिर क्यों मेहरबान है। इस तरह संस्था में वाद विवाद हाथापाई करने वाले शिक्षकों के द्वारा संस्था के बच्चों को क्या पढ़ाएंगे इसका पढ़ने वाले बच्चों पर क्या असर पड़ेगा इसका सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है तरह के कृत करने वाले शिक्षकों पर शाला प्रबंधन को कार्य वाही करनी चाहिए? इस संबंध में संस्था के प्राचार्य से जानकारी चाही तो उन्होंने ने कहा दोनों शिक्षकों ने अपनी गलती की जिम्मेदारी लेते हुए भविष्य में दुबारा इस तरह कि गलती नहीं होगी।

छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार दिल्ली दरबार की एटीएम:रघुवर

-संवाददाता-
खड़गवां,07 अक्टूबर 2023
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार की बघेल बैंक चल रही है और इस बैंक में पैसा जनता जमा नहीं करती बल्कि कोयला, महादेव सट्टा एप, शराब का सिंडिकेट चलाने वाले लोग जमा करते हैं। कांग्रेस सरकार प्रदेश की जनता को गुमराह कर रही है। सत्ता में आने के लिए कांग्रेसियों ने सरगुजा संभाग के लोगों को बरगलाया कि यदि कांग्रेस की सरकार बनती है तो क्षेत्र के शीर्ष नेता टी एस सिंहदेव को मुख्यमंत्री बनाया जाएगा क्षेत्र की जनता ने बड़ी आशा एवं उम्मीद के साथ कांग्रेस को विजयी दिलाई वहीं अन्य क्षेत्र में ताम्रध्वज साहू को मुख्यमंत्री बनाने की बात कही थी। लोगों को गुमराह कर भूपेश बघेल को प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया गया। उक्त बातें भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने गत दिवस एसईसीएल विश्राम गृह में प्रेस वार्ता में कहीं उन्होंने कहा कि पिछले 9 वर्षों में हमारी सरकार द्वारा न केवल वंचित, शोषित लोगों को मुख्य धारा से जोड़ा बल्कि उनका सशक्तिकरण भी किया है। आज दुनिया कह रही है कि 21वीं सदी भारत की सदी है।

प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने छत्तीसगढ़ की बघेल सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ÷छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार दिल्ली दरबार का एटीएम है। ये सरकार पूरी तरह भ्रष्टाचार में संलिप्त है। इस सरकार के भ्रष्टाचार, कमीशन खोरी का आधा पैसा दिल्ली दरबार को जाता है प्रदेश की पहचान को भूपेश सरकार ने बदनाम करने का काम किया। छतीसगढ़ में शराब और सट्टेबाजी का कारोबार फल फूल रहा है कांग्रेस सरकार ने शराबबंदी का वादा किया था परंतु क्या हुआ शराबबंदी तो नहीं हुई उल्टा 2000 हजार करोड़ का घोटाला जरूर कर दिया। सरकार ने तो शराब की होम डिलीवरी योजना तक चालू कर दी प्रदेश के पूरे विधायकों को लूट पाट करने की खुली छूट दे दी गई है। इस क्षेत्र के जनप्रतिनिधि ने अवैध कार्यो को सरक्षण दिया जनहित का काम तो 5 वर्षो तक नहीं किया लेकिन चुनाव नजदीक आते ही शिलान्यास की होड़ लगा दी है, कांग्रेस को शायद नही मालूम की काठ की हांडी एक बार ही चढ़ती है।

भ्रष्टाचार का आलम यह है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री का ओएसडी आज जेल में प्रदेश के प्राकृतिक संसाधन जैसे कोयला जिससे राज्य का राजस्व बढ़ता प्रदेश का खजाना भरता परंतु कोयले का अवैध धंधा चलाकर यह पैसा भूपेश बघेल बैंक के खाते में भेजा गया। आज माइनिंग सेक्रेटरी जेल में है तीन-तीन आईएएस जेल में है और मुख्यमंत्री के ओएसडी भी जेल में है ऐसी सरकार के खिलाफ जनता अब परिवर्तन का मन बना लिया है। झारखंड के पूर्व सीएम ने प्रेसवार्ता के दौरान पीएम मोदी की जमकर तारीफ की। इस दौरान उन्होंने महिला आरक्षण बिल को लेकर भी पीएम मोदी की सराहना की। उन्होंने कांग्रेस को चुनौती दी की जनता आगामी 2024 के लोकसभा चुनाव में जवाब देगी छत्तीसगढ़ की पहचान सरल, सादगी, ईमानदार और अपने मानवीय मूल्यों की विरासत के रूप में है इसी वजह से छत्तीसगढ़िया सबसे बढ़िया कहा जाता है। लेकिन बीते 5 वर्षो में कांग्रेस की भूपेश सरकार ने इनको कलंकित करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि मेरे पूर्वज भी छत्तीसगढ़ से ही है और रोजी-रोटी के लिए झारखंड चले गए थे। ऐसी सरकार के खिलाफ जनता ने परिवर्तन का मन बना लिया है। झारखंड में शराब की बंदी के प्रश्न पर उन्होंने कहा कि हमने वादा नहीं किया था कांग्रेस वादा तो करती है पर पूरा नहीं करती शराब सामाजिक बुराई है हमने जन जागरूकता के माध्यम से इसे दूर करने का प्रयास किया सामाजिक बुराई कानून से कम नहीं की जा सकती इसके लिए क्रमिक रूप से दुकानों की संख्या कम करना होगा जो भारतीय जनता पार्टी की सरकार में हो रहा था। एक अन्य प्रश्न पर उन्होंने कहा कि भाजपा वंशवाद परिवारवाद की पार्टी नहीं है हमारा मूल मंत्र सामूहिक नेतृत्व है भाजपा जो कहती है वह करती है हम घोषणा पत्र में जो वादा करते हैं उसे पूरा करने का प्रयास जरूर करते हैं चुनाव के समय कांग्रेस का हाथ गरीब के साथ होता है पर चुनाव जीतने पर कांग्रेस का हाथ भ्रष्टाचार के साथ चला जाता है क्षेत्र की जनता इसका जवाब जरूर देगी।

प्रेस वार्ता के दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष अनिल केसरवानी, पूर्व विधायक श्याम बिहारी जायसवाल श्रीमती चंपा देवी पावले, अरविंद अग्रवाल, श्रीमती मुनमुन जैन, मनोज जैन, ओमप्रकाश अग्रवाल मौजूद रहे।

अग्रसेन जयंती महोत्सव का शुभारम्भ आज

-संवाददाता-
सूरजपुर,07 अक्टूबर 2023
(घटती-घटना)।

महाराजा श्री अग्रसेन जी की 5147 वीं जयंती के तहत विविध आयोजन व प्रतियोगिताओं का शुभारम्भ आज श्री अग्रवाल सभा के आतिथ्य में अग्रोहा भवन में प्रारंभ होगा। आयोजन समिति के अध्यक्ष राजेश महलवाला व सचिव सुनील अग्रवाल ने बताया कि अग्रवंश की गौरवशाली परंपरा के अनुरूप भगवान श्री अग्रसेन जी की जयंती 15 अक्टूबर को धूमधाम से मनाई जायेगी। इसके एक सप्ताह पूर्व सभी अग्रजों के लिए आकर्षक प्रतियोगिताएं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन अग्रोहा भवन में किया जा रहा है। अग्रवाल महिला मंडल व अग्रवाल नव युवक समिति के द्वारा पावन महोत्सव पर्व को गरिमामय बनाने के बनाने के लिए तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। आज आठ अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक प्रतिनिदिन विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे। जिसमें अग्र प्रतिभा सम्मान 2023-24 के साथ महाराजा अग्रसेन के विशाल शोभायात्रा का भी आयोजन किया गया है। इस वर्ष जयंती के अवसर पर क्रिकेट के एपीएल का आयोजन अग्रवाल नव युवक समिति के द्वारा किया जा रहा है। प्रतियोगिताओं में स्वस्थ्य शिशु, म्यूजिकल चेयर, रिंग सेरेमनी की ट्रे सजाओ, मटका फोड़, सामान्य ज्ञान, गिलास गिराओ, सिक्का डालो, फैंसी ड्रेस, कैरम,

पाईपोमेनिया, तीन पहिया साइकिल रेस, रंगोल, कुर्सी दौड़, वेशभूषा प्रतियोगिता, वाट्स इन द रूम, लक बाई चांस, डांस, सब्जियों के गहने बनाओ, रानी सत्ती दादी का स्वरूप व पाटा, धार्मिक क्वीज, पास टू पास, स्टूडेंस ऑफ द इयर, पेपर गेम, भजन पर रील बनाओ, जोड़ी नम्बर-1, मेंहदी, पेंसिल गेम, सिंगल विकेट, बहू हमारी सब पर भारी, केबीसी, बैलून गेम, रिंगा रिंगा रोसेस, एडवरटाईजमेंट के टैगलाईन से ब्रांड का नाम पहचानो, एक से भले दो, हाऊजी, एक मिनट, पॉलीटिकल क्वीज, बच्चों की ड्राईग, गुरड़िया चलो, जोर लगाओ, ट्रेजर हंट व माला प्रतियोगिता का आयोजन प्रतिदिन एक सप्ताह तक होना है। जयंती के प्रमुख आकर्षणों में से एक आनंद मेले का आयोजन 13 अक्टूबर को आकर्षक कार्यक्रम व विशेष पुरस्कार के साथ भव्य रूप से आयोजित होगा।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा0) सूरजपुर, जिला सूरजपुर (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0 - /अ-2/2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम-देवीपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती पूनम अग्रवाल पत्नी स्व0 संजय अग्रवाल, जाति-अग्रवाल, निवासी ग्राम-देवीपुर तह0 सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा उनके स्वत्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम देवीपुर प.ह.नं. 10, रा.नि.मं.-सूरजपुर, तहसील-सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ0ग0) स्थित भूमि खसरा क्र0 1541/8 रकबा 0.202 हे0 भूमि को औधोगिक प्रयोजन के लिये भूमि व्यपवर्तन हेतु इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव उक्त संबंध में ग्राम-देवीपुर के किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथ्वा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 20/10/2023 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। उसके पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 05/10/2023 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील — विशेष कर्त्तव्याधिकारी, भूमि व्यपवर्तन, सूरजपुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202310020700039

विषयः-अ-6 मामले की श्रेणी-राजस्व
सनः- 2023-2024
झुमरपारा प.ह.न. 00027
142/2[(0.2630हे0)]
पक्षकारों का विवरण-
आवेदक पक्षकार-प्रभुनारायण राजवाड़े, अनावेदक पक्षकार- सुन्दर राम राजवाड़े,

ईश्तहार

आवेदक प्रभुनारायण राजवाड़े आ0 स्व0 सुन्दर राम राजवाडे, निवासी सरईटिकरा, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम झुमरपारा स्थित खसरा नंबर 142/2 रकबा 0.263 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों से मृत भूमि स्वामी सुन्दर राम राजवाड़े का नाम विलोपित कर फौती नामांतरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है जो ई-नामांतरण पोर्टल से ई-कोर्ट में प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 15/011/2023 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 05/10/2023 को जारी किया जाता है।

सील — तहसीलदार, तहसील-अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार भैयाथान, जिला सूरजपुर,छत्तीसगढ

ईश्तहार का प्रकाशन

आम जनता ग्राम बंजा तहसील भैयाथान को सूचित किया जाता है कि आवेदक राम जियावन साहू आ0 बहोरन साहू उम्र 59 वर्ष निवासी ग्राम बंजा तहसील भैयाथान जिला-सूरजपुर (छ0ग0) हालमुकाम महामाया पेट्रोल पंप नमननाकला अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) ने अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की पैतृक भूमि ग्राम बंजा प.ह.नं. 10 में स्थित खसरा नं0 1897/1, 2051/1, 2062, 2072, 2152/1 रकबा 0.25, 0.10, 0.12, 0.35, 0.04 हे0 कुल प्लाट 05 कुल रकबा 0.86 हे0 भूमि स्थित है। उक्त स्थित भूमि 1/3 हिस्से में बंटवारा किये जाने हेतु आवेदन पत्र मय दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। जिस पर कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है।

अतः जिस किसी हितबद्ध पक्षकार को आपत्ति हो तो वह अपना आक्षेप दिनांक 20/10/2023 तक मेरे न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जायेगा एवं तदानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

आज दिनांक 06/10/2023 को मेरें हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया है।

सील — तहसीलदार, भैयाथान सूरजपुर (छ0ग0)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा0) भैयाथान, जिला सूरजपुर (छ0ग0)

ईश्तहार
रा0प्र0क्र0 - /अ-2/2022-23

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम पंचायत को सूचित किया जाता है कि श्री धनेश्वर पिता श्री ददई राम निवासी बंजा के द्वारा अपने स्वत्व एवं आधिपत्य की भूमि खसरा नंबर 168 रकबा 0.3100 में से 0.08 हे0 जो ग्राम बंजा प.ह.नं. 10 रा.नि.मं. शिवप्रसादनगर तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर में स्थित है के आवासीय भू-परिवर्तन (डायवर्सन) हेतु इस न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में ग्राम पंचायत क्षे0 बंजा के किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथ्वा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से प्रकरण में नियत दिनांक 18/10/2023 संस्था को उजर आपत्ति या दावा हो वह स्वयं या किसी मान्या अधिवक्ता अथवा वैध अभिकर्ता के माध्यम में अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में दिनांक 28/07/2023 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति पेश कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 04/10/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा.), भैयाथान, जिला-सूरजपुर छ0ग0

एशियन गेम्स 2023

भारत ने कबड्डी में जीता गोल्ड

अंक को लेकर भारत और ईरान के खिलाड़ियों के बीच जमकर हुआ बवाल

हांगझोउ,07 अक्टूबर 2023। भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने भी एशियन गेम्स 2023 में गोल्ड मेडल जीत लिया है। हालांकि, गोल्ड मेडल का ये मुकाबला काफी विवाद भरा रहा। इस मुकाबले में भारत ने ईरान को 33-29 से हराया। इससे पहले भारतीय महिला कबड्डी टीम ने चीनी ताइपे को मात देकर गोल्ड पर कब्जा किया था। इसके साथ ही ये भारत का 103वां मेडल है। शनिवार को अब तक भारतीय खिलाड़ी 8 मेडल जीतने में कामयाब रहे हैं। इसमें 6 गोल्ड, एक सिल्वर और एक ब्रॉन्ज है। 2 गोल्ड कबड्डी में आए हैं जबकि 4 अन्य मेडल आर्चरी के खिलाड़ियों ने अपने नाम किए हैं। बैडमिंटन और क्रिकेट टीम ने भी एक-एक गोल्ड अपने नाम किया है। फाइनल में भारतीय टीम अच्छी शुरुआत नहीं कर सकी, ईरान ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 3-1 की बढ़त बनाई। इसके बाद स्कोर 5-5 से बराबर हो गया। वहीं ईरान ने लगातार अंक बनाए और 9-6 की बढ़त बना ली। इसके बाद भारत ने बेहतरीन वापसी करते हुए हाफ टाइम तक भारतीय टीम 17-13 से आगे थी। जबकि ईरान की पूरी टीम ऑलआउट हो गई।

दूसरे हाफ में भारत की अच्छी शुरुआत हुई और स्कोर 20-16 हो गया। इसके बाद स्कोर 24-19 हो गया। बाद में ईरान की तरफ से पलटवार किया गया और भारत को ऑलआउट करके स्कोर 25-25 से बराबर कर लिया। लेकिन इसके बाद भी भारत 28-25 से आगे हुआ। वहीं जब स्कोर 28-28 से बराबर हुआ तो इसके बाद प्वॉइंट को लेकर विवाद के कारण खेल लगभग 30 मिनट तक रुका रहा।

क्यों हुआ विवाद?

बता दें कि, मैच खत्म होने में 2 मिनट से भी कम का समय बचा था। पहले भारत को 3 तो ईरान को एक अंक दिए गए। जिस पर ईरान ने विरोध किया तो निर्णय दिया गया। दोनों ही टीमों को एक-एक अंक मिले। इसके बाद भारतीय खिलाड़ी कोर्ट पर ही बैठ गए और खेल को रोक दिया।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच भिड़ंत आज

मैदान में देखना होगा किसका पलड़ा है भारी?

चेन्नई,07 अक्टूबर 2023। भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमें आईसीसी वर्ल्ड कप के पांचवें मैच में रविवार 8 अक्टूबर को चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में भिड़ेंगी। जहां एक तरफ दो बार की वर्ल्ड कप विजेता टीम इंडिया है वहीं दूसरी तरफ पांच बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया है। ये मुकाबला बेहद रोमांचक होने वाला है।

दोनों टीमों के बीच जोरदार घमासान होने की संभावना है और दोनों की नजरें जीत के साथ वर्ल्ड कप अभियान शुरू करने पर होंगी। वहीं दोनों टीमों के बीच हेड टू हेड रिकॉर्ड की बात करेंगे।

इंडिया व्हीएस ऑस्ट्रेलिया हेड टू हेड रिकॉर्ड

भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमें वनडे में अबतक 149 बार भिड़ चुकी है जिसमें से 56 मैच भारत ने जबकि 83 मैच ऑस्ट्रेलिया ने जीते हैं। साथ ही घर में भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 70 वनडे मैच खेले हैं। जिसमें उसे 32 में जीत जबकि 38 में हार झेलनी पड़ी है।

इसके अलावा न्यूट्रल वेन्यू की बात करें तो दोनों के बीच 26 वनडे खेले गए हैं। इसमें से भारत ने 10 जबकि ऑस्ट्रेलिया ने 12 मैच जीते हैं। वहीं आखिरी बार दोनों टीमों के बीच वनडे फॉर्मेट का आखिरी मैच पिछले महीने 27 सितंबर 2023 को खेला गया था। जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 66 रन से शिकस्त दी थी। लेकिन इन तीन मैचों की सीरीज में सीरीज भारत ने अपने नाम की थी।

भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया वनडे रैंकिंग

भारत वनडे रैंकिंग-1
ऑस्ट्रेलिया वनडे रैंकिंग-3
दोनों टीमों का फुल स्क्वॉड

भारतीय टीम-
रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पांड्या (उपकप्तान), शुबमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, रवींद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, मोहम्मद शमी, रविचंद्रन अश्विन, ईशान किशन, सूर्यकुमार यादव।

ऑस्ट्रेलियाई टीम-
पैट कमिंस (कप्तान), स्टीव स्मिथ, एलेक्स कैरी, जोश इंगलिस, सीन एबॉट, कैमरून ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, मार्नस लाबुशेन, मिचेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, मार्कस स्टोइनिस, डेविड वॉर्नर, एडम जैम्पा, मिशेल स्टार्क।

पाकिस्तानी मीडिया को वीजा देना बीसीसीआई का काम

इस्लामाबाद,07 अक्टूबर 2023। पाकिस्तानी प्रशंसकों और मीडिया को वीजा दिये जाने में देरी पर पीसीबी द्वारा फिर निराशा जताये जाने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने कहा कि बीसीसीआई भारत में विश्व कप की कवरेज के लिये आने का इंतजार कर रहे पाकिस्तानी पत्रकारों को वीजा दिलाने के लिये प्रयास कर रहा है।

करीब 60 पाकिस्तानी पत्रकार विश्व कप कवर करने भारत आने का इंतजार कर रहे हैं। नीदरलैंड के खिलाफ विश्व कप के पहले मैच में पाकिस्तान को काफी घरेलू समर्थन मिला लेकिन पाकिस्तान का कोई पत्रकार या प्रशंसक मौजूद नहीं था। कराची में जन्मे मोहम्मद बशीर अमेरिकी नागरिक हैं और यहां पाकिस्तान की हौसलाअफजाई के लिये आये हैं। आईसीसी विश्व कप का आयोजक है तो बीसीसीआई मेजबान। आईसीसी प्रवक्ता ने कहा ,'' वीजा दिलाना मेजबान बीसीसीआई का काम है और हमारे पूरे सहयोग के साथ वह इस पर काम कर रहा है। इस मसले को सुलझाने के पूरे प्रयास किये जा रहे हैं।''

भारतीय हॉकी का धोनी है हरमनप्रीत : धनराज पिल्लै

हांगझोउ,07 अक्टूबर 2023। एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम की सफलता ने महान फॉरवर्ड धनराज पिल्लै को 1998 की जीत याद दिला दी और उन्होंने कप्तान हरमनप्रीत सिंह की तारीफ करते हुए उन्हें भारतीय हॉकी का महेंद्र सिंह धोनी करार दिया है।

भारत ने हांगझोउ में फाइनल में गत चैम्पियन जापान को 5 . 1 से हराकर एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता और पेरिस ओलंपिक के लिये भी क्वालीफाई किया। 1998 बैंकाक एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतने वाली भारतीय टीम के कप्तान रहे धनराज ने को दिये इंटरव्यू में कहा ,'' मुझे खुशी इस बात की है कि हम पूरी तरह दबदबा बनाकर चारों क्वार्टर में उनसे बेहतर खेले। फाइनल में 5 . 1 से जीतना आसान नहीं होता। पिछली बार इसी जापान टीम ने हमें हराया था।''

चार ओलंपिक, चार विश्व कप, चार एशियाई खेल और चार चैम्पियंस ट्रॉफी खेल चुके 55 वर्ष के इस धुरंधर ने हांगझोउ खेलों में सर्वाधिक 13 गोल करने वाले हरमनप्रीत की तारीफ करते हुए कहा ,'' बहुत हद तक हरमनप्रीत की कप्तानी को भी श्रेय जाता है। वह भारतीय हॉकी का महेंद्र सिंह धोनी है। अपना काम करता है और पीछे से गाइड करता रहता है। जज्बात उस पर हावी नहीं होते और दबाव में भी शांत रहता है।''

उन्होंने कहा ,'' इस टीम में श्रीजेश (पीआर) , मनप्रीत (सिंह) , ललित (उपाध्याय), रोहिदास (अमित) जैसे सीनियर खिलाड़ियों ने बहुत अच्छा तालमेल बनाया। मुझे फाइनल देखते हुए 1998याद

आ गया। यह जीत इतिहास में लिखी जायेगी। लड़के एकजुट होकर खेले और इतने गोल किये।''

धनराज की कप्तानी में 1998 एशियाई खेलों के फाइनल में दक्षिण कोरिया को पेनल्टी शूटआउट में 4 . 2 से हराया था। कोरिया के बढत लेने के बाद निर्धारित समय में धनराज के गोल पर ही भारत ने बराबरी की थी।

उन्होंने कहा ,'' 1998 में मेरे पास ऐसी ही मजबूत टीम थी। आशीष बलाल और एबी सुबैया जैसे अनुभवी गोलकीपर थे।फुलबैक में लाजरूस बारला, दिलीप टिर्की , डिफेंस में संदीप सोमेश, बलबीर सिंह सैनी , मोहम्मद रियाज थे तो फारवर्ड लाइन में मुकेश कुमार, मैं , समीर दाद , बलजीत ढिल्लों जैसे खिलाड़ी थे।''

उन्होंने कहा ,'' जब भारतीय टीम कल पोडियम पर स्वर्ण पदक पहने खड़ी थी तो मैं 25 साल पीछे चला गया। पदक जीतने के बाद मैं सुबैया और बलाल को पकड़कर मैं रो रहा था।''

धनराज ने कहा ,'' मुझे 19 साल हो गए हॉकी छोड़े लेकिन हॉकी को फॉलो करना नहीं छोड़ा। मैने बहुत सारे स्टेडियम में तिरंगा हाथ में लेकर मैदान का चक्कर काटा है। तिरंगे को देखते हुए टीम जब राष्ट्रगान गाती है तो अलग ही माहौल होता है।एक खिलाड़ी ही समझ सकता है कि उस समय खिलाड़ी के मन में क्या चलता है।''

कई ओलंपिक क्वालीफायर से गुजर चुके धनराज ने कहा कि वह यही दुआ कर रहे थे कि भारतीय टीम हांगझोउ से ही पेरिस का टिकट कटा ले। उन्होंने कहा ,'' एशियाड के जरिये ओलंपिक क्वालीफाई करने से बहुत राहत मिलती है। क्वालीफाइंग का दबाव इतना रहता है कि तैयारियों पर फोकस नहीं कर पाते। मुझे पुराने ओलंपिक क्वालीफायर याद आ रहे थे और मैं यही प्रार्थना कर रहा था कि हम हांगझोउ से ही क्वालीफाई कर लें।''

ओलंपिक के लिये टीम को इससे दुगुनी तैयारी की सलाह देते हुए इस दिग्गज ने कहा ,''मैं यही कहूंगा कि अभी तक जो तैयारी आपने की है ,उससे दुगुनी तैयारी ओलंपिक के लिये करनी होगी। वहां विश्व चैम्पियन टीमों से , आस्ट्रेलिया , नीदरलैंड , जर्मनी जैसी टीमों से खेलना है।''

उन्होंने कहा ,'' इसके अलावा यह भी दबाव भी रहेगा कि पदक का रंग बदलना है। पिछला कांस्य था तो अब रजत या स्वर्ण जीतने का दबाव होगा। बाहर क्या बातें हो रही है , उसे नजरंदाज करके सिर्फ खेल पर फोकस रखें। चोटों से बचकर रहना बहुत जरूरी है।

स्वर्ण पदक विजेता हॉकी खिलाड़ियों और स्टाफ को पांच पांच लाख रूपये देगी ओडिशा सरकार

भुवनेश्वर,07 अक्टूबर 2023। एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय पुरूष हॉकी टीम को बधाई देते हुए ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने हर खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ के सदस्य को पांच पांच लाख रूपये नकद पुरस्कार देने का ऐलान किया है।

पटनायक ने कहा कि एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक के लिये क्वालीफाई करने वाली टीम को उनके इस प्रदर्शन के सम्मान में यह पुरस्कार दिया जायेगा।

मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉल के जरिये खिलाड़ियों से बात भी की। उन्होंने कहा ,'' भारतीय पुरूष हॉकी टीम को बधाई। उनके समर्पण और अथक परिश्रम ने एक बार फिर साबित कर दिया कि हॉकी वाकई भारत का खेल है।

ओडिशा में हमारे दिलों में हॉकी की खास जगह है और यह ऐतिहासिक दिन हमारी स्मृतियों में हमेशा रहेगा। पेरिस ओलंपिक के लिये टीम को शुभकामना।'' ओडिशा 2018 से भारतीय हॉकी टीमों का प्रायोजक है।

सात्विक-चिराग ने गोल्ड जीतकर इतिहास रचा

फाइनल में साउथ कोरियाई जोड़ी को रौंदा

हांगझोउ,07 अक्टूबर 2023। हांगझोउ में खेले जा रहे 19वें एशियन गेम्स में भारत का धमाकेदार प्रदर्शन जारी है। भारत ने शनिवार को न सिर्फ मेडल टेली में पहली बार 100 के पार पहुंचने को रिकॉर्ड बनाया बल्कि एशियाई खेलों में पहली बार बैडमिंटन का गोल्ड मेडल अपने नाम किया। बैडमिंटन के पुरुष युगल फाइनल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने साउथ कोरियाई जोड़ी को 21-18, 21-16 से हराकर एशियाई खेलों में भारत को पहला बैडमिंटन गोल्ड मेडल दिलाया। बैडमिंटन में पहली बार एशियाई खेलों में भारत ने गोल्ड मेड जीता है। भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु ने जकार्ता 2018 एशियन गेम्स में महिला एकल स्पर्धा में सिल्वर मेडल जीता था। दुनिया की तीसरे नंबर की भारतीय जोड़ी ने कोरियाई जोड़ी को 56 मिनट के खेल में 21-18, 21-16 से हराया। इस बीच सात्विक और चिराग ने कुछ अच्छे ड्रॉप शॉट, स्मैश और बैकहैंड शॉट लगाते हुए पहला गेम 29 मिनट का समय लेकर 21-18 से अपने नाम किया।

वहीं दूसरा गेम भी बेहद रोमांचक रहा और दोनों ही टीमों ने लगातार बेहतरीन प्रयास किया। लेकिन भारतीय जोड़ी ने विरोधी जोड़ी को एक भी मौका नहीं दिया। ब्रेक तक भारतीय जोड़ी ने 11-8 की बढ़त बनाए रखी। भारतीय जोड़ी ने इसके बाद लगातार कई शानदार शॉट लगाते हुए विरोधी टीम को गलती करने के लिए मजबूर किया।

आखिर में एशियाई खेल 2023 भारत बैडमिंटन में तीन पदक के साथ अभियान खत्म किया जिसमें एक गोल्ड, एक सिल्वर और एक ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं।

100 मेडल होने पर मिली बधाई

10 अक्टूबर को करेंगे भारतीय दल का स्वागत

हांगझोउ,07 अक्टूबर 2023। एशियाई खेलों में भारत के सौ पदक पूरे होने पर पीएम मोदी ने भारतीय दल को बधाई दी है। साथ ही उन्होंने शनिवार को कहा है कि वह भारतीय दल का 10 अक्टूबर को स्वागत करेंगे।

दरअसल, पीएम मोदी ने पोस्ट करते हुए लिखा, हर अद्भुत प्रदर्शन ने इतिहास रचा और हमारा हृदय गर्व से भर दिया। मैं 10 अक्टूबर को एशियाई खेलों के दल का स्वागत करूंगा और खिलाड़ियों से बात करूंगा। मैं अपने शानदार खिलाड़ियों को बधाई देता हूं जिनके प्रयासों से भारत ने ये ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। भारत के लिए लोग रोमांचित हैं कि हमने 100 मेडलों की उपलब्धि हासिल की है।

भारतीय दल ने एशियन गेम्स 2023 के 14वें दिन मेडल का शतक पूरा कर लिया है। आज यानी 7 अक्टूबर को सुबह-सुबह तीरंदाजी में अदिति गोपीचंद ने वूमेंस कंपाउंड इवेंट में कांस्या पदक जीता। वहीं, ज्योति सुरेखा ने गोल्ड पर कब्जा जमाया। इसके तुरंत बाद मेंस कंपाउंड इवेंट के फाइनल में ओजस और अभिषेक ने क्रमशः गोल्ड और सिल्वर मेडल अपने नाम किया है।

साथ ही दूसरी ओर आज ही भारत की वूमेंस कबड्डी टीम ने चीनी ताइपे को हराते हुए गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया। इस गोल्ड मेडल के साथ ही भारत ने एशियाई गेम्स में अपनी 100 मेडल पूरे कर लिए। बता दें, भारत ने अबतक 25 गोल्ड, 35 सिल्वर और 40 ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम लिया है। इसके अलावा, भारतीय क्रिकेट प्रेमी आज अफगानिस्तान के खिलाफ पुरुष क्रिकेट फाइनल जीतने का इंतजार कर रहे हैं।

गणपथ में टाइगर श्रॉफ-कृति सेनन की दिखी इलेक्ट्रिक केमिस्ट्री

टाइगर श्रॉफ और कृति सेनन स्टारर गणपथ के निर्माताओं ने पार्टी एंथम हम आए हैं को लॉन्च किया, जिसमें मुख्य जोड़ी के बीच शानदार केमिस्ट्री दिखाई गई है। टीजर ने फैंस को और एक्साइटिड कर दिया है। गाने के लॉन्च के बाद दर्शकों और म्यूजिक लवर्स में समान रूप से उत्साह की लहर दौड़ गई है।

फैंस टाइगर और कृति के धमाकेदार डांस को एक साथ देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। गाने में दोनों की केमिस्ट्री ने फैंस को खुश कर दिया है।

दो मिनट 49 सेकंड के इस गाने में टाइगर को दमदार लुक में दिखाया गया है, जबकि कृति पूरी तरह से ग्लैमरस नजर आ रही हैं। इसे सिद्धार्थ बसरुर और प्रकृति कक्कड़ ने गाया है। म्यूजिक व्हाइट नॉइज़ स्टूडियोज का है और गीत प्रिया सरैया के हैं।टाइगर और कृति के साथ, यह गाना अगला चार्टबस्टर बनने के लिए तैयार है, जो एयरवेव्स और डांस फ्लोर पर समान रूप से हावी होगा। टाइगर और कृति द्वारा किया गया चेन हुक-स्टेप एक नया ट्रेंड बन रहा है।

गणपथः ए हीरो इज बॉर्न हिंदी सिनेमा की एक्शन शैली फिल्म है। यह फिल्म विकास बहल द्वारा निर्देशित है, जो कंगना रनौत-स्टारर क्वीन के निर्देशन के लिए जाने जाते हैं।

पूजा एंटरटेनमेंट गुड कंपनी के सहयोग से गणपथः ए हीरो इज़ बॉर्न प्रस्तुत करता है। फिल्म का निर्माण वाशु भगनानी, जैकी भगनानी, दीपशिखा देशमुख और विकास बहल द्वारा किया गया है।यह 20 अक्टूबर को हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ में रिलीज होने वाली है।

मौनी रॉय की सुल्तान ऑफ दिल्ली का ट्रेलर जारी,अपराध और सत्ता की दिखी झलक

मौनी रॉय पिछले काफी समय से फिल्मों से दूर हैं, लेकिन उनको कई म्यूजिक वीडियो में देखा गया है। मौजूदा वक्त में मौनी अपनी वेब सीरीज सुल्तान ऑफ दिल्ली को लेकर खबरों का हिस्सा बनी हुई हैं।यह सीरीज इसलिए भी खास है क्योंकि इसके जरिए मौनी ओटीटी की दुनिया में कदम रखने के लिए तैयार हैं। अब निर्माताओं ने सुल्तान ऑफ दिल्ली का ट्रेलर जारी कर दिया, जो अपराध और सत्ता की कहानी पर अधारित है।

सुल्तान ऑफ दिल्ली का प्रीमियर 13 अक्टूबर को डिज्नी+ हॉटस्टार पर होगा। ओटीटी प्लेटफॉर्म ने एक्स हैंडल पर सुल्तान ऑफ दिल्ली का ट्रेलर साझा करते हुए लिखा, हर चीज की एक कीमत होती है- फिर वो जिंदा रहने की हो, या सुल्तान बनने की।इसमें ताहिर राज भसीन, निशांत दहिया, हरलीन सेठी, अनुप्रिया गोयनका, विनय पाठक और महरीन पीरजादा जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।इसका निर्देशन सुपर्ण एस वर्मा ने मिलन लुथरिया के साथ मिलकर किया है।

मिलन लूथरिया के निर्देशन में बनी मल्टीस्टारर सीरीज सुल्तान ऑफ दिल्ली की कहानी 60 के दशक को ध्यान में रखते हुए गढ़ी गई है, जिसमें एक्शन, ग्लैमर और फुल ऑन ड्रामा देखने को मिलेगा।

टीजर में शुरुआत ग्लैमरस क्वीन मौनी रॉय से होती है, जो सीरीज में एक अभिनेत्री का किरदार निभा रही हैं। उनका आइटम नंबर सीरीज में बोल्डनेस का तड़का लगाएगा। पूरी कहानी अर्जुन भाटिया के इर्द-गिर्द घूमेगी, जिसका किरदार ताहिर राज भसीन निभाएंगे। ताहिर राज भसीन अपने जज्बे और साहस से दिल्ली के सुल्तान बनेंगे। टीजर में उनका एक डायलॉग है, सरहद के उस पार से आए हैं, जिंदा रहने की क्या कीमत है, ये हम से अच्छा और कौन समझता है। उनका ये डायलॉग फैंस को काफी पसंद आ रहा है।

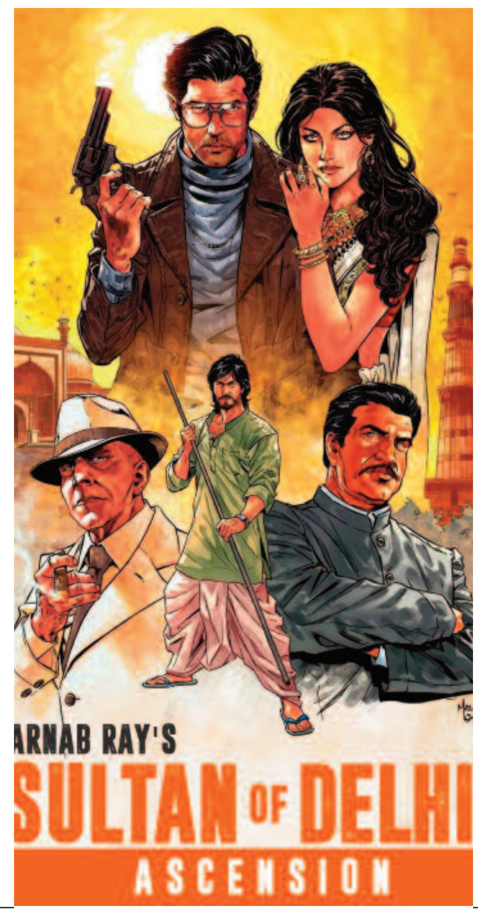

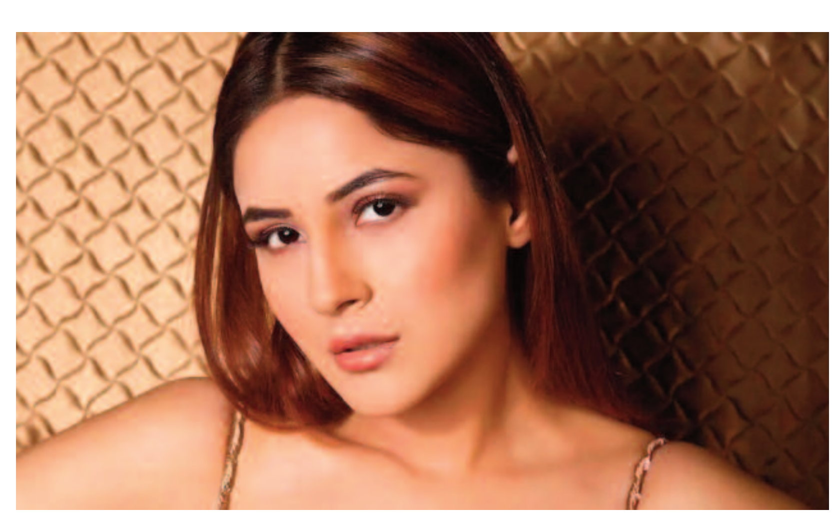

शहनाज गिल ने रिवीलिंग बॉडीकॉन ड्रेस में कराया बोल्ड फोटोशूट,हॉटनेस देख यूजर्स के उड़े होश

एक्ट्रेस शहनाज गिल इन दिनों भूमि पेडनेकर के साथ आई फिल्म थैंक यू फॉर कमिंग को लेकर काफी लाइमलाइट बटौर रही हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट लुक्स से फैंस को दीवाना बना दिया है। इन फोटोज में उनका स्टाइलिश अवतार देखकर लोगों के दिलों की धड़कनें बढ़ गई हैं।

बॉलीवुड एक्ट्रेस शहनाज गिल हमेशा अपने बोल्ड और ग्लैमरस लुक शेयर कर फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो उनका हर एक लुक सोशल मीडिया का पारा गर्म कर देता है। हाल ही में एक्ट्रेस शहनाज गिल ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं शहनाज गिल ने साइड कट बॉडीकॉन आउटफिट पहना हुआ है। ओपन हेयर और मिनिमल मेकअप कर के एक्ट्रेस ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। फोटोज में आप देख सकते हैं शहनाज गिल फ्लोर पर बैठकर एक से बढ़कर एक सेक्सी अंदाज में पोज देती हुई दिखाई दे रही हैं। बता दें कि एक्ट्रेस शहनाज गिल ने सलमान खान स्टारर फिल्म किसी का भाई किसी की जान से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया था। शहनाज गिल सोशल मीडिया क्वीन हैं। अभिनेत्री आए दिन अपनी पोस्ट के जरिए लोगों के बीच छाई हुई रहती हैं।

CMYK

युवा मितान परिवहन योजना का हुआ शुभारंभ

» दूर-दराज से आने वाले छात्र-छात्राओं को अब नहीं होगी परेशानी

» घर से कॉलेज आने-जाने के लिए विद्यार्थियों को निःशुल्क मिलेगी परिवहन सुविधा

रायपुर, 07 अक्टूबर 2023(ए)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शनिवार को अपने निवास कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ युवा मितान परिवहन योजना का शुभारंभ किया। इसके अंतर्गत कॉलेज में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को घर से कॉलेज आने-जाने के लिए निःशुल्क परिवहन सुविधा मिलेगी। मुख्यमंत्री द्वारा की गयी घोषणा पर अमल करते हुए आज इस योजना का शुभारंभ किया गया। इस योजना से कॉलेज और विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले एक लाख से अधिक विद्यार्थियों को लाभ होगा।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने योजना के शुभारंभ पर छात्र-छात्राओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि मैंने आप लोगों से वादा किया था कि कॉलेजों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को घर से कॉलेज और कॉलेज से घर आने-जाने के लिए शासन की ओर से निःशुल्क परिवहन सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। उसी वादे के अनुरूप आज के इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ युवा मितान परिवहन योजना का शुभारंभ किया जा रहा है। मैं बहुत अच्छी तरह यह समझ सकता हूं कि दूर-दराज से कॉलेज पढ़ने के लिए आने-जाने में विद्यार्थियों को कितनी परेशानी का सामना करना पड़ता है। गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के विद्यार्थियों को और भी ज्यादा कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। विद्यार्थियों को कॉलेज आने-जाने के लिए निःशुल्क परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने का वादा हमारे घोषणा पत्र में भी था। आज से इस सुविधा की शुरुआत की जा रही है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा कि इस योजना के अंतर्गत शासकीय कॉलेजों और राजकीय विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाले 01 लाख से ज्यादा नियमित विद्यार्थियों को लाभ होगा। इस योजना पर लगभग 110 करोड़ रुपए का आर्थिक व्ययभार आएगा, इसमें से आधा भार राज्य शासन द्वारा वहन किया जाएगा एवं आधा व्यय बस संचालकों द्वारा छूट के तौर पर वहन किया जाएगा। पिछले पांच वर्षों के दौरान हमने प्राइमरी स्कूलों से लेकर महाविद्यालयों तक उत्कृष्ट शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए लगातार कदम उठाए हैं। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय योजना के अंतर्गत राज्य में 753 अंग्रेजी और हिंदी माध्यम के उत्कृष्ट विद्यालयों का संचालन किया जा रहा है। इन स्कूलों में 4 लाख से अधिक विद्यार्थियों को निःशुल्क प्रवेश दिया गया है।

विद्यार्थी ऐसे उठा सकते हैं योजना का लाभ

छत्तीसगढ़ युवा मितान परिवहन योजना का लाभ उठाने के लिए छात्र वेबसाईट पर कॉलेज और रूट के साथ बस पास के लिए आवेदन कर सकते हैं। कॉलेज लॉग इन कर सभी विवरणों की जांच के पश्चात् आवेदन को स्वीकृत या अस्वीकार करेगा। स्वीकृत छात्र लॉग इन कर क्यूआर कोड युक्त अपना बस पास डाउनलोड कर उसका प्रिंटआउट अपने पास सुरक्षित रख सकते हैं। बस कंडेक्टर द्वारा पास की जांचकर घर से महाविद्यालय, महाविद्यालय से घर ले जाया जाएगा।

विद्यार्थियों को इसका भरपूर लाभ मिलेगा

छत्तीसगढ़ युवा मितान परिवहन योजना के तहत छात्रों को घर से महाविद्यालय तक आने-जाने में सुविधा होगी। निःशुल्क परिवहन से छात्रों को उच्चशिक्षा प्राप्त करने में आसानी होगी। यह योजना छात्रों के लिए आर्थिक रूप से भी मददगार होगी। यह योजना छात्रों के समय की बचत करेगी। यह योजना छात्रों के बीच सामाजिक समावेश को बढ़ावा देगी।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि राज्य के सभी शासकीय स्कूलों में शिक्षकों की कमी को दूर करते हुए 30 हजार से अधिक शिक्षकों की भर्ती की गई है। कॉलेजों में 1252 सहायक प्राध्यापकों, 40 ग्रंथपालों और 39 क्रीड़ा अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। हाल ही में हमने 12 वीं के विद्यार्थियों के लिए स्वामी आत्मानंद कोचिंग योजना की शुरुआत भी की है। इस योजना में विद्यार्थियों को नीट और जेईई प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी के लिए निःशुल्क कोचिंग दी जा रही है। पिछले पांच वर्षों के दौरान राज्य में 83 नये कॉलेज खोले गए हैं। पहले से संचालित कॉलेजों में 23 हजार 500 सीटों की वृद्धि की गई है। जिला मुख्यालयों में 10 नये कन्या महाविद्यालय खोले गए हैं। राज्य में अंग्रेजी माध्यम के 10 कॉलेजों की भी शुरूआत की गई है। प्रदेश में वर्ष 2018-19 में 02 लाख 26 हजार 373 विद्यार्थी कॉलेजों में प्रवेशित थे, इसकी तुलना में वर्ष 2022-23 में 03 लाख 35 हजार 139 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। साथियों, हमारी सरकार ने विद्यार्थियों के लिए शिक्षा के उत्कृष्ट वातावरण के निर्माण के साथ-साथ उनके लिए अच्छा भविष्य भी सुनिश्चित किया है।

राहुल उप्पल का घर ईडी ने किया सील

» जूस फैक्ट्री में लूस पेपर्स की तलाशी

रायपुर/दुर्ग, 07 अक्टूबर 2023(ए)। ऑनलाइन बैटिंग महादेव एप का छत्तीसगढ़ सहित देशभर में नाम कमाने वाले एक मुख्य आरोपी का घर ईडी ने सील कर दिया है।

ऑनलाइन सट्टा के जरिये करोड़ों रुपये कमाने वाले सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (श्वष्ठ) का शिकंजा कसता जा रहा है। ईडी ने रवि उप्पल के घर पर नोटिस चस्पा किया है।

दरअसल ईडी की टीम भिलाई के अलग-अलग ठिकानों पर पहुंची थी। ईडी ने पुराने सटोरियों के घर और जूस फैक्ट्री में छापामार कार्रवाई कर दस्तावेज खंगाले हैं। ईडी के इस कार्रवाई की जानकारी पूरी गोपनीय रखी गई थी।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक ईडी की टीम ने शुक्रवार को ऑर्बिट फूड्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में दबिश दी थी। दरअसल, नेहरु नगर स्थित ऑर्बिट फूड्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को सट्टा किंग सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल ने मिलकर खोला था।

इसका डायरेक्टर सौरभ का भाई गीतेश चंद्राकर था। फरवरी 2022 में गीतेश ने भिलाई की कंपनी बेच दी। गीतेश ने जूस फैक्ट्री के नाम से ऑर्बिट फूड्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की फेंचाइजी के तहत 14 जूस फैक्ट्री खोले हैं।

बॉलीवुड सेलिब्रिटि से भी ईडी करेगी पूछताछ

महादेव सट्टा किंग सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल दुबई में हैं। वहीं से ऑनलाइन सट्टा का काला कारोबार चला रहे हैं। पिछले दिनों ईडी ने छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश सहित कई 39 जगहों पर छापा मार चुकी है। अभी मामले की जांच चल रही है। ऐसा बताया जाता है कि सौरभ चंद्राकर ने अपने भाई गितेश चंद्राकर को भी दुबई बुला लिया। महादेव एप के प्रमोशन और सौरभ चंद्राकर की शादी में बॉलीवुड का तड़का लगाने वाले कई एक्टर्स को नोटिस जारी किया गया है।

दुर्ग से दो लोगों को रायपुर ले जाने की चर्चा

सूत्रों के मुताबिक ईडी पहले दुर्ग के मोहननगर पहुंची थी। दुर्ग पुलिस ने महादेव ऐप के खिलाफ सबसे पहले अपराध मोहन नगर थाने में दर्ज किया था। इसमें आरोपी राम प्रवेश, खड़क सिंह राजपूत, आलोक सिंह, अभिषेक सिंह और सौरभ चंद्राकर समेत अन्य को पुलिस ने आरोपी बनाया था।इसी आधार पर ईडी ने रेड मारी। दो आरोपियों को प्रवर्तन निदेशालय द्वारा ले जाने की चर्चा है। दोनों से रायपुर कार्यालय में पूछताछ की जा रही है। बाकी आरोपियों को समन के जरिए बुलाया गया है।

जातीय जनगणना को लेकर भाजपा पर सीएम भूपेश ने साधा निशाना

रायपुर, 07 अक्टूबर 2023(ए)। भूपेश बघेल ने जातीय जनगणना को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा है। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा, भाजपा आरक्षण के विरोध में हैं। कोर्ट का एक आदेश था कि किस आधार पर पिछड़े वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण दे रहे हो। हमने केवल पिछड़े वर्ग और ईडब्ल्यूएस का हेडकाउंट कराया था जिसमें पाया गया कि ओबीसी 43.5 प्रतिशत है। सीएम बघेल ने कहा, क्या भाजपा नहीं मानती कि छत्तीसगढ़ में ओबीसी 43 प्रतिशत से अधिक है। अगर नहीं मानते तो जनगणना क्यों नहीं करा रहे।

बिहार में नीतीश सरकार द्वारा करायी गयी जातीय जनगणना ने देश की राजनीति में एक नया मुद्दा खड़ा कर दिया है। अब राजनीतिक दलों और राज्यों में चल रही सरकारों के बीच इस बात पर चर्चा शुरू हो गई है कि उन राज्यों में भी जातीय जनगणना होनी चाहिए।

कभी भी लागू हो सकती है आचार संहिता

» राजनीतिक पार्टियों ने रैलियों-सभाओं को किया तेज

रायपुर, 07 अक्टूबर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ में चुनावी आचार संहिता कभी भी लागू हो सकती है। छत्तीसगढ़ की मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय की सीईओ रीना बाबा साहेब कंगाले ने बताया कि केंद्रीय चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों का पालन करेंगे। चुनाव तारीखों की घोषणा से ही आचार संहिता स्वमेव लागू हो जाएगी।

प्रशासनिक स्तर पर हमने 90 विधानसभा में मतदान की पूर्व तैयारियां पूरी कर ली है।आचार संहिता के लागू होते ही चुनाव की तारीखों का खुलासा हो जाएगा। राजनीतिक पार्टियों ने भी चुनाव आचार संहिता के मद्देनजर रैलियों-सभाओं को तेज कर दिया है।

राज्य सरकार ने एक के बाद एक लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रमों का आयोजन कर रही है। चुनाव आचार संहिता के लागू होते ही लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रमों पर रोक लग जाएगी। छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और राजस्थान में चुनाव तारीखों की घोषणा केंद्रीय चुनाव आयोग के जरिए होगा।

प्रदेशभर में मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। वर्ष 2018 में हुए विधानसभा चुनाव की बात करें तो निर्वाचन आयोग ने 6 अक्टूबर 2018 के दिन चुनाव का ऐलान किया था। दो चरणों में हुए चुनाव में पहला मतदान 12 नवंबर को 18 सीटों पर और दूसरा मतदान 20 नवंबर को 72 सीटों पर हुआ था।

छत्तीसगढ़ में कुल 90 विधानसभा सीटें हैं। 2018 में विधानसभा चुनाव कांग्रेस ने 90 में से 68 सीटें जीतकर छत्तीसगढ़ में जबरदस्त वापसी की और भाजपा से राज्य की सत्ता छीन ली। वहीं भाजपा महज 15 सीटों पर सिमट गई। जबकि, जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ जोगी और बहुजन समाज पार्टी गठबंधन को सात सीटें मिलीं। छत्तीसगढ़ में कुल 33 जिलों में 90 विधानसभा सीट है। जिसमें कुल 51 सीटें सामान्य, 10 सीटें एससी और 29 सीटें एसटी के लिए आरक्षित हैं।

धर्मांतरण करने वालों के लिए फरमान

तालाब और हैंडपंप से नहीं ले पाएंगे पानी

जगदलपुर, 07 अक्टूबर 2023(ए)। धर्मांतरित परिवार को मिलने वाली मूलभूत सुविधाओं पर मूल आदिवासी समाज के लोग प्रतिबंध लगा रहे हैं। ताजा मामला तोकापाल ब्लॉक के राजुर पंचायत का है। जहां सभा आयोजित कर यह फैसला लिया है कि अपने मूल धर्म को छोड़कर ईसाई धर्म को अपनाने वाले ग्रामीणों को अब तालाब और हैंडपंप का पानी उपयोग करने नहीं दिया जाएगा।

बस्तर में बढ़ते धर्मांतरण का मुद्दा गरमाया हुआ है. बस्तर जिले के ग्रामीण अंचलों में धर्मांतरण के मामले पर बढ़ते विवाद को लेकर हालात बिगड़ते ही जा रहे हैं। साथ ही धर्मांतरित परिवार के खेतों और घरों में अब गांव के कोई भी मजदूर काम नहीं कर सकेंगे. साथ ही ऐसे परिवार के घर में किसी की मौत होने पर उन्हें हिंदुओं के श्मशान घाट में शव दफन करने नहीं दिया जाएगा।

गांव के मुखिया, पुजारी, गायता और ग्राम सभा के अध्यक्ष ने बढ़ते धर्मांतरण के मामले को लेकर 15 बिंदुओं का फरमान जारी किया है। ग्राम सभा के अध्यक्ष का कहना है कि जिस तरह से लगातार लोग अपने मूल धर्म को छोड़कर ईसाई धर्म अपना रहे हैं। इससे बस्तर की संस्कृति, परंपरा और रीति रिवाज पर खतरा मंडरा रहा है. इसे ही ध्यान में रखते हुए ग्राम सभा कर सर्वसम्मति से यह फैसला लिया गया है. साथ ही बस्तर कलेक्टर को भी ज्ञापन सौंपा गया है।

बस्तर जिले में पिछले कुछ सालों से धर्मांतरण के मामले को लेकर लगातार गांव-गांव में विवाद हो रहा है। कुछ दिन पहले ही फरमान गांव के मूल धर्म के आदिवासियों ने धर्मांतरित परिवार के लिए आदेश जारी किया था। हालांकि यहां ग्रामीणों से बैठक कर प्रशासन से मामला सुलझा लिया था। ग्राम सभा अध्यक्ष रामधर ने आरोप लगाया है कि बाहरी लोगों के द्वारा इन आदिवासियों को अनेक तरह के प्रलोभन देकर मतांतरण करवाया जा रहा है। कई बार बैठक में धर्मांतरित परिवार को वापस अपने मूल धर्म में लौटने को भी कहा गया लेकिन धर्मांतरित परिवार वापस अपने मूल धर्म में आने के लिए तैयार नहीं है।

ग्राम सभा के अध्यक्ष रामधर ने बताया कि जिन्होंने धर्मांतरण कराया है. धर्मांतरित परिवार के घर पर मृत्यु होने से उन्हें गांव के श्मशान घाट में दफनाने नहीं दिया जाएगा। अगर वह वापस अपने मूल्य धर्म में लौटते हैं ऐसे हालात में ही शव का अंतिम संस्कार करने दिया जाएगा। इसके अलावा धर्मान्तरित परिवार के खेतों या घर बनाने जैसे कार्यों में गांव के मूल धर्म के आदिवासी मजदूरी का काम नहीं करेंगे।

पूर्व सीएम रमन ने पीएम मोदी को लिखा पत्र

» सीजीपीएससी में भर्ती की सीबीआई से जांच कराने की उठाई मांग

रायपुर, 07 अक्टूबर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ में पीएससी की भर्ती में हुए तथाकथित घोटाले को लेकर सीजी हाईकोर्ट में सुनवाई हो रही है और कोर्ट के कड़े रुख के बाद राज्य सरकार ने मामले की स्वयं जांच कर रिपोर्ट देने की बात कही है, मगर विपक्षी पार्टी भाजपा को राज्य सरकार पर भरोसा नहीं है, यही वजह है कि पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेपी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर इस मामले से अवगत कराया है और इसकी जांच सीबीआई के माध्यम से कराये जाने की मांग की है।

पीएम मोदी को लिखे पत्र में डॉ रमन सिंह ने उल्लेख किया है कि पीएससी भर्ती में भाई-भतीजा वाद के चलते युवाओं में भारी निराशा और आक्रोश है। भर्ती प्रक्रिया में भारी गड़बड़ी की ओर इशारा करते हुए रमन सिंह ने लिखा है कि छत्तीसगढ़ के काबिल युवाओं का भविष्य गर्त में जाने से बचाने के लिए इस मामले की जांच सीबीआई से कराएं और युवाओं को न्याय दिलाएं।

क्या छग में सीबीआई किसी मामले की जांच कर सकती है?

अब सवाल यह उठता है कि इस मामले की जांच से कराने की मांग उठाते हुए पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह केवल राजनीति कर रहे हैं या सीबीआई छत्तीसगढ़ के इस मामले की जांच भी कर सकती है। दरअसल छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रदेश में राज्य की इकाइयों में हुए किसी भी मामले की जांच पर प्रतिबंध लगा रखा है। इसलिए सीबीआई यहां सीधे हस्तक्षेप नहीं कर सकती।

पीएम ने पीएससी स्कैम को लेकर ये कहा था

गौर करने वाली बात यह भी है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बस्तर की आमसभा में कहा था कि छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनने पर पीएससी घोटाले की जांच कराई जाएगी। इसका मतलब यह माना जा सकता है कि प्रधानमंत्री भी इस मामले में सीधे हस्तक्षेप नहीं कर सकते।

जानकारों का कहना है कि सीबीआई हाई कोर्ट या सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर ही राज्य की किसी इकाई के खिलाफ जांच की प्रक्रिया शुरू कर सकती है। यही वजह है कि किसी भी मामले को लेकर सीबीआई के छत्तीसगढ़ राज्य कार्यालय में पहुंचने वाले शिकायतकर्ताओं को अधिकारी यही सुझाव देते हैं कि मामले में हाईकोर्ट में याचिका दायर करे और संबंधित मामले की जांच सीबीआई से करने की मांग करें। कोर्ट ने आर्डर दिया तब ही सीबीआई मामले की जांच करेगी। बहरहाल पूर्व सीएम ने पीएम को पत्र लिखा है और देखना यह है कि ठीक विधानसभा चुनाव के पहले इस मामले की केंद्रीय एजेंसी से जांच कराने के लिए किस तरह की पहल होती है।

किसान नेता योगेश तिवारी ने किया भाजपा प्रवेश

रायपुर, 07 अक्टूबर 2023(ए)। केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडवीया और पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह की समक्ष किसान नेता योगेश तिवारी भाजपा प्रवेश किया। रावान भाठा में सभा के दौरान डॉ रमन सिंह भी शामिल हुए। प्रवेश कार्यक्रम में योगेश तिवारी ने स्वीकार किया कि एक पार्टी की विचारधारा से जुड़े होने के कारण उसने भाजपा या भाजपा नेताओं का अपमान हुआ है।योगेश ने अपनी नादानी में सभी भूल चुक के लिए मंच से मांगी माफी। बता दें कांग्रेस फिर जोगी कांग्रेस में सक्रिय भूमिका निभा चुके योगेश बेमेतरा से बहुत पहले से चुनावी मशक्कत कर रहे थे। केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडवीया की उपस्थिति में प्रवेश किय। रावण भाटा में रखी गई थी विशाल आम सभा। बेमेतरा से हजारों की संख्या में समर्थकों के साथ पहुंचे थे योगेश तिवारी। यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगी कि योगेश तिवारी के प्रवेश से आसपास में बनेंगे नए समीकरण।

तकनीकी कोर्स में एज लिमिट खत्म होने से मिलने लगा ये फायदा

रायपुर, 07 अक्टूबर 2023(ए)। इंजीनियरिंग, पॉलिटेक्निक, फार्मेसी, आर्किटेक्ट, एम.टेक, एमबीए, एमसीए की पढ़ाई के लिए उम्र का बंधन खत्म होने से छत्तीसगढ़ में अब किसी भी उम्र में पढ़ाई करने की छूट मिलने लगी है। जिसका असर अब दिखाई दे रहा है। इस बार एमबीए में 38 साल तक के छात्रों ने एडमिशन लिया है। इंजीनियरिंग में भी इस बार 50 से अधिक छात्र 35 वर्ष की उम्र से ज्यादा के हैं।

जानकारों के अनुसार उम्र का बंधन हटाने से यह फायदा होगा कि आने वाले सालों में वे लोग भी तकनीकी कोर्स में एडमिशन ले सकेंगे जिन्होंने किसी कारण से पढ़ाई छोड़ दी थी, या पढ़ाई नहीं कर पाए थे। पिछले साल तक अलग-अलग तकनीकी कोर्स के लिए 30 से 35 वर्ष अधिकतम आयु सीमा थी।

इस बार 78 वर्ष आयु के एक बुजुर्ग ने पॉलिटेक्निक में प्रवेश के लिए फॉर्म भरा था। लेकिन डाक्यूमेंट वैरिफिकेशन के बाद उन्हें एडमिशन नहीं मिला। वहीं राज्य में बीए, बीकॉम, बीएससी समेत अन्य पीजी कोर्स में कुछ वर्ष पहले ही उम्र का बंधन हटाया गया था। इसका असर एडमिशन पर पड़ा है। एलएलबी की पढ़ाई में कई ऐसे छात्र हैं जो 45 वर्ष से अधिक के हैं। 40 प्लस वाले भी कई छात्र पीजी में नियमित छात्र के रूप में पढ़ाई कर रहे हैं।

इंजीनियरिंग की सीटें खाली,एमबीए में प्रवेश कम

शिक्षण संस्थानों में संचालित तकनीकी कोर्स की इस बार भी आधी सीटें खाली रह गई। कई राज्यों में इंजीनियरिंग की करीब 10 हजार सीटें हैं। इसमें से 5400 सीटों में प्रवेश हुए हैं। एमबीए की 1710 सीटों में से 900 सीटें खाली रह गई। पॉलिटेक्निक, फार्मेसी समेत अन्य में भी इस बार एडमिशन कम हुए हैं।

एमबीबीएस में 25 साल की उम्र से ज्यादा कोई भी छात्र नहीं है

प्रदेश के सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस में प्रवेश लेने वाले किसी भी छात्र की उम्र 25 साल से ज्यादा नहीं है। ज्यादातर छात्रों की औसत उम्र 20 से 21 साल की है।

एम्स के डॉक्टरों ने कर दिया कमाल

सर्जरी कर जोड़ दिए पीड़ित के कटे हुए हाथ

रायपुर, 07 अक्टूबर 2023(ए)। राजधानी रायपुर के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के डॉक्टरों की टीम ने जटिल ऑपरेशन को सफलतापूर्वक अंजाम देकर एक बार फिर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। अब तक एम्स द्वारा किए गए कई सफल आपरेशन के बाद नया कीर्तीमान स्थापित करते हुए प्लास्टिक और हड्डी रोग विभाग के डाक्टरों ने हाथ से कटकर अलग हुई हथेली को सात घंटे में पुनः जोड़ने में सफलता पाई है।

पीड़ित अब पूरी तरह से स्वस्थ है। भनपुरी निवासी 38 वर्षीय युवक का हाथ 25 सितंबर को लकड़ी काटने की मशीन में आने से कट गया था। हादसे के 90 मिनट के अंदर स्वजन हथेली को बर्फ में रखकर पीड़ित के साथ एम्स के ट्रामा एवं इमरजेंसी पहुंचे। यहां पर डाक्टरों ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तुरंत भर्ती कर लिया। प्लास्टिक सर्जरी और हड्डी रोग विभाग के चिकित्सकों ने पीड़ित के कटे हुए हाथ का परीक्षण किया। डाक्टरों ने सर्जरी के माध्यम से हथेली को जोड़ने के लिए तुरंत आपरेशन करने का निर्णय लिया।

सात घंटे तक चले आपरेशन में हाथ को पुनः जोड़ने में कामयाबी मिली। हड्डी और नसों को जोड़ने के लिए माइक्रोवस्कुलर तकनीक का प्रयोग किया गया। अभी रोगी का हाथ में प्रतिक्रिया आने लगी है। कुछ ही हफ्तों में इसके पुनः सामान्य होने की उम्मीद है। सर्जरी की टीम में विभागाध्यक्ष डा. जितेन कुमार मिश्रा, डा शर्मेंद्र आनंद साहू, आर्थोपेडिक विभाग के डा. सुदर्शन, एनेस्थिसिया विभाग के डा. देवेंद्र त्रिपाठी, डा. चंदन डे और डा. जावेद के साथ रेजिडेंट्स डा. अबी, डा. अपराजिता, डा. जलज, डा. अभिजित और डा. निकिता शामिल थीं। निदेशक डा. अजय सिंह ने सर्जरी पर हर्ष जताया है।डा. जितेन कुमार मिश्रा ने बताया कि यदि कटे हुए अंग को समय पर अस्पताल में बर्फ के अंदर संरक्षित अवस्था में पहुंचा दिया जाए तो इसे पुनः प्रतिस्थापित करने की संभावना काफी अधिक होती है। इसके लिए आवश्यक है कि अंग सीधे बर्फ के संपर्क में न आए। यदि कटा हुआ अंग सामान्य अवस्था में है और छह से आठ घंटे के अंदर सर्जरी कर दी जाती है तो यह पुनः कार्यशील हो सकता है।

भाजपा विधानसभा से टिकट मिलने के बाद प्रणव मरपच्ची ने कही बड़ी बात

रायपुर, 07 अक्टूबर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो गई है। भाजपा ने अपने 21 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। गौरेला पेंड्रा मरवाही के मरवाही विधानसभा सीट से प्रणव कुमार मरपच्ची को उम्मीदवार घोषित कर दिया है।

प्रणव को है जीत का भरोसा

प्रणव कुमार मरपच्ची की गोंड समाज में काफी पकड़ है। मरवाही विधानसभा अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए आरक्षित है। इसलिए भाजपा ने प्रणव कुमार मरपच्ची पर दांव लगाया है। प्रणव कुमार मरपच्ची ने खुद को भाजपा का एक छोटा सा कार्यकर्ता बताया है। प्रणव ने पूरा भरोसा जताया है कि मरवाही की जनता उनका साथ देगी।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)